हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

रांची, मंगलवार, 22 जुलाई, 2025 वर्ष : 13 अंक : 63 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

संसद का मानसून सत्र, पीएम बोले- ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा... | संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बर्बादी | भारत के ज्योतिर्लिंगः शिवभक्ति का परम केंद्र

दूसरी सोमवारी पर बाबा धाम में आस्था का केसरिया सैलाब

3 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक

देवघरः राजकीय श्रावणी मेला 2025 की दूसरी सोमवारी पर बाबा मंदिर में भक्ति का जनसैलाब उमड़ा. सोमवार सुबह 04:07 बजे से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया. बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से कुमैठा तक रूट लाइन गुंजायमान है.

3 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे बाबा धाम

सभी कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं. अब तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालु बाबाधाम पहुंच गए हैं. कतार इतनी लंबी है कि श्रद्धालुओं को भी परेशानी हो रही है. कई जगहों पर रुटलाइन में अफरा-तफरी हो गयी. डीसी, एसपी सहित पुलिस अधिकारी क्यू कंट्रोल में लगे हैं. दूसरी सोमवारी को जलार्पण के लिए बाबा मंदिर पहुंचे शिव भक्तों की भीड़ इतनी अधिक है कि श्रद्धालुओं की कतार रात के 12:30 बजे ही नंदन पहाड़ रिंग रोड के पार पहुंच गई थी. वहीं, रात दो बजे के बाद श्रद्धालुओं की कतार सिंघवा, चमारीडीह होते कुमैठा पहुंच गयी. इधर, अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए बाबा मंदिर की कमान रैपिड एक्शन फोर्स ने संभाल ली है. जमशेदपुर से आयी रैपिड एक्शन फोर्स की कंपनी ने बाबा मंदिर के निकास द्वार और प्रवेश द्वार पर मोर्चा संभाल लिया है. देवघर डीसी नमन प्रियेश लकड़ा, एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग के अलावा दो अतिरिक्त आईपीएस दीपक पांडे और मनोज स्वर्गियारी बाबा मंदिर से लेकर रूट लाइन में टेल पॉइंट तक कड़ी मॉनिटरिंग कर रहे हैं. डीसी-एसपी सहित सभी वरीय पदाधिकारी और रूट लाइन में तैनात मजिस्ट्रेट भीड़ नियंत्रण में लगे हैं.

पुलिस करवा रही माइकिंग

इसके साथ ही भीड़ को कतारबद्ध करने और नियंत्रित करने के लिए पुलिस की ओर से माइकिंग भी करवाया जा रहा है. बाबा धाम में अधिक भीड़ हो जाने की सूचना कांवरिया पथ पर भी दी जा रही है. भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन कांवरिया पथ पर ही श्रद्धालुओं को ठहरने की सलाह दे रहे हैं. ताकि बाबा धाम पहुंचने पर भीड़ में उन्हें कोई परेशानी ना हो. देवघर में सावन की दूसरी सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण के लिए रविवार की रात से ही भीड़ उमड़ रही है. कांवरियों की लंबी कतार लगी है. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जमशेदपुर से रैपिड एक्शन फोर्स बुलानी पड़ी. इसके बाद भीड़ पर काबू पाया गया. बाबा बैद्यनाथ मंदिर के प्रवेश द्वार और निकास द्वार पर आरएएफ के जवान तैनात हैं. हर गतिविधि पर उनकी पैनी नजर है.

बाबा बैद्यनाथ मंदिर में देर रात निभायी गई विशेष परंपरा, गर्भगृह में आम श्रद्धालुओं की नो एंट्री

बाबा नगरी देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में सावन की दूसरी सोमवारी पर जलाभिषेक के लिए आस्था का जनसैलाब उमड़ा है. सुबह चार बजे मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया. सोमवार की रात बाबा मंदिर में विशेष परंपरा निभायी गई. बाबा बैद्यनाथ की बेलपत्र पूजा की गई. इस दौरान गर्भगृह में आम श्रद्धालुओं की एंट्री बंद रही. इसके लिए अरघा को अस्थायी रूप से हटाया गया फिर पूजा आयोजित की गई. यह पूजा करीब 30 मिनट तक चलती रही.

बांग्लादेश एयरफोर्स का विमान ढाका में स्कूल पर गिरा

पायलट समेत 19 की मौत, 164 घायल; दुर्घटना के वक्त चल रही थी क्लास

ढाकाः बांग्लादेश की वायुसेना का ट्रेनर विमान सोमवार को ढाका के स्कूल पर गिर गया। एप की रिपोर्ट के मुताबिक हादसे में अब तक पायलट समेत 19 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 164 से ज्यादा लोग घायल हैं। 60 से ज्यादा घायलों को बर्न इंस्टीट्यूट रेफर कर दिया गया है। मामूली रूप से घायल कई लोगों का उत्तरा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। घायलों को हाथ ठेले पर अस्पताल ले जाने का एक वीडियो भी सामने आया है। कई घायल बच्चों को हेलिकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया। सरकार ने एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। हादसे के समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। बांग्लादेशी सेना ने वायुसेना का एफ-7 बीजीआई विमान के क्रैश होने की पुष्टि की है। यह विमान चीन में बना था।

गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को वायुसेना के हेलिकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया।

यूनुस ने हादसे पर दुख जताया

अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा- इस विमान हादसे में वायुसेना के सदस्य, माइलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज के छात्र, अभिभावक, शिक्षक और कर्मचारी सहित जिन लोगों को नुकसान हुआ है, वह अपूरणीय है। यह देश के लिए एक बेहद दुखद क्षण है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। यूनुस ने स्थिति को संभालने के लिए अस्पतालों और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने घायलों की हर संभव मदद करने और हादसे की जांच कराने की बात भी कही। दूसरी तरफ फायर सर्विस ने बताया है कि यह घटना दोपहर 1:18 बजे हुई और उनके यूनिट 1:22 बजे मौके पर पहुंच गए। राहत और बचाव कार्य में उत्तरा, टोंगी, पल्लबी, कूर्मिटोला, मीरपुर और पूर्वाचल के आठ फायर स्टेशन के दल शामिल हैं।

चीन में बना है बांग्लादेश एयरफोर्स का F-7BGI फाइटर जेट

एफ-7 बीजीआई बांग्लादेश एयरफोर्स का मल्टीरोल फाइटर जेट है। यह चीन के चेंगदू J-7 फाइटर का एडवांस वर्जन है, जिसे सोवियत यूनियन के मिग-21 की तर्ज पर बनाया गया था। बीएएफ ने 2011 से 2013 के बीच यह फाइटर खरीदा था। इसे थंडरकैट स्क्वाड्रन में शामिल किया गया था।

एफ-7 बीजीआई एक बार में 600 से 650 किलोमीटर की कॉम्बैट रेंज तय कर सकता है, जबकि फेरी रेंज 2,230 किमी तक है। यह अधिकतम 17,800 मीटर की ऊंचाई तक उड़ सकता है और 155 मीटर/सेकंड की रफ्तार से ऊपर उठ सकता है। इस फाइटर जेट में 2 तोपों के साथ 7 हथियार लगाने वाले पॉइंट हैं। इन पर 3 हजार किलोग्राम तक की मिसाइलें और बम लगाए जा सकते हैं। यह PL-5 और पलएल-9 मिसाइल, लेजर गाइडेड बम और सी-704 एंटी-शिप मिसाइल से लैस हो सकता है।

सिमडेगा दुष्कर्म मामला

सीएम हेमंत सोरेन के तेवर तल्ख कहा- यह बर्दास्त के काबिल नहीं

रांचीः सीएम हेमंत सोरेन ने सिमडेगा में नाबालिग के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को गंभीरता से लिया है. सिमडेगा डीसी और पुलिस प्रशासन को कहा है कि यह बिल्कुल बर्दास्त के काबिल नहीं है. सोशल मीडिया में पोस्ट में आगे लिखा है कि आरोपियों की पहचान कर उन्हें अविलंब गिरफ्तार कर आगे कठोरतम कार्रवाई करें. साथ ही बच्ची एवं उनके पूरे परिवार की सुरक्षा एवं अन्य सभी सरकारी सहयता उपलब्ध कराते हुए सूचना दें. इधर बाबूलाल मरांडी ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि सिमडेगा जिले के कोलेबिरा में नाबालिग बेटी के साथ हुई दुष्कर्म की घटना ने पूरे प्रदेश को शर्मसार कर दिया है.

एक मासूम बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाए जाने की घटना अति निंदनीय है. झारखंड पुलिस आरोपी को अविलंब गिरफ्तार कर कठोरतम सजा दिलाएं, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. साथ ही पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा, सहायता और न्याय दिलाने में हरसंभव मदद करें.

झारखंड में माइनिंग टूरिज्म की शुरुआत, सीसीएल और जेटीडीसी के बीच हुआ एमओयू

रांचीः राज्य सरकार ने माइनिंग टूरिज्म की दिशा में बड़ा कदम उठाया है.पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार की मौजूदगी में जेटीडीसी और सीसीएल ने एक समझौते के जरिए माइनिंग टूरिज्म की शुरुआत की है.झारखंड मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में जेटीडीसी और सीसीएल के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए. एमओयू के तहत सीसीएल माइनिंग क्षेत्र में पर्यटकों का प्रवेश निर्धारित सुरक्षा मापदंड और शुल्क के साथ होगा. खनन पर्यटन के लिए इसके लिए तीन यात्रा मार्ग यानी सर्किट निर्धारित किए गए हैं. जिसकी शुरुआत रांची नॉर्थ उरीमारी ओपन कास्ट कोल माइंस से हुई है. सुरक्षा मानकों के तहत पर्यटकों को 10-20 की संख्या में यहां प्रवेश कराया जाएगा. सप्ताह में दो दिन पर्यटन की सुविधा होगी और इसके लिए अग्रिम बुकिंग करानी होगी. पर्यटन यात्रा का समय यहां करीब 2-3 घंटे की होगी. पर्यटकों को स्वतःघोषणा फॉर्म पर हस्ताक्षर करना होगा. 12 साल से कम उम्र के बच्चे बगैर अभिभावक के नहीं जा पाएंगे. यात्रा के दौरान माइनिंग और उसमें टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल सहित संबंधित क्षेत्र की जानकारी पर्यटकों को दी जाएगी.

झारखंड में माइनिंग टूरिज्म की शुरुआतः पर्यटन मंत्री

झारखंड मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने सीसीएल की सराहना करते हुए कहा कि इस एमओयू से माइनिंग टूरिज्म के रूप में भी झारखंड जाना जाएगा. उन्होंने कहा कि आज शुरुआत पहले खनन टूरिज्म सर्किट से की जा रही है. जल्द ही अन्य दो सर्किट की भी शुरुआत होगी. उन्होंने कहा कि बीसीसीएल और सेल के साथ माइनिंग टूरिज्म को लेकर बातचीत चल रही है और जल्द ही इस पर सकारात्मक परिणाम आने की संभावना है. उन्होंने सीसीएल के द्वारा महज चार महीनों में इस तरह के प्रस्ताव को सहमति देने के लिए बधाई देते हुए कहा कि अब लोग इसके माध्यम से शैक्षणिक और भौगोलिक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं. इसका उद्देश्य वित्तीय कमाई का नहीं है, बल्कि इसके बारे में लोग अधिक से अधिक जान सकें यह है. वहीं इस मौके पर सीसीएल के सीएमडी नीलेन्दु कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की इस पहल से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और जल्द ही सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर अन्य दो सर्किट की भी शुरुआत की जाएगी.

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयारः लोकसभा में 16, राज्यसभा में 9 घंटे बहस होगी

खड़गे बोले-पहलगाम आतंकी नहीं पकड़े गए, जवाब दें

नई दिल्लीः संसद मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार हो गई है। अगले हफ्ते इस मुद्दे पर लोकसभा में 16 और राज्यसभा में 9 घंटे बहस होगी। हालांकि विपक्ष का कहना है कि चर्चा सत्र के शुरुआत में होनी चाहिए और पीएम मोदी जवाब दें। इधर, सत्र के पहले दिन राज्यसभा-लोकसभा में पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर हंगामा हुआ। विपक्ष ने इन मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी की। दिनभर में लोकसभा 4 बार स्थगित हुई, जिसके बाद शाम 4 बजे सदन को मंगलवार 11 बजे तक स्थगित कर दिया गया।

मानसून सत्र के पहले दिन की 4 बड़ी बातें...

लोकसभा 4 बार स्थगितः विपक्ष ने लोकसभा में पहलगाम-ऑपरेशन सिंदूर पर हंगामा किया। विपक्षी दलों की मांग थी कि सरकार का प्रमुख होने के नाते प्रधानमंत्री इन मुद्दों पर जवाब दें। इसके चलते लोकसभा 4 बार स्थगित हुई।

स्पीकर को जस्टिस वर्मा को हटाने ज्ञापन सौंपाः जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के संबंध में स्पीकर ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा। लोकसभा में 145 और राज्यसभा में 63 सांसदों ने वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए।

बिल ऑफ लैडिंग बिल, 2025 पासः राज्यसभा से बिल ऑफ लैडिंग बिल, 2025 बिल पास हुआ। यह 1856 के भारतीय बिल्स ऑफ लैडिंग एक्ट की जगह लेगा। यह बिल समुद्री रास्ते से भेजे गए सामान के लिए एक पक्का डॉक्यूमेंट (बिल ऑफ लैडिंग) प्रदान करता है, जो यह साबित करता है कि सामान जहाज पर लदा हुआ है। बिल मार्च में लोकसभा से पास हुआ था।

नए इनकम टैक्स बिल पर कमेटी ने सुझाव दिएः इनकम टैक्स बिल पर बनी संसदीय कमेटी की रिपोर्ट लोकसभा में पेश की। कमेटी ने सुझाव दिए कि वित्त मंत्रालय व्यक्तिगत करदाताओं को बिना किसी जुर्माने के तय तारीख के बाद आयकर रिटर्न दाखिल करके टीडीएस रिफंड लेने की अनुमति दे। साथ ही रिलीजियस कम चैरिटेबल ट्रस्ट को मिलने वाले गुमनाम दान को टैक्स से छूट दी जाए। 622 पन्नों वाला बिल 6 दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को रिप्लेस करेगा।

रांची को मिलेगा एक और फ्लाईओवर, कांटाटोली से बूटी मोड़ तक सीधे सफर की योजना

रांची : राजधानी में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए एक और फ्लाईओवर निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है. यह प्रस्तावित फ्लाईओवर कांटाटोली से बूटी मोड़ तक बनाया जाएगा, जिससे शहर के पूर्वी और उत्तरी हिस्सों के बीच यातायात को सुगम बनाने में मदद मिलेगी.

यहां से यहां तक होगा निर्माण

फ्लाईओवर की शुरुआत योगदा सत्संग से सटे कांटाटोली फ्लाईओवर से होगी और इसका समापन बूटी मोड़ के पास गुमला पेट्रोल पंप के निकट किया जाएगा। यह फ्लाईओवर मेकन चौक, सिरमटोली चौक और कांटाटोली फ्लाईओवर से होते हुए एक निरंतर रैंप के रूप में तैयार किया जाएगा, जिससे वाहन बिना नीचे उतरे सीधे बूटी मोड़ तक पहुंच सकेंगे.

योजना की वर्तमान स्थिति

- पथ निर्माण विभाग ने इस योजना का प्रारंभिक सर्वेक्षण पूरा कर लिया है.
- चयनित परामर्शदाता द्वारा फिजिबिलिटी रिपोर्ट विभाग को सौंप दी गई है.
- फ्लाईओवर निर्माण से पूर्व जरूरी यूटिलिटी शिफ्टिंग (बिजली, पानी, टेलीफोन आदि) की 'योजना भी तैयार कर ली गई है.

शहर को मिलेंगे ये लाभ

- निर्माण के बाद यातायात दबाव में भारी कमी आने की संभावना है.
- कांटाटोली, बूटी मोड़ और रिंग रोड जैसे क्षेत्रों में यातायात सुगम होगा.

2006 मुंबई ट्रेन सीरियल ब्लास्ट केस- सभी 12 आरोपी बरीः हाईकोर्ट बोला- सरकारी वकील दोष साबित करने में नाकाम

मुंबईः मुंबई में 2006 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में हाईकोर्ट ने सोमवार को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रॉसिक्यूशन यानी सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वान्टेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए। 11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सबर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है।

7 लोकल के फर्स्ट क्लास डिब्बों में प्रेशर कुकर से हुए थे ब्लास्ट

मुंबई में 11 जुलाई 2006 को शाम 6 बजकर 24 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट के बीच एक के बाद एक सात ब्लास्ट हुए थे। ये सभी ब्लास्ट मुंबई के पश्चिम रेलवे पर लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट में करवाए गए थे। खार, बांद्रा, जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर रेलवे स्टेशनों के पास ये ब्लास्ट हुए थे। ट्रेनों में लगाए गए बम आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों से बनाए गए थे, जिसे सात प्रेशर कुकर में रखकर टाइमर के जरिए उड़ाया गया था।

लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी आजम चीमा धमाकों का जिम्मेदार

पुलिस ने चार्जशीट में बताया था कि मार्च 2006 में लश्कर-ए-तैयबा के आजम चीमा ने अपने बहावलपुर स्थित घर में सिमी और लश्कर के दो गुटों के मुखियाओं के साथ इन धमाकों की साजिश रची थी। पुलिस ने कहा था कि मई 2006 में बहावलपुर के ट्रेनिंग कैंप में 50 युवकों को भेजा गया। उन्हें बम बनाने और बंदूकें चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद आगे क्या...3 पॉइंट

- सुप्रीम कोर्ट के वकील आशीष पांडे बताते हैं, 'बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।'
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 136 में प्रावधान है कि सुप्रीम कोर्ट में किसी भी हाईकोर्ट या अन्य कोर्ट के फैसले के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका दायर की जा सकती है।
- याचिका मंजूर हुई तो फिर इस पर सुनवाई होगी। बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के आधारों की जांच होगी और फिर फैसला सुनाया जाएगा। इसमें लंबा वक्त लग सकता है।

एंटी टेररिज्म स्क्वैड ने 20 जुलाई, 2006 से 3 अक्टूबर, 2006 के बीच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उसी साल नवंबर में आरोपियों ने कोर्ट को लिखित में जानकारी दी कि उनसे जबरन इकबालिया बयान लिए गए। चार्जशीट में 30 आरोपी बनाए गए। इनमें से 13 की पहचान पाकिस्तानी नागरिकों के तौर पर हुई। करीब 9 साल तक केस चलने के बाद स्पेशल मकोका कोर्ट ने 11 सितंबर 2015 को फैसला सुनाया था। कोर्ट ने 13 आरोपियों में से 5 दोषियों को फांसी की सजा, 7 को उम्रकैद की सजा और एक आरोपी को बरी कर दिया था। 2016 में आरोपियों ने इस फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी और अपील दायर की। 2019 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपीलों पर सुनवाई शुरू की। अदालत ने कहा कि इस मामले में विस्तृत दलीलें और रिकॉर्ड की समीक्षा की जाएगी। 2023 से 2024 तक हाईकोर्ट में मामला लंबित रहा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिया इस्तीफा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखा पत्र, स्वास्थ्य संबंधी कारणों का दिया हवाला

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। धनखड़ ने इस संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक लेटर लिखा है। इसमें स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला दिया है। धनखड़ ने कहा कि उन्होंने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए डॉक्टरी सलाह के आधार पर यह फैसला किया है।

उन्होंने अपने इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार करने की बात कहते हुए संविधान के अनुच्छेद 67(ए) का हवाला दिया है।

समर्थन के लिए जताया आभार

जगदीप धनखड़ ने अपने पत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए कहा कि आपके अटूट समर्थन और मेरे कार्यकाल के दौरान हमारे बीच बने सुखद और अद्भुत कार्य संबंधों के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता/करती हूं। उन्होंने पीएम मोदी के साथ ही मंत्रिपरिषद् को के प्रति भी अपना आभार व्यक्त किया। जगदीप धनखड़ ने लिखा कि मैंने अपने कार्यकाल के दौरान बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा कि सभी माननीय संसद सदस्यों से मुझे जो गर्मजोशी, विश्वास और स्नेह मिला है, वह हमेशा मेरी स्मृति में रहेगा। उन्होंने आगे लिखा कि मैं हमारे महान लोकतंत्र में उपराष्ट्रपति के रूप में प्राप्त अमूल्य अनुभवों और अंतर्दृष्टि के लिए तहे दिल से आभारी हूं।

संक्षिप्त खबरें...

बारिश के कारण कमजोर पड़ा घर गिरा, बीडीओ को आवेदन देकर किया आवास की मांग

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत बादम निवासी गायत्री चौधरी पति सुनील चौधरी का घर पिछले अत्यधिक बारिश के कारण कमजोर पड़ा घर गिर गया है। जिसे लेकर गायत्री चौधरी एवं उसके परिवार के सदस्यों का रहने की समस्या उत्पन्न हो गई है। मामले को लेकर गायत्री चौधरी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी देते हुए नए आवास की मांग की है। वर्तमान में रहने की समस्या को देखते हुए गायत्री चौधरी अपने पति के भाई के घर में अपने बच्चों के साथ रह रही है। वहीं मामले को लेकर प्रखंड कार्यालय द्वारा गिरा हुआ आवास की जांच करवाते हुए नए आवास आवंटित करने का आश्वासन दिया गया है।

शिव हनुमंत पूजा समिति कांवरिया संघ तलसवार का गठन

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। मां छिन्नमस्तिके मंदिर रजरप्पा के पवित्र भैरवी नदी के जल बाबा बुढ़वा महादेव के पवित्र शिवलिंग में जलार्पण विगत कई वर्षों से किया जा रहा है। इसको लेकर शिव हनुमंत पूजा समिति कांवरिया संघ तलसवार की बैठक की गई। बैठक में 2 अगस्त से रजरप्पा से पैदल जल लेकर बाबा बुढ़वा महादेव में सैकड़ो कांवरियों के द्वारा पैदल जल यात्रा (105 किलोमीटर) करते हुए अंतिम सोमवारी 4 अगस्त को भव्य शोभायात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। कांवड़ यात्रा को सफल बनाने को लेकर कांवरिया संघ का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष कैलाश कुमार राणा, सचिव जगदेव कुमार, कोषाध्यक्ष बलराम कुमार, सदस्यों में राजेश कुमार, लालदेव राणा, उपेंद्र राणा, अनिल महतो, रामविलास कुमार, गणेश कुमार, श्याम कुमार, अनिल राणा, राजू कुमार, अरविंद कुमार, संतोष कुमार, पवन कुमार राणा, प्रकाश कुमार, आशीष कुमार, राकेश कुमार, मनोज महतो, उपेंद्र कुमार महतो, कोलेश्वर महतो, मुकेश राणा, ब्रजेश कुमार, रामदुलार राणा का चयन किया गया।

विधायक ने किया विद्युत ट्रांसफार्मर का उदघाटन, चार दिन बाद बिजली आपूर्ति सेवा हुई बहाल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरवां घोरमोरा टोला में चार दिन बाद बिजली आपूर्ति सेवा बहाल हो गई है। जानकारी हो कि घोरमोरा टोला में लगा 63 का केवीए ट्रांसफार्मर 17 जुलाई को जल गया था।जिनकी जानकारी ग्रामीणों ने बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव को दी।विधायक ने संज्ञान लेते हुए विभागीय अधिकारियों से बात कर 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। सोमवार को विधायक ने गांव पहुंचकर विद्युत ट्रांसफार्मर का उदघाटन कर बिजली आपूर्ति सेवा शुरू किया। इस मौके पर प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष इंद्रदेव प्रसाद, भाजयुमो उपाध्यक्ष राजकुमार मंडल, कारू ठाकुर, दीपक ठाकुर, जागेश्वर रजक, गोपी प्रसाद, बासुदेव ठाकुर, विकास कुमार, अशोक कुमार, रामदेव कुमार, महेश प्रसाद, छोटू प्रसाद, अनिल साव, पिंटू कुमार, चंदन कुमार, सोनू कुमार, गल्लू महतो, टिको महतो, मणि ठाकुर समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

जिला स्तरीय नार्को कॉर्डिनेशन समिति की बैठक,मादक द्रव्यों के निषेध हेतु ठोस कदम उठाने पर हुई चर्चा

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता संतोष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में मादक द्रव्यों एवं नशीले पदार्थों के निषेध हेतु जिला स्तरीय समिति (डिस्ट्रिक्ट लेवल कमिटी) की बैठक आयोजित की गई।बैठक में मादक पदार्थों की रोकथाम, युवाओं में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने, स्कूल- कॉलेजों में अभियान चलाने तथा पुलिस व प्रशासन के समन्वय से निगरानी व्यवस्था को सशक्त करने पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर समाहर्ता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में नशे के व्यापार में संलिप्त तत्वों की पहचान कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, जनजागरूकता कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाए ताकि समाज में नशा विरोधी माहौल बने।उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढ़ियों को नशे के जाल से बचाया जा सके।

लोकहित अधिकार पार्टी द्वारा बोल बम कांवरियों की जत्था को किया गया रवानाः हरिनाथ साहू

रांचीः लोकहित अधिकार पार्टी रांची जिला इकाई के तत्वावधान में नगड़ी प्रखंड अध्यक्ष श्री प्रेमचंद साहू जी के नेतृत्व में इटकी प्रखंड के कुर्गी गांव से बाबा धाम देवघर जाने वाले बोल बम कांवरियों की एक टीम को रवाना किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाथ साहू जी ने कांवरियों को सामाजिक न्याय का संकल्प दिलाते हुए अंग वस्त्र पहनाकर शुभकामनाओं के साथ उन्हें देवघर बाबा धाम यात्रा पर रवाना किया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यवाहक रांची जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद गुप्ता , युवा समाजसेवी, दुर्गेश साहू, तथा सुदर्शन प्रजापति उपस्थित थे। इनके अलावा क्षेत्र के अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी कांवरियों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक भावना को प्रोत्साहित करना एवं सामाजिक न्याय हेतु असंख्य शोषित, वंचित, उपेक्षित वर्गों को राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित के लिए युवा वर्ग को राजनीतिक तौर पर जागरूक और सामाजिक एकता को मजबूत करना था। लोकहित अधिकार पार्टी के नेताओं ने यह भी संदेश दिया कि पार्टी समाज के हर वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और धार्मिक व सामाजिक आयोजनों में सदैव सहयोग करती रहेगी।

उलेमा की नज़र हर मसाइल पर रहेः मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी

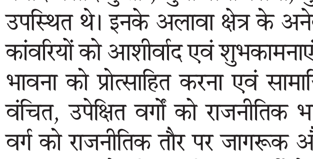

रांचीः इस्लामिक फ़िक़्ह अकादमी (इंडिया) नई दिल्ली मध्य एशिया की एक प्रतिष्ठित और सुप्रसिद्ध शैक्षणिक संस्था है, जो पिछले 37 वर्षों से चर्चा, शोध, लेखन, संकलन और नए शरीयत मसाइल के समाधान हेतु कार्यरत है। अकादमी के अंतर्गत अब तक देश के विभिन्न प्रांतों में 33 फ़िक़्ह सेमिनार आयोजित किए जा चुके हैं। 34वाँ फ़िक़्ह सेमिनार झारखंड राज्य में आयोजित होने जा रहा है। इसी संदर्भ में आज, 21 जुलाई, 2025 को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष, इस्लामिक फ़िक़्ह अकादमी के महासचिव और प्रख्यात धार्मिक विद्वान हज़रत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता विशिष्ट अतिथि हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने की और संचालन हजरत मौलाना मुफ्ती तल्हा नदवी महासचिव मजलिस उलेमा झारखंड ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत कारी कुरान हजरत कारी सोहैब अहमद द्वारा पवित्र कुरान की तिलावत से हुई। नात नबी मौलाना परवेज ने पढ़ी।

कांग्रेस का लक्ष्य गांव, टोला, बूथ स्तर तक पार्टी के संगठन को मजबूत करना - डॉ. सिरीवेला

हम केवल संगठन खड़ा नही कर रहें हैं बल्कि बदलाव के नीव रख रहें है- केशव महतो कमलेश

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में कार्मल स्कूल चौक स्थित पैराडाइज बैक्वेट हॉल में सोमवार को संगठन सृजन 2025 के तहत पहला सत्र में एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा दुसरे सत्र में नगर निकाय चुनाव समिक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।इसमें उत्तरी छोटानागपुर के हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा और चतरा जिलों के जिला अध्यक्ष, प्रखंड व नगर अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, प्रखंड पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री तथा कई प्रदेश स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए । आयोजित बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने की । संगठन को मजबूत करने की दिशा में राजनीतिक प्रशिक्षण देते हुए मुख्य अतिथि उप प्रभारी डॉ.सिरीवेला प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस की विचार धारा जन-जन तक पहुंचाना एंव आगामी चुनाव में कार्यकर्ताओं की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करना है । उन्होंने कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नही बल्कि कांग्रेस पार्टी के पुनर्गठन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है । कांग्रेस का लक्ष्य हर गांव हर टोला और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करना है। विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड की धरती पर पुनर्जागरण का दौर शुरू हो चुका है। हम केवल संगठन खड़ा नही कर रहें है बल्कि हम उम्मीद और बदलाव के नीव रख रहें हैं । उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता को नेतृत्व करने की क्षमता से लेस किया जा रहा है ताकि आने वाले समय में बूथ से लेकर विधानमंडल तक फिर से खड़ी हो सके । कार्यक्रम का संचालन रामगढ़ अध्यक्ष मुन्ना पासवान व चतरा अध्यक्ष प्रमोद दुबे तथा धन्यवाद ज्ञापन कोडरमा अध्यक्ष भागीरथ पासवान ने किया।वक्ताओं में विधायक ममता देवी कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शहजादा अनवर धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद मीडिया अध्यक्ष सतीश पाल मुंजनी सोशल मीडिया अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह एसटी अध्यक्ष केदार पासवान उपाध्यक्ष भीम कुमार महासचिव कुशवाहा प्रवक्ता रियाज अहमद ट्रेनर जकीउल्लाह ने विचार व्यक्त किए।मौके पर प्रखंड पर्यवेक्षक प्रखंड अध्यक्ष मीडिया अध्यक्ष निसार खान महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत दिगम्बर प्रसाद मेहता नौशाद आलम अवधेश कुमार सिंह, लाल मोहन रविदास, शशि मोहन सिंह सिबू प्रसाद सोनी बिनोद सिंह, विजय कुमार, रेणु कुमारी, गोवर्धन गंझू, अजय गुप्ता, मोहम्मद मोइनुद्दीन, डॉ.प्रकाश कुमार, अब्दुल मनान वारसी, शारदा रंजन दुबे, अब्बास अंसारी, सुरजीत नागवाल, रविन्द्र गुप्ता, साजिद हुसैन, अजित सिंह, ज्ञानी प्रसाद मेहता, सत्यनारायण प्रसाद, राजीव कुमार मेहता, सुरेश मेहता दांगी, कुमारी बखला, नरसिंह प्रजापति, कैलाश पति देव, प्रदीप मंडल, संतोष कुमार देव, गौतम कुमार मेहता, बाजू गलहोत मंडल अध्यक्षों में भानु प्रताप सिंह, राजेश कुमार सिंह, नरेश कुमार साव, मोहम्मद एजाज, बबलू साव के अतिरिक्त चतरा, रामगढ़ तथा कोडरमा जिला के पर्यवेक्षक प्रखंड अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष भारी संख्या में उपस्थित थे ।

उपायुक्त ने 64वीं सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता की चैंपियन बालिका टीम को किया सम्मानित

हज़ारीबाग। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा आयोजित 64वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, खेलगांव, रांची में किया गया। इस प्रतियोगिता में हजारीबाग जिले की पीएम श्री के.बी. हाई स्कूल, हजारीबाग की अंडर-17 बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय फाइनल में गुमला की टीम को 7-6 गोल से हराकर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।इस जीत के साथ ही हजारीबाग की टीम अब झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में होने वाले नेशनल टूर्नामेंट में भाग लेगी। इस उपलब्धि पर उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने उपायुक्त कार्यालय में टीम के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित व सम्मानित किया। साथ ही टीम के कोच एवं मैनेजर को भी सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त ने टीम की कप्तान से संवाद करते हुए कहा कि हजारीबाग की बेटियों ने जिला ही नहीं, पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है। उन्होंने टीम को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा।इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन, जिला शिक्षा अधीक्षक, एडीपीओ कौशल किशोर, खेल नोडल शिक्षक मधुसूदन कुमार सिंह, सुनील कुमार यादव, अनूप कुमार मेहता, प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार सिंह, उपेन्द्र कुमार अग्रवाल, शुशीला कुमारी सहित टीम के सभी खिलाड़ी एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

डायन बिसाही के मामले में विधवा महिला का बाल काटकर निवस्त्र घुमाया, एक गिरफ्तार

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिला अंतर्गत बरही प्रखंड के ग्राम जरहिया की विधवा महिला पार्वती मोसेमात पति स्व रामेश्वर यादव के साथ डायन बिसाही का आरोप लगाकर मारपीट करने के बाद सिर मुड़वा कर निवस्त्र घुमाने का मामला सामने आया है।साथ ही महिला से बीस हज़ार रूपये दंड लेने के आरोप में पीड़िता ने बरही थाना में प्राथमिकी दर्ज़ कराई है। प्राथमिकी में ग्राम ज़ारहिया के एक ही परिवार के सुरेश यादव, विनोद यादव, मणि यादव, शम्भू यादव, मनोरमा देवी, किरण देवी समेत कोडरमा निवासी ओझा गुनी महावीर पांडेय को नामज़द अभियुक्त बनाया गया है।बरही थाना की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त शम्भू यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।अन्य अभियुक्त फ़रार बताया जा रहा है।

क्या है मामलाः-

प्राथमिकी के अनुसार 18 जुलाई की रात करीब दस बजे आरोपी पीड़िता के घर घुसकर डायन बिसाही का आरोप लगाते हुए महिला को निर्वास्त्र कर मारपीट करने लगे।ब्लेड से पीड़िता का शरीर जगह जगह काट कर खून निकाल दिया और ओझा गुनी महाबीर पांडेय के निर्देशन में तंत्र मंत्र करने लगे। यह सब घटना तीन घण्टा तक चलता रहा।इस दरमियान अभियुक्त विनोद यादव ने तांत्रिक कर्मकांड का खर्च बताकर पीड़िता से जबरन 20 हजार रुपये भी ले लिया. अगले दिन आरोपी गण पीड़िता को बोलेरो गाड़ी संख्या जेएच 02 एएम 5013 में बैठाकर उसे प्रेतशिला गया (बिहार) ले गए. जहां पीड़िता का सिर मुंडवाकर तंत्र मंत्र का कर्मकांड करवाया।इसके एवज़ में पीड़िता से और रूपये कि रुपये की मांग किया गया। पीड़िता ने डर के मारे अपने पुत्र से अभियुक्त बिनोद यादव के फ़ोनपे पर दस हज़ार मंगवा कर दिया।इसके बाद करीब रात दस बजे अभियुक्त गण पीड़िता को बरही बाजार में लाकर छोड़ दिया।यह धमकी भी दी कि पीड़िता मामले की जानकारी किसी को देगी तो उसे जान मार कर डैम में डाल दिया जाएगा। बरही थाना प्रभारी आभास कुमार ने बताया कि प्राथमिकी डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत तहत दर्ज कर लिया गया है।

लालपुर एक्सटेंशन में छह दिवसीय फैकल्टी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया

रांचीः लालपुर एक्सटेंशन में छह दिवसीय फैकल्टी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन संस्थान के कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने किया। उन्होंने शिक्षा में तकनीकी दक्षता और डिजिटलीकरण की बढ़ती भूमिका पर बात की।
मुख्य अतिथि डीन डॉ. राजू पोद्दार ने कहा कि अच्छे शोध के लिए विश्वसनीय डेटा जरूरी है। निदेशक डॉ. प्रणब कुमार ने बिज़नेस में डिजिटलीकरण के महत्व पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अमृता प्रियम और डॉ. महुआ बनर्जी ने सभी का स्वागत किया और पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की।
देश के विभिन्न बड़े कॉलेजों से आए फैकल्टी और रिसर्च स्कॉलर्स ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के पहले दिन दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र का विषय था "Artificial Intelligence: Elevating HR to New Heights", जिसमें वक्ता डॉ. प्रणब कुमार रहे। दूसरे सत्र का विषय था "आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस एलेवटिंग एचआर न्यू हाइट्स ", जिसे डॉ. शिशिर दत्ता, महाप्रबंधक (अनुसंधान एवं विकास),सी एम पी डी आई , रांची द्वारा प्रस्तुत किया गया।
आयोजन समिति में डॉ. श्राबनी मुखोपाध्याय, डॉ. ए. आर. श्रीवास्तव, डॉ. अशुतोष मिश्रा, डॉ. संजय कुमार, डॉ. मिली दत्ता, डॉ. शिबा मित्रा, डॉ. जया पाल,डॉ. अपर्णा शुक्ला, डॉ. उमेशा प्रसाद, डॉ. पार्थ पॉल,डॉ. सौमित्रो चक्रवर्ती,श्री मनोज गिरि, श्री सुभाशीष रॉय, श्री मनोज कुमार, श्री शांतानु सिन्हा और श्री राणा प्रताप मिश्रा शामिल रहे।
स्वयंसेवी टीम में शिवांगी तिवारी, श्रृष्टि पुष्कर, रोहित पांडेय और अनुब्रत सरकार ने आयोजन में अहम योगदान दिया।

श्रावन के दूसरे सोमवारी पर शिवालयों में लगी भीड़, हर - हर महादेव के नारे से गूंजा बुढ़वा महादेव

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव में श्रावन के दूसरे सोमवारी के शुभ अवसर पर प्रखंड के दर्जनों शिवालयों में शिव भक्तों ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। शिवालयों में अहले सुबह से ही शिव भक्तों ने जलाभिषेक करने के लिए मंदिर के बाहर कतार पर खड़ा होकर भगवान शिव शंभू को जल अर्पण किए। इस दौरान महूदी पहाड़ स्थित प्राचीन व ऐतिहासिक शिव मंदिर में हजारों शिव भक्तों ने जलाभिषेक किए। दिन भर भक्तों का आना-जाना लगा रहा। दूसरे राज्य से आए शिव भक्तों ने बुढ़वा महादेव के प्राकृतिक सुंदरता को खूब सराहा। वहीं कांडतरी एवं खैरातरी के द्वारा बुढ़वा महादेव परिसर में आए शिव भक्तों के लिए प्रसाद का वितरण किया गया। दूसरी ओर, लोगों में भक्ति भावना जगाने को लेकर बड़कागांव बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने श्रावन के हर सोमवारी पर प्रखंड के सभी शिवालयों में शिव भक्तों द्वारा हरि कीर्तन करने की अपील की गई है। प्रसाद वितरण में मुख्य रूप से उप प्रमुख वचनदेव कुमार, सुरेश महतो, प्रेमचंद कुमार, बालेश्वर महतो, कामेश्वर महतो, संजय महतो, मनोहर सिन्हा, अजीत कुमार, प्रभाकर कुमार निराला, लक्ष्मण कुमार, रंजन कुमार, त्रिवरकांत कुमार, रायकर किशोर, विरु कुमार, विक्रम कुमार, बसंत बहार, तुलेश्वर महतो, नेपाल कुमार, स्वरूप नारायण महतो के अलावा हजारों शिव भक्त शामिल हैं।

उपायुक्त की अध्यक्षता में खनन टास्क फोर्स की हुई बैठक

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में खनन टास्क फोर्स की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले में अवैध खनन के विरुद्ध संचालित अभियान एवं की जा रही कार्रवाई की गहन समीक्षा की गई।बैठक में उपायुक्त ने जिले के विभिन्न चेक पोस्टों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा चेक पोस्टों को सतत रूप से क्रियाशील एवं प्रभावी बनाए रखने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से छापेमारी करने का निर्देश दिया। साथ ही अवैध रूप से बालू लाने वाले वाहनों पर विशेष निगरानी रखने पर भी बल दिया।बैठक में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि माह जून 2025 में जिला खनन कार्यालय द्वारा कुल 01 मामलों में कार्रवाई करते हुए 26 वाहनों को जब्त किया गया है, जिनमें बालू लदे 08 वाहन तथा स्टोन चिप्स लदे 18 वाहन सम्मिलित हैं। इस दौरान 01 पर प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 5.62 लाख रुपये की राजस्व वसूली की गई है।जिला परिवहन विभाग द्वारा भी अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए विभिन्न मदों में कुल 1 लाख का दंड वसूला गया है। साथ ही 48 वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए हैं।उपायुक्त ने कहा कि माह जून में विभिन्न अंचलों में कमतर कारवाई की गई है जो संतोषजनक नहीं है। उन्होंने शून्य प्रतिवेदन वाले प्रखंडों को सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया।गौरतलब है कि 15 अक्टूबर तक बालू उठाव पर रोक प्रभावी है।उन्होंने एसडीपीओ एवं अनुमंडल पदाधिकारी को संयुक्त रूप से अवैध बालू पर रोक लगाने का निर्देश दिया।उन्होंने विशेष शाखा से प्राप्त सूचना पर सुनियोजित तरीके के कारवाई करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध खनन के विरुद्ध नियमित रूप से छापेमारी करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें।बैठक में अपर समाहर्ता, सदर एवं बरही अनुमंडल पदाधिकारी, डीएसपी, जिला खनन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी सहित कई अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

पतालसुर पुल के समीप हुई सड़क दुर्घटना में एक बच्चा गंभीर रूप से घायल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बंडासिंघा पतालसुर पुल के समीप हुई सड़क दुर्घटना में एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।सोमवार की शाम को बरकट्ठा से गोरहर की ओर जा रहा दस वर्षीय बच्चे को अज्ञात ट्रैक्टर ने धक्का मार दिया. जिसे सड़क पर गंभीर अवस्था में पड़ा देख ग्रामीणों ने इलाज के लिए तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा ले जाकर भर्ती कराया। जहां से चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया। घायल बच्चे का नाम व पता नहीं चल पाया है। लोगों ने अनुमानतः बताया कि वह ग्राम पहाड़पुर गोरहर का रहने वाला हो सकता है।

कार्यालयः– जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग
(आवेदन–पत्र आमंत्रण सूचना)

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रॉची के विभागीय स्वीकृत्यादेश सं0 10 रा0 (वि0) दिनांक 04.07.2025 के द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अंतर्गत फीड बेस्ड फिशरीज मद में प्राप्त लक्ष्य की उपलब्धि हेतु हजारीबाग जिला के मत्स्य कृषक/केज मत्स्य पालकों/रिसर्कुलेट्री एक्वा कल्चर सिस्टम/बॉयोफलोक टैंक/बायोफलोक तालाब के सक्रिय मत्स्य पालको से फीड का क्रय पर अनुदान राशि प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है, जो निम्नवत है–

क्र0 स0	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य (टन में)		अभ्युक्ति
		101	789	
1	2mm अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड	105	4	मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालको को मछली का उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत अथवा 25 रू0 प्रति कि0ग्रा0 की दर से कुल 700 कि0ग्रा0 फीड के क्रय खुले बाजार से फैक्ट्री उत्पादित फलोटिंग फीड जिसमें जी0एस0टी0 बिलिंग हो पर अधिकतम अनुदान की राशि 17500.00 रू0 मात्र लाभुक को फीड क्रय पर उनके खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान की जायेगी।
2	2mm से 4mm साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड	300	4	केज मत्स्य पालको /रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम के लाभुकों/बायोफलोक टैंक के लाभुकों/बायोफलोक तालाब को मछली का उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत अथवा 25 रू0 प्रति कि0ग्रा0 की दर से कुल 1500 कि0ग्रा0 फीड के क्रय खुलेबाजार से फैक्ट्री उत्पादित फलोटिंग फीड जिसमें जी0एस0टी0 बिलिंग हो पर अधिकतम अनुदान की राशि 37500 .00 रू0 मात्र लाभुक को फीड क्रय पर उनके खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान की जायेगी।
3	झास्कोफिष/विभागीय फिष फीड मिल/PMMSY अंतर्गत निर्मित फिष फीड मिल से फ्लोटिंग फीड का क्रय	40	10	मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालको को मछली का उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत अथवा 25 रू0 प्रति कि0ग्रा0 की दर से झास्कोफिष/विभागीय फिष फीड मिल/PMMSY अंतर्गत निर्मित फिष फीड मिल से फ्लोटिंग फीड का क्रय 24 प्रतिशत प्रोटिन गुणवता युक्त फीड क्रय पर अनुदान देय होगा।

नोट :– सक्रिय केज मत्स्य पालको/ सक्रिय रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम के लाभुकों/ सक्रिय बायोफलोक टैंक के लाभुकों/ सक्रिय बायोफलोक तालाब के लाभुक हों को अनुदान पर फीड का आपूर्ति किया जाना है। उनके द्वारा वर्तमान में किये जा रहे मत्स्य पालन का पिछले एक Crop का रिकॉड हो वर्तमान में संचित मत्स्य बीज की संख्या तथा उपलब्ध मछलियों की ग्रोथ उतरजीविता तथा बिक्री की गई मछलियों का डाटा अपने आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हजारीबाग।

PR 357807 Fish(25-26)D

पूर्व मध्य रेल
ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण) /पूर्व मध्य रेल / धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं. : 1, ई–निविदा सं. : 129–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं.अभि./1/ धनबाद के क्षेत्राधिकार में धनबाद स्टेशन पर पीएफ सं.01 से 06 तक के स्टेशन प्लेटफार्म सतह का मरम्मत एवं संरक्षण, 06 (छ) महीना। कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹74,98,947.65

क्र.सं. : 2, ई–निविदा सं.:130–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं.अभि./ 2/ धनबाद के अधीन व अनु.अभि. (रेल पथ) / धनबाद के सेक्शन में विशेष ट्रैक मरम्मत एवं संरक्षण, 06 (छः) महीना। कार्य की लगभग लागत :(रू.में) : ₹69,99,688.67

क्र.सं. : 3, ई–निविदा सं. : 131–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं.अभि./2/ धनबाद के अधीन व अनु.अभि.(रेल पथ)/ कतरासगढ़ के सेक्शन में विशेष ट्रैक मरम्मत एवं संरक्षण, 06 (छः) महीना कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹72,80,318.02

क्र.सं. : 4, ई–निविदा सं. : 132–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं. अभि. / 2 / धनबाद के अधीन व अनु.अभि. (रेल पथ)/पाथरडीह के सेक्शन में विशेष ट्रैक मरम्मत एवं संरक्षण, 6 (छः) महीना कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹64,99,802/–,

क्र.सं. : 5, ई–निविदा सं. : 133–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : व.मं.अभि./1/ धनबाद के अधीन डाल्टनगंज, गढ़वा रोड एवं बरवाडीह में पुराने एवं जीर्ण–शीर्ण कॉलोनी पाइपलाइन नेटवर्क, सिवर लाइन, सेप्टिक टैंक एवं अन्य फिटिंग्स का अपग्रेडेशन, 09 (नौ) महीना कार्य की लगभग लागत(रू.में) : ₹88,84,413.73

क्र.सं. : 6, ई–निविदा सं. : 134–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : धनबाद मंडलः व.मं.अभि./1/ धनबाद के क्षेत्राधिकार में टोरी–शिवपुर (टीकिमी–06.099), टोरी (टीकिमी–4.699), लातेहार (टीकिमी–11.80), बरवाडीह (टीकिमी–2.351) में टीकिमी सेस मरम्मत, 12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत(रू.में) : ₹11,96,37,544.79

क्र.सं. : 7, ई–निविदा सं. : 135–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : धनबाद मंडलः व.मं.अभि./1/ धनबाद के क्षेत्राधिकार में थ्रु फिटिंग्स नवीनीकरण (टीएफआर) = 81.313 किमी. और एसईजे का नवीनीकरण (07 नं.) तथा ग्लुड जोड़(72 नं.), 12(बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹1,87,54,978.09

क्र.सं. : 8, ई–निविदा सं. : 136–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं.अभि./चोपन के अधीन चोपन, सिंगरौली, ओबरा डैम एवं शक्तिनगर में शौचालय, टाइल्स, जल संयोग और एप्रोच सड़क के प्रावधान द्वारा विभिन्न सर्विस भवन का नवीनीकरण, 12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹1,49,91,522.24

क्र.सं. : 9, ई–निविदा सं. : 137–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : हजारीबाग टाउन–कंसार नवादा के बीच आई.बी. पी. का प्रावधान, 06 (छः) माह महीना, कार्य की लगभग लागत(रू.में): ₹51,63,574.57

क्र.सं. : 10, ई–निविदा सं. : 138–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : कोडरमा–पिपराडीह के बीच आई.बी.पी. का प्रावधान। 06(छः) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू.में) : 51,63,574.57

क्र.सं. : 11, ई–निविदा सं. : 139–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : धनबाद मंडल में व. अनु.अभि. (ब्रिज लाइन)/धनबाद के अधीन प्रधानखंता–मानपुर सेक्शन में पुल सं. 345UP (8×18.30)m और बरकाकाना – गढ़वा रोड सेक्शन में पुल सं. 194UP (3×12.20)m, 218UP (2×12.20+1×18.30)m, 221UP (1×12.20)m, 251UP (4×12.20+1×18.30)m, 298UP(1×12.20)m, 210UP (2×12.20m+ 2×18.30 m, 248 UP (4×18.30) m एवं 269 UP (1×12.20)m का इंस्ट्रूमेन्टेशन। 12(बारह), महीना कार्य की लगभग लागत (रू.मे) : ₹5,01,46,896.06

क्र.सं. : 12, ई–निविदा सं. : 140–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : व.मं.अभि./2/ धनबाद के अधीन सेस मरम्मत, टीकिमी 4.073 (3 मीटर ऊँचाई) एवं टीकिमी 6.113 (6 मीटर ऊँचाई), 09 (नौ) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹3,96,17,581.18

क्र.सं. : 13, ई–निविदा सं. : 141–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : गोमो – बरकाकाना : सहा.मं. अभि. / 2 / गोमो के अधीन विभिन्न पूलो में सेस चौड़ाई, ग्राउटिंग, ब्लास्ट दिवाल, पिचिंग, रेन कट्स इत्यादि का मजबूतीकरण एवं सुधार, 12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹2,34,65,920.65

क्र.सं. : 14, ई–निविदा सं. : 142–DHN–2025–26 कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : तेलो– चंद्रपुरा : सहा.मं.अभि./2 /गोमो के अधीन तेलो– चंद्रपुरा के बीच एलएचएस सं. 7 के नालियों का सुधार, 12 (बारह) महीना, कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹1,19,86,876.17

क्र.सं . : 15, ई–निविदा सं. : 143–DHN–2025–26 कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं.अभि./ बरकाकाना के अधीन अरिगडा–बरकाकाना – बरकाकाना एवाइडिंग साइडिंग सेक्शन में रेल पथ अनुरक्षण कार्य एवं अन्य ट्रैक संबंधित कार्य, 12 (बारह) महीना कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹58,98,835.10

क्र.सं.:16, ई–निविदा सं. :144–DHN–2025–26, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : सहा.मं.अभि./ बरकाकाना के अधीन अरिगडा–बरकाकाना–बरकाकाना एवाइडिंग साइडिंग सेक्शन में विविध अवशेष सिविल कार्य जैसे कि नाली कार्य, भवन कार्य, प्लेटफार्म कार्य इत्यादि, 12 (बारह) महीना कार्य की लगभग लागत (रू.में) : ₹95,68,631.44

बयाने की राशि ;(रू.में) : बयाने की राशि http:// www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू। निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय : ई–निविदा बंद होने की तारीख : 08.08.2025 को 12:00 बजे तक। ई–निविदा खुलने की तारीख:08.08.2025 को 12:30 बजे से। वैबसाइट का विवरण : http:// www.ireps.gov.in ई निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक (अभियंत्रण)/
पूमरे/धनबाद

पीआर/0613/डीएचएन/यां./टी/25–26/160

संक्षिप्त खबरें...

एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेचनेवाले कर्मियों के खिलाफ उत्पाद विभाग लगातार कर रहा कार्रवाई

रांचीः राजधानी रांची की विभिन्न शराब दुकानों पर एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब का विक्रय लगातार किया जा रहा है. इस मामले की न्यूज़ विंग की टीम ने पड़ताल की और मामले से लगातार अवगत करा रही है. न्यूजविंग की टीम ने एक दिन पहले कई दुकानों में पड़ताल की, जिसमें यह स्पष्ट पाया गया कि शराबकर्मी एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब और बीयर की बोतलें बेच रहे हैं. एमआरपी से अधिक पैसे का भुगतान नहीं करने पर कर्मी ग्राहकों से बदतमीजी कर रहे हैं. मामला सामने आने के बाद उत्पाद विभाग की टीम ने कई शराबकर्मियों पर कार्रवाई की और शराब बेचनेवाले सात शराब कर्मी हटाये और आधा दर्जन उत्पाद दरोगा बदल दिये. हालांकि इस कार्रवाई के बावजूद शराब कर्मी सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं. ताजा मामला एक शराब दुकान का है जहां पर आज दोपहर को शराब कर्मियों ने बदतमीजी की और कहा कि यदि क्वार्टर की बोतल पर दस रुपया अधिक नहीं दिया तो शराब की बोतलें नहीं देंगे. मामला प्रकाश में आने के बाद उत्पाद विभाग के अधिकारी ने इस मामले को संज्ञान में लिया और शराबकर्मियों पर कार्रवाई की है. एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेचनेवाले शराब कर्मियों के खिलाफ उत्पाद विभाग की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है. इस मामले में जो लंबे समय से उत्पाद दारोगा जमे हुए थे, उनको हटाया जा रहा है और नये दारोगा का पदस्थापन किया जा रहा है. हालांकि इस घटना के बावजूद शराब दुकान के कर्मी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और अधिक मूल्य पर शराब ग्राहक को लेने लिए मजबूर कर रहे हैं. हालांकि उत्पाद विभाग की टीम इस मामले को लेकर गंभीर है और लोगों से अपील कर रही है कि यदि शराब कर्मी इस प्रकार की हरकतें करती है तो इस मामले की जानकारी उत्पाद विभाग को दे सकते हैं.

डीएवीः स्पोर्ट्स में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

रांचीः डीएवी. स्पोर्ट्स क्लस्टर लेवल स्पोर्ट्स; क्लस्टर 2 के तत्वावधान में डी ए वी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में आयोजित शतरंज प्रतियोगिता में बालक अंडर 19 में विजेता एवं बालिका अंडर-19 में उपविजेता तथा डीएवी. नीरजा सहाय स्कूल में आयोजित हैंडबॉल प्रतियोगिता में एस. आर. डीएवी. पब्लिक स्कूल पुंदाग अंडर 17 बालक एवं बालिका की टीम विजयी घोषित हुई. वहीं डीएवी. पब्लिक स्कूल बरियातू में आयोजित बास्केटबॉल प्रतियोगिता में बालिका अंडर 14 की टीम उपविजेता बनी तथा बालक अंडर 14 एवं 17 की टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा. प्राचार्य डॉ तापस घोष ने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि आज पूरे देश में खेल – कूद को विशेष महत्त्व दिया जा रहा है .खेलो इंडिया और फिट इंडिया आंदोलन का हिस्सा बनना बड़े गर्व की बात है.

अब डॉ रीना ने छोड़ा आजसू का दामन

रांची : आजसू को झटका पर झटका ही मिलता जा रहा है. अब सिंहभूम लोकसभा प्रभारी रही डॉ रीना गोडसोरा ने आजसू का दामन छोड़ दिया है. उन्होंने पत्र के माध्यम से इसकी जानकारी पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो को दे दी है. उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि वे व्यक्तिगत कारणों से सभी पदों से इस्तीफा दे रही हैं. इधर पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष हसन अंसारी ने आदेश जारी कर कहा है कि पश्चिमी सिंहभूम जिला समिति के अनुशंसा पर और केंद्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार डॉ. रीना गोडसोरा को तमाम पदों से मुक्त करते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल हटाया जाता है. वहीं रविवार को पार्टी के केंद्रीय महासचिव विजय कुमार साहू ने भी इस्तीफा दे दिया था.

पीएम जनमन योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाः बाबूलाल

रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश में हो रहे पीएम जन मन योजना पर हो रहे भ्रष्टाचार पर सवाल खड़ा किए हैं. सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि प्रधानमंत्री द्वारा जनजातीय समाज के उत्थान के लिए चलाए जा रहे पीएम जनमन योजना का उद्देश्य सराहनीय है. लेकिन झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन क्षेत्र में ही इस योजना को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया गया है. पहाड़िया आदिवासी समाज के हमारे भाई बंधु आवास निर्माण में भारी धांधली और बिचौलियों की लूट का शिकार हो रहे हैं. जिला कल्याण पदाधिकारी की सांठगांठ से गरीब लाभुकों को अधूरा और घटिया सामग्री से मकान बना कर दिए जा रहे हैं. खातों से पूरी राशि निकाल ली जा रही है. लाभुकों को यह भी नहीं पता कि उनके खाते में कितनी राशि आई और किसने निर्माण कार्य किया. उन्होंने सीएम से कहा है कि इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करें, ताकि पहाड़िया समाज को उनका हक मिल सके. सिमडेगा जिले के कोलेबिरा में नाबालिग बेटी के साथ हुई दुष्कर्म की घटना ने पूरे प्रदेश को शर्मसार कर दिया है. एक मासूम बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म और अश्लील वीडियो बनाए जाने की घटना अति निंदनीय है. झारखंड पुलिस आरोपी को अविलंब गिरफ्तार कर कठोरतम सजा दिलाएं, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. साथ ही पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा, सहायता और न्याय दिलाने में हरसंभव मदद करें.

जांच एजेंसी का अधिकारी बन 50 लाख की ठगी, झारखंड सीआईडी ने गुजरात से किया गिरफ्तार

रांची : झारखंड सीआईडी की साइबर सेल ने एक बड़े साइबर फ्रॉड का भंडाफोड़ किया है. सीआईडी की टीम ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए जूनागढ़ (गुजरात) निवासी रवि हंसमुख लाल गोपनिया को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी ने जांच एजेंसी का अधिकारी बनकर एक व्यक्ति को व्हाट्सएप कॉल पर मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे आरोपों में फंसाने की धमकी दी और 50 लाख रुपये की ठगी कर ली. सीआईडी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने खुद को बेंगलुरु पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों (सीबीआई एनसीबी, और एनआईए) का अधिकारी बताया और पीड़ित को 300 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की बात कही. साइबर अपराधी ने पीड़ित को वीडियो कॉल कर डिजिटल अरेस्ट किया और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर बैंक खातों के सत्यापन के बहाने धीरे-धीरे 50 लाख रुपये ठग लिए. सीआईडी ने तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर गुजरात के अहमदाबाद में छापेमारी की और एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया. उसके पास से अपराध से जुड़े सामान भी बरामद किए गए. जांच में सामने आया कि आरोपी के नाम पर इंडियन बैंक में खाता संख्या 20307033166 खोला गया था, जिसमें एक ही दिन में 79 लाख रुपये जमा हुए. यह खाता पहले से ही बेंगलुरु के CEN क्राइम थाना में दर्ज केस संख्या 405/2025 से जुड़ा पाया गया है. संबंधित बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है और ट्रांजेक्शनों की जांच जारी है.

महिला कांग्रेस का पैदल मार्च : बालासोर में छात्रा की आत्महत्या के मामले में न्याय की मांग

रांची : झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमिटी ने सोमवार को कांग्रेस भवन से अलबर्ट एक्का चौक, तक पैदल मार्च निकाला. प्रदेश महिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष गुंजन सिंह ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार में देश की बेटियां, महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं. बालासोर में एफएम स्वायत्त कॉलेज के परिसर में उत्पीड़न के आरोपी शिक्षक के खिलाफ शिकायत को नजरअंदाज किए जाने के बाद एक लड़की ने खुद को आग लगा ली थी, जिससे उसकी मौत हो गई. महिला कांग्रेस ने इस घटना की घोर निंदा की और पीड़ित परिवार को अविलंब न्याय दिलाने तथा देश की बेटियों की सुरक्षा की मांग की. गुंजन सिंह ने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए. भारत की बेटियों को सुरक्षा और न्याय चाहिए.

सावन की दूसरी सोमवारी पर दिखा आस्था, रांची के शिवालयों में उमड़ी भीड़

रांची : सावन की दूसरी सोमवारी पर पहाड़ी मंदिर, समेश्वर मंदिर, इक्कीसो महादेव धाम समेत शहर के विभिन्न शिवालयों और शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. पहाड़ी मंदिर समिति के लोगों ने बताया कि दूसरी सोमवारी में पहले सोमवारी की अपेक्षा श्रद्धालुओं की भीड़ कम है. पहाड़ी मंदिर में हजारों शिव भक्तों ने बाबा भोलेनाथ का दर्शन किए. दूसरी सोमवारी में मंदिर परिसर और आसपास का इलाका मेला स्थल जैसा नजारा है.

मंदिर के चारों ओर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दुकानें सजी हैं. पूजा सामग्री जैसे दूध, बेलपत्र, भांग, फूल, धतूरा और मिट्टी से बने चुक्का मात्र 10 से 20 रुपये में उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि कोई भी भक्त बिना कठिनाई के भगवान शिव को जल और दूध अर्पण कर सके. मंदिर के सामने कई साधु-बाबा अष्टगंध, सिंदूर, हल्दी, मिट्टी आदि से भक्तों के माथे पर भोलेनाथ का तिलक लगा रहे हैं. श्रद्धालु इस तिलक को शिव कृपा का प्रतीक मानकर बड़े भाव से ले रहे हैं.

नाग देवता का दर्शन कराते बाबा-सपेरा

बांस की बनी टोकरी में नाग देवता लेकर घूमते बाबा श्रद्धालुओं को नाग देवता का दर्शन करा रहे हैं. इसके बदले वे भक्तों से सुख-शांति और समृद्धि की कामना करने को कहते दिखे. सावन में नाग देवता की पूजा का विशेष महत्व होता है. इनके दर्शन से घर और मन की शान्ति प्राप्ति होती है. श्रद्धालु विशेष प्रकार की मालाएं पहनकर मन की शांति और शिव कृपा की कामना कर रहे हैं. रुद्राक्ष माला, तुलसी माला, शांति मोती, एक मुखी से सात मुखी रुद्राक्ष, बागेश्वर धाम माला, भवड़ी माला जैसे विकल्पों की बिक्री जोरों पर है. स्टील के कड़े, महाकाल बैंड, रुद्राक्ष लोकेट जैसे पूजा से जुड़े आभूषणों की भी मांग तेज हो गई है. इन वस्तुओं को श्रद्धालु आस्था, सुरक्षा और धार्मिक पहचान से जोड़कर खरीद रहे हैं.

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने मनाया सावन मिलन समारोह, बच्चों ने मोहा मन

रांची : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महिला प्रदेश इकाई के तत्वावधान में रविवार भगवान श्रीचित्रगुप्त का सत्संग सह श्रावण मिलन समारोह आयोजित हुआ. समारोह में भगवान श्रीचित्रगुप्त को 'विश्व न्यायाधीश' के रूप में नमन करते हुए उनकी उत्पत्ति, पूजा, चिंतन और सत्संग से प्राप्त होने वाले पुण्य पर विस्तृत चर्चा की गई. उपस्थित जनसमूह ने भगवान चित्रगुप्त के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप अर्पित किया.

सुबोधकांत ने दी शुभकामनाएं

स्वास्थ्य कारणों से महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय समारोह में शामिल नहीं हो पाए. खेद प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड महिला प्रदेश अध्यक्ष को फोन पर कार्यक्रम की शुभकामनाएं दीं. कहा कि इस प्रकार के आयोजन कायस्थ समाज को सामाजिक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दिलाएंगे. साथ ही कहा कि भगवान चित्रगुप्त के सत्संग से नई पीढ़ी निश्चित रूप से प्रेरणा लेगी. उन्होंने प्रदेश महिला इकाई की निरंतर सक्रियता की सराहना करते हुए सभी महिला पदाधिकारियों को बधाई दी और संगठन की बेहतरी को लेकर सुझाव दिया. उनकी अनुपस्थिति में उनके अनुज सुनील सहाय ने समारोह में प्रतिनिधित्व कर उपस्थिति दर्ज कराई.समारोह को संबोधित करते हुए महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एवं झारखंड प्रभारी मुकेश कुमार ने महिला प्रदेश इकाई की सक्रियता और आयोजन क्षमता की सराहना की. उन्होंने झारखंड प्रदेश महिला टीम को समाज में नई पहचान स्थापित करने के लिए बधाई दी.समारोह के आयोजन के लिए राज्यसभा सांसद एवं पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रकाश और धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने भी बधाई और शुभकामनाएं दी.

ये महिलाएं बनी विजेता

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की छह महिलाओं - इंदू पराशर, डेजी सिन्हा, ओपल, शिखा श्रीवास्तव, शालिनी कुमार व स्वाति स्मिता बरियार ने प्रतिभागियों का चयन किया. इसमें मेघा श्रीवास्तव को विजेता, अनामिका सिन्हा को फर्स्ट रनर-अप और कावेरी सिन्हा को सेकंड रनर-अप घोषित किया गया. बच्चों की गायन, नृत्य और म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में आकर्ष, अमीकर और अर्णव को विजेता घोषित कर सम्मानित किया गया.समारोह की सफलता में संगठनात्मक एकता की मिसाल पेश करते हुए राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष सह झारखंड प्रभारी मुकेश कुमार और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विवेक अखौरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार लाल, कोषाध्यक्ष मनीष कुमार सिन्हा, उपाध्यक्ष अमित अखौरी और सुमित बरियार के अलावा सजल सिन्हा ने भी आयोजन में सक्रिय योगदान दिया. साथ ही वैवाहिक प्रकोष्ठ के कार्यकारी अध्यक्ष सदन कुमार सिन्हा, आईटी सेल अध्यक्ष संदीप सिन्हा और विनय सिन्हा का योगदान भी सराहनीय रहा.

एचईसी में सप्लाई कर्मियों ने कई मांगों को लेकर किया अर्धनग्न प्रदर्शन

रांची : एचईसी के सप्लाई कर्मियों ने आज नेहरू पार्क से एचईसी मुख्यालय तक अर्धनग्न होकर जोरदार प्रदर्शन किया. ये सभी पिछले 20 दिनों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. आज के प्रदर्शन में 500 से ज्यादा सप्लाई कर्मचारी शामिल हुए.कर्मियों ने हाफ पैंट और बनियान पहनकर जुलूस निकाला और प्रबंधन के खिलाफ नारे लगाए. वेतन और सुविधाएं नहीं मिलने से नाराज ये कर्मी अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं. कर्मियों ने अर्धनग्न होकर जुलूस निकाला और प्रबंधन के खिलाफ नारे लगाए. सप्लाई कर्मी पिछले 20 दिनों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. उनकी मांगों में सितंबर 2023 से जनवरी 2024 तक का बकाया वेतन, पुराना ठेका नियम लागू करना, ईएसआई की चिकित्सा सुविधा बहाल करना, कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मानजनक कार्यदिवस शामिल हैं.

प्रबंधन पर लगाया आरोप

कर्मियों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन उनकी मांगों को अनदेखा कर रहा है. उन्होंने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर कई बार ज्ञापन सौंप चुके हैं और अधिकारियों से मुलाकात की, बात भी की है. लेकिन प्रबंधन ने कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया हैसप्लाई मजदूर यूनियन के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि आने वाले दिनों में प्रबंधन उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं करती है तो आंदोलन और तेज किया जाएगा. कर्मियों ने कहा कि वेतन न मिलने से उनके घरों में भुखमरी की स्थिति है और बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर हैं.

इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा की नई कार्यकारिणी गठित, सोमा के हाथों में क्लब की कमान

रांची : इनर व्हील क्लब ऑफ रांची का कारवां बढ़ता जा रहा है. सामाजिक सरोकारों से जुड़ाव रखने वाली इस संस्थान ने अपना नौवां स्थापना दिवस मनाया. इस दौरान क्लब की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया. सोमा भादुड़ी को क्लब के नए अध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई. इसके अलावा अर्चना त्रिवेदी को सचिव, शालिनी सिन्हा को कोषाध्यक्ष, निशि श्रीवास्तव को आइएसओ और अनिता जायसवाल को एडिटर की जिम्मेवारी मिली है. सभी ने कार्यक्रम के दौरान ही पदभार ग्रहण किया. निवर्तमान अध्यक्ष दीपा चौहान ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए सभी कार्यक्रमों का विस्तृत लेखा-जोखा पेश किया. इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष नीता नारायण ने नई अध्यक्ष और सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं. कहा कि महिलाएं व्यक्तिगत रूप से अपना विकास स्वयं कर सकती हैं. मौके पर चाइल्ड वेलफेयर की चेयरपर्सन तनुश्री सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं. क्लब की नई अध्यक्ष सोमा भादुड़ी ने कहा कि क्लब के सभी टास्कों को पूरा करने का हर संभव प्रयास करेंगे. बताते चलें कि क्लब द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहायत प्रदान की जाती है. वहीं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की भी मदद की जाती है. सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई कार्यों का संचालन भी किया जाता है. इनर व्हील क्लब ऑफ रांची के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान भी बच्चों के बीच सिलाई मशीन और छाता वितरित किए गए. कार्यक्रम को सफल बनाने में ज्योति तिवारी, डॉली दूबे, नीलम अखौरी, ममता नारायण, माला श्रीवास्तव, अंबुजा शरण, आभा सिंह, सुषमा पांडेय, मनीषा सिंह, पद्मा बंका, रिंकू बनर्जी, देवयानी संयाल, कामिनी भारती और रीता वर्मा का अहम योगदान रहा.

डीसी की बैठक, योजनाओं की समीक्षा और जनहित के निर्देश

रांची : उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने आज समाहरणालय सभागार में जिलास्तरीय वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और प्रशासनिक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की.बैठक में उप विकास आयुक्त सौरभ भुवनिया, अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार समेत सभी विभागों के वरीय अधिकारी मौजूद थे. डीसी ने निर्देश दिया कि सभी विभाग अपनी-अपनी विकास परियोजनाओं को तय समयसीमा में पूरा करें. आगामी विश्व आदिवासी महोत्सव को लेकर सभी जरूरी तैयारियां जल्द पूरी करने को कहा गया. मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालयों से जुड़ी निर्माण जरूरतों को प्राथमिकता देने को कहा गया. केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया गया.

रेड क्रॉस भवन की मरम्मत

इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के भवन की मरम्मत के लिए डीएमएफटी फंड से प्रस्ताव तैयार कर उस पर कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया. डीसी ने कहा कि अधिकारी हर मंगलवार को जनता की शिकायतें सुनें और अन्य कार्यदिवसों में भी कम से कम एक घंटा नागरिकों से मिलें. समस्याओं का समाधान समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से करें. सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें. उपायुक्त ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की समीक्षा करते हुए लाभुकों को समय पर राशि देने और आधार मैपिंग की प्रक्रिया जल्द पूरी करने को कहा. उन्होंने इसे अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी बताया. मंईयां सम्मान से स्वावलंबन योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीसी ने कहा कि जिले में बड़ी संख्या में महिलाओं को बकरी पालन, मुर्गी पालन और अंडा उत्पादन जैसे कार्यों से जोड़ा जा रहा है. उन्होंने निर्देश दिया कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान तेज किया जाए. डीसी ने सभी अधिकारियों से अपील की कि वे पारदर्शिता, जिम्मेदारी और सेवा भावना के साथ कार्य करें. आम जनता के साथ विनम्र और सहयोगी व्यवहार करें.

तीन साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में हाईकोर्ट ने फांसी की सजा को उम्र कैद में बदला

रांचीः तीन साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में सजायाफ्ता रोहित राय की फांसी की सजा को कंफर्म करने को लेकर राज्य सरकार की अपील और रोहित राय की ओर से सजा से मुक्त करने की अपील पर झारखंड हाई कोर्ट का फैसला आया है. हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने विशेष लोक अभियोजक विनीत कुमार वशिष्ठ के विरोध को देखते हुए रोहित राय की फांसी की सजा से मुक्त करने की अपील को खारिज कर दिया. वहीं राज्य सरकार की अपील में संशोधन करते हुए फांसी की सजा को उम्र कैद में बदला है. यहां बता दें कि तीन साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में दुमका कोर्ट ने सरैयाहाट निवासी रोहित राय को फांसी की सजा सुनाई थी. सजा के खिलाफ उसने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी. दुमका की निचली अदालत में फैसला सुनाते हुए जज ने कहा था कि यह अपराध जघन्यतम और अमानवीय तरीके से गला दबाकर हत्या और शव को छिपाने जैसे बर्बरतम कृत्य से संबद्ध है. इसके लिए मृत्यु दंड का आदेश ही समुचित होगा. हमारे समाज में बेटियों को देवी स्वरूपा माना जाता है.

क्या है मामला

दुष्कर्म एवं हत्या की यह घटना दुमका के सरैयाहाट इलाके में एक जनवरी 2017 को हुई थी. सरैयाहाट के जाबीजोर गांव का रोहित एक जनवरी को तीन साल की बच्ची को चॉकलेट दिलाने के बहाने घर से ले गया. उसके साथ दुष्कर्म किया और गला घोंटकर हत्या कर दी. शव को भी छिपा दिया. पुलिस ने तीन जनवरी 2017 को उसे बिहार के श्याम बाजार से गिरफ्तार किया था. उसकी निशानदेही पर गांव के समीप खेत से बच्ची का शव बरामद किया गया था. पुलिस ने बच्ची के नाना रूपलाल तांती के बयान पर केस दर्ज कराया था, जिसमे बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाया था. बताया जाता है कि बच्ची नाना के पास ही रहती थी. एक जनवरी 2017 को जब वह गायब हो गई तो खोजबीन शुरू हुई थी. इस दौरान कुछ लोगों ने बताया कि उसने रोहित को बच्ची को गोद में लेकर जाते देखा है. खोजबीन करने पर रोहित भी घर से गायब मिला. दो जनवरी 2017 को नाना ने थाने में पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने उसके घर पर दबिश दी तो वह नहीं मिला. तीन जनवरी को उसे श्याम बाजार से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था.

संत मार्गरेट की स्मृति में बच्चों ने मोहा मन

रांची : बहुबाजार स्थित संत मार्गरेट यूपी कन्या पाठशाला में सोमवार को संत मार्गरेट की स्मृति में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा से समां बांध दिया और दर्शकों का मन मोह लिया.कार्यक्रम का शुभारंभ केजी वर्ग के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत "प्रभु संसार में आया.. से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिभाव से सराबोर कर दिया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विद्यालय की पूर्व छात्रा डेजी होरो रहीं. विशिष्ट अतिथि के रूप में रेव. विकास पादरी, रेव. ग्लोरिया डहंगा, स्कूल की प्राचार्य एडित लकड़ा, सीएनआई चर्च से मंजुलिका तिर्की, प्रदीप कुजूर, एन. मरांडी एवं सुदर्शन हेमरोम उपस्थित थे. मुख्य अतिथि डेजी होरो ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि संत मार्गरेट सत्य, प्रेम और पवित्रता की प्रतिमूर्ति थीं. उनका जीवन इन मूल्यों का जीवंत उदाहरण था, जिन्हें हमें अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए. उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शैक्षणिक संस्था नहीं है, बल्कि यह संत मार्गरेट के आदर्शों और संस्कारों को बच्चों तक पहुंचाने का माध्यम है. डेजी होरो ने कहा कि यहां पढ़ने वाली हर छात्रा को मोती की तरह चमकदार और चरित्रवान बनना है. संत मार्गरेट की जीवनी से अनुशासन, सेवा और समर्पण जैसे गुण सीखकर छात्राएं भविष्य में उच्च पदों तक पहुंच सकती हैं. उन्होंने विश्वास जताया कि संत मार्गरेट का पवित्र जीवन आज भी छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है. कक्षा 4 के विद्यार्थियों ने जो ये सच है कि भगवान है. गीत के माध्यम से प्रभु यीशु मसीह के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की. इसके बाद प्रस्तुत किए गए यीशु मसीह के जीवन पर आधारित नाटक ने दर्शकों को भावुक कर दिया. नाटक में उनके जीवन संदेश को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया.कार्यक्रम की अगली कड़ी में कक्षा 5 और 6 के विद्यार्थियों ने एक के बाद एक मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया.

झारखंड महागठबंधन सरकार में सब ठीक! भाजपा के इशारे पर फैलाई जा रही भ्रामक खबरः केशव

रांचीः कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन किया. उन्होंने कहा कि राज्य की महागठबंधन सरकार में सबकुछ ठीक चल रहा है. कहीं कोई परेशानी नहीं है. केशव महतो कमलेश ने कहा कि सरकार पूरी मजबूती से जनता से किए वादे पूरा करेगी. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा संवाद के अलग-अलग माध्यमों से भ्रामक खबरें फैला रही है. जबकि हकीकत कुछ और है. राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के निर्वाचन क्षेत्र में पेयजल की समस्या का हल करने के लिए टेबल पर बैठी थी, लेकिन खबर यह आयी कि वह मंत्री बनकर धरने पर बैठ गयी. उन्होंने कहा कि इसी तरह स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी अपने शिक्षक के किसी बीमार परिजन को देखने अस्पताल गए थे. वह किसी अस्पताल का निरीक्षण करने नहीं गए थे. किसी डॉक्टर-स्टाफ से बात नहीं की और ना ही कोई निर्देश दिया. लेकिन खबरें भ्रामक बना दी गयी. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने एचईसी के विस्थापित मुद्दे पर बात की तो उसे भी अलग तरीके से प्रकाशित की गई.

राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष और अन्य नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड कांग्रेस, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सुखद और दीर्घायु जीवन की कामना करती है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 25 जुलाई को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में ओबीसी-कांग्रेस हिस्सेदारी न्याय सम्मेलन आयोजित करने जा रही है, जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे. जबकि समापन के दौरान लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उपस्थित रहेंगे. इस सम्मेलन में झारखंड के सभी जिलों से हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भाग लेने दिल्ली जाएंगे. केशव महतो कमलेश ने कहा कि राज्य के सभी जिले में संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इसके बाद 15 अगस्त तक कांग्रेस पंचायत और शहरी निकाय में वार्ड स्तर पर कमेटी के गठन का काम पूरा कर लेगी.

संक्षिप्त खबरें...

सर्किल इंस्पेक्टर से डीएसपी में पदोन्नति मिलने पर मनोज कुमार का हुआ स्वागत

जमशेदपुर : सर्किल इंस्पेक्टर से नव पदोन्नत होकर डीएसपी (आरक्षी उपाधीक्षक) बने मनोज कुमार का टेल्को कॉलोनी में स्वागत किया गया। गौरतलब हो कि बहुत कम समय में मनोज कुमार अपने कुशल व्यवहार से आदर्श पुलिसिंग की छवि प्रस्तुत करने में कामयाब हुये हैं। फलस्वरूप गोविंदपुर, बिरसा नगर, टेल्को थाना क्षेत्र में शायद ही कोई शख्स हो जो सामाजिक, राजनीतिक छवि रखता है, मनोज कुमार के कार्यशैली उनके कुशल व्यक्तित्व से प्रभावित न हुआ हो। यही कारण है कि श्री कुमार के डीएसपी में पदोन्नति होने पर विभिन्न क्षेत्र के लोगों द्वारा उनका अभिनंदन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सामाजिक कार्यकर्ता रमेश कुमार के नेतृत्व में भी रविवार को श्री कुमार को फूलों का गुलदस्ता एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विश्राम प्रसाद, जितेंद्र कुमार, अशोक सिंह, अजीत कुमार, ओमप्रकाश सिंह, धीरेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, राजकुमार राय, विश्वनाथ प्रसाद, एके सिंह, अजीत प्रसाद, अमरेन्द्र कुमार, नारायण सिन्हा, जितेंद्र कुमार, लक्ष्मीकांत, रणधीर कुमार, राकेश कुमार सिन्हा, अनुप कुमार समेत दर्जनों लोग मौजूद थे। सबों ने श्री कुमार को बधाईयां दी तथा पुलिस सेवा में जरूरतमंदों को मदद करने की पहल को जारी रखने का सुझाव दिया।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय दैहर के दो विद्यार्थियों ने नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम परीक्षा में लहराया परचम

कोयलांचल संवाद संवाददाता

दैहर(चौपारण)झारखण्ड एकेडमिक काउंसिल द्वारा कक्षा आठ के विद्यार्थियों के लिए नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम एग्जामिनेशन 2024-25 का आयोजन किया गया था, हजारीबाग जिला के मेरिट लिस्ट में उत्क्रमित उच्च विद्यालय दैहर के दो विद्यार्थियों ने परचम लहराया है। सुजल कुमार पिता कैलाश कुमार वर्मा को जिले में द्वितीय स्थान एवं रुबी कुमारी पिता दशरथ दांगी को पन्द्रहवा स्थान मिला है। दोनों विद्यार्थी पंचायत भवन दैहर में स्थापित ज्ञान केंद्र के नियमित अध्ययन करते हैं। इन दोनों के पिताजी साधारण किसान है। इनकी उपलब्धि पर पंचायत के मुखिया ब्रह्मदेव भुइयां एवं समाजसेवी नागेन्द्र कुमार ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है। साथ ही इनके उज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभिमन्यु गौतम सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

सावन मास की पहली सोमवारी को सैकड़ो श्रद्धालुओं ने सहस्त्र शिवलिंगम का किया जलाभिषेक

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) पावन सावन मास के पहली सोमवारी पर माँ भद्रकाली मंदिर परिसर में विराजमान सहस्त्र शिवलिंगम मंदिर में जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रवेश कर भगवान भोलेनाथ की श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा अर्चना करते हुए जलाभिषेक किया। साथ ही भांग, धतूरा और बेलपत्र अर्पित कर मनवांछित फल की कामना की। यहां सुबह 6:00 से लेकर 12:00 दिन तक जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की मंदिर में कतार लगी रही। देवघर जाने वाले और वहां से वापस आने वाले श्रद्धालुओं ने भी सहस्त्र शिवलिंगम पर जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से मन्नत मांगे। दिन भर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ जुटी रही। जिससे मंदिर परिसर में भक्ति में माहौल रहा। यहां अंत में भव्य मेले में भीड़ तब्दील हो गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर के सदस्य जुटे रहे। मंदिर आए भक्त हर हर महादेव और बोल बम के नारे लगाते रहे।

राजद जिला व महानगर कमेटी का शीघ्र होगा विस्तार : जिला अध्यक्ष शंभू चौधरी

जमशेदपुर। राजद जिला अध्यक्ष शंभू चौधरी ने रविवार को परिसदन में एक प्रेसवार्ता आयोजित कर कहा कि संगठन को पूरी मजबूती देने हेतु आने वाले एक सप्ताह के भीतर जिला एवं महानगर कमेटीयों का व्यापक विस्तार किया जाएगा।

बुजुर्गो की सहायता के लिए जीवन ज्योति ने टास्क फ़ोर्स का गठन किया

जमशेदपुर। बुजुर्गों की मदद के लिए बनी जीवन ज्योति संस्था ने टास्क फोर्स का गठन किया। यह टास्क फोर्स बुजुर्गो की शिकायतों की जाँच और आगे की कार्यवाही के लिए रिपोर्ट तैयार करेंगे। जीवन ज्योति के महासचिव मनोज मिश्रा के नेतृत्व मे गठित टास्क फ़ोर्स को उपाध्यक्ष रवि शंकर एवं आर बी सहाय मोनेटरिंग करेंगे। टास्क फ़ोर्स मे महेश चौबे, शैलेन्द्र सिन्हा, बीडी तिवारी, प्रेम लाल साहू, रेणु सिंह को शामिल किया गया है। मानगो के डिमना रोड स्थित अविनाश नगर आयोजित बैठक मे बोलते हुए मनोज मिश्रा ने कहा कि जल्द ही जीवन ज्योति बुजुर्ग ब्रिगेड एवं युथ ब्रिगेड का गठन करेगा और बुजुर्गो के लिए बेहतर समाज के निर्माण का प्रयास करेगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपाध्यक्ष आरबी सहाय ने कहा कि जीवन ज्योति के पास पुरे कोल्हान से अनेको शिकायते आ रही है। उन्होंने कहा कि जायज शिकायतों पर संस्था अवश्य कार्यवाही करेगी। बैठक मे सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए बुजुर्गो पर हो रहें घरेलु हिंसा को रोकने के लिए जिले मे विशेष सेल के गठन की मांग जिला प्रशासन से की गयी है। बैठक मे आरबी सहाय, रवि शंकर, महेश चौबे, शैलेन्द्र सिन्हा, मनोज मिश्रा, रेणु सिंह, बीडी तिवारी, एल बी प्रसाद, प्रेम लाल साहू, विजय शर्मा, लाल बाबू चौधरी, जीतेन्द्र कुमार रॉय, जेपी सिंह, संजय वर्मा, जीपी मेहता, ज्योति उपाध्याय, किशोर वर्मा, निभा शुक्ला, ऋषि गुप्ता, शुभश्री दत्ता सहित अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

चौकीदार दफादारों के उद्धारक राम अवधेश सिंह , पूर्व सांसद की पांचवीं पुण्य तिथि समारोह का आयोजन

रांचीः पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत शाखा लोहरदगा जिला कमिटी द्वारा मंडल आयोग के जनक , सामाजिक न्याय के अग्रणी योद्धा ,महान समाजवादी क्रांतिकारी नेता और चौकीदार दफादारों के उद्धारक राम अवधेश सिंह , पूर्व सांसद की पांचवीं पुण्य तिथि समारोह पूर्वक बहुदेशीय भवन कुड़ु (लोहरदगा) में मनाई गई , जिसकी अध्येक्षता लोहरदगा जिलाध्यक्ष श्री शमशुल अंसारी ने की और इसका संचालन लोहरदगा जिला कोषाध्यक्ष श्री राजू कुमार राम ने किया ।इस समारोह के उदघाटनकर्ता सह मुख्य अतिथि झारखण्ड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष श्री कृष्ण दयाल सिंह भाग लिए । समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया । समारोह में उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष श्री कृष्ण दयाल सिंह , सामाजिक राजनीतिक नेता एवं कार्यकर्ता और चौकीदार दफादारों द्वारा राम अवधेश सिंह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई । सभी वक्ताओं ने राम अवधेश सिंह, पूर्व सांसद द्वारा सामाजिक न्याय और चौकीदार दफादारों केलिए किया गया व्यापक संघर्ष और उनकी उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया ।

उक्त पुण्य तिथि समारोह में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करके जो मांग की गई उनमें रांची ,जमशेदपुर और बोकारो में राम अवधेश सिंह की आदमकद प्रतिमा स्थापित करना , सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में योगदान करना , 01 जनवरी , 1990 के पूर्व और बाद में सेवा निवृत चौकीदार और दफादारों के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार करना , सेवा विमुक्त और एवजी चौकीदारों को न्याय दिलाने हेतु तत्काल अध्यादेश जारी करना या झारखंड ग्राम चौकीदार (संशोधन) विधेयक _ 2025 पारित कराना ,झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली_ 2015 में उल्लेखित प्रावधानों केखिलाफ में जिलों में चौकीदारों के रिक्त पदों पर की गई अवैध नियुक्ति को जनहित और राज्यहित में तत्काल रद्द करना , और चौकीदारी मैनुअल और राज्य सरकार के आदेशानुसार ही ड्यूटी करने का पुनः सभी उपायुक्त और सभी पुलिस अधीक्षक को देना , लोहरदगा जिला के चौकीदार दफादारों को ए सी पी/ एम ए सी पी का लाभ देना प्रमुख है ।

पुण्य तिथि समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री कृष्ण दयाल सिंह ने झारखंड के माननीय मुख्य मंत्री श्री हेमंत सोरेन से मांग करते हुए कहा कि सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में योगदान कराने और 01जनवरी , 1990 के पूर्व और बाद में सेवा निवृत चौकीदार दफादार घटवार दिगवार सरदारों के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार करने हेतु भारतीय संविधान के अनुच्छेद _ 16(4) की भावना के आलोक में तत्काल अध्यादेश जारी किया जाए या झारखंड ग्राम चौकीदार (संशोधन) विधेयक _ 2025 पारित किया जाए।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री कृष्ण दयाल सिंह ने कहा कि झारखण्ड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 की कंडिका 2(9) में प्रावधान है कि " बीट" से अभिप्रेत है एक चौकीदार का कार्यक्षेत्र जिसमें 100 से120 आवासीय घरों का समूह होगा । कंडिका 4 में प्रावधान है कि नियुक्ति एवं प्रोन्नति हेतु राज्य सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित जिला स्तरीय आरक्षण लागू होगा और कंडिका 5 (5) में प्रावधान है कि अभ्यर्थी को संबंधित बीट का स्थायी निवासी होना अनिवार्य होगा ।

श्री सिंह ने बताया कि झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 में उल्लेखित उक्त प्रावधानों का अनुपालन जिलों में चौकीदार पद पर नियुक्ति में नहीं हुआ है । चौकीदारों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु निकाला गया विज्ञापन से पहले या बाद में100 से 120 आवासीय घरों पर बीट सृजित नहीं किया गया है। सफल अभ्यर्थियों को जिस बीट में चौकीदार के पद पर नियुक्त किया गया है अपवाद को छोड़कर उस बीट के स्थायी निवासी नहीं हैं । एक बीट में एक ही चौकीदार नियुक्त होंगे , लेकिन एक बीट में 01 से ज्यादा 3_ 4 चौकीदारों को नियुक्त किया गया है। एक बीट (पुराना) के अलावे नया बीट जिलों में नहीं बना है और ना ही एक बीट से ज्यादा पद और बल झारखंड कैबिनेट से स्वीकृत है तो एक बीट में एक से ज्यादा 3 _ 4 चौकीदारों को कैसे नियुक्त कर दिया गया है ? अनुकंपा के आधार पर रिक्त पद(आवेदन देने की अवधि 5 वर्ष समाप्त नहीं हुई है) पर भी विज्ञापन निकालकर चौकीदार की नियुक्ति कर दी गई है । बीट के बाहर से चौकीदार के पद पर नियुक्ति करने से भारत की सबसे पुरानी प्रशासनिक व्यवस्था चौकीदारी व्यवस्था झारखंड से समाप्त हो जाएगी और इसका सीधा बूरा असर जनहित और राज्यहित पर पड़ेगा । उक्त उल्लेखित तथ्यों से स्पष्ट है कि जिलों में चौकीदारों की नियुक्ति में झारखण्ड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 में उल्लेखित प्रावधानों का अनुपालन नहीं हुआ है । कई जिलों में चौकीदारों की नियुक्ति में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण शून्य कर दिया गया है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15(4) और 16(4 ,5) का खुलम खुला उल्लंघन है ।

श्री सिंह ने झारखंड के माननीय मुख्य मंत्री श्री हेमंत सोरेन जी से मांग की है कि झारखंड में चौकीदारी व्यवस्था बचाने के लिए जिन जिन जिलों में चौकीदारों के रिक्त पदों पर विज्ञापन निकालकर अवैध नियुक्ति की गई है उसको तत्काल रद्द करे और इसकी जाँच झारखंड विधान सभा की समिति से करावे और झारखंड के सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में वापिस करे और एवजी चौकीदारों को एक बार पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार नियुक्ति करने का आदेश जारी करे । चौकीदार दफादारों का पद सार्वजनिक नहीं है, यह पद परंपरागत है । सार्वजनिक पद हेतु नया बीट सृजित करना होगा । माननीय झारखंड हाई कोर्ट और झारखंड सरकार ने झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली 2015 के खिलाफ में बहाली करने का आदेश नहीं दिया है ।यदि चौकीदारों की अवैध नियुक्ति रद्द नहीं हुई तो झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत की ओर से माननीय झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की जाएगी ।

पुण्य तिथि समारोह में मुख्य रूप से सर्वश्री तेजावत अंसारी, मिथिलेश यादव, दुर्गा महली, प्रभु मिंज, राजकिशोर, कालेश्वर महतो, मालती देवी, सुफ़ेदा खातून, सुमित्रा देवी, रोबीला , शेरा, अबुल खैर अंसारी, अजय पासवान, हाजी हकीमुल अंसारी , कमल उरांव आदि मुख्य रूप से शामिल थे ।

भाजपा और आजसू कार्यकर्ताओं ने की राजद की सदस्यता ग्रहण

रांची : रांची जिला राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय हरमू रोड में भाजपा और आजसू के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने राजद की सदस्यता ग्रहण की। समाजसेवी संतोष कुमार यादव के नेतृत्व में भाजपा और आजसू कार्यकर्ताओं ने लालू राबड़ी और तेजस्वी यादव पर आस्था व्यक्त करते हुए और राजद की नीतियों और सिद्धांतों को समाज के निचले तबके तक पहुंचाने के संकल्प के साथ राजद की सदस्यता ली। जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र महतो ने दल में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं का स्वागत पार्टी का पट्टा पहना कर तथा सदस्यता रसीद काट कर किया।

राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता सदस्य ग्रहण करने वालों में संतोष कुमार यादव के अलावा मुख्य रूप से मिथुन चौधरी, अमीर राय, वीरेंद्र ठाकुर, तरुण प्रकाश, बैजनाथ मुंडा, हिमांशु कुमार, दीपक कुमार, रवि कुमार यादव, कामेश्वर सिंह, राम इकबाल चौधरी, रवि कुमार बावरी, शुभम करमाली, मुकेश मंडल, शशांक कुमार, अमित लोहार, रोमित लोहार, चंदू टोप्पो, शुभम कुमार के नाम शामिल हैं।

सदस्यता ग्रहण समारोह की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र महतो ने की। संचालन महासचिव मुख्तार अंसारी ने किया। इस मौके पर मुख्य रूप से मनोज कुमार अग्रवाल, कांके प्रखंड अध्यक्ष सुरज कुमार, पालेंदु कुमार पाल, सलिल अंसारी, रामभजन सिंह सहित राजद के कई पदाधिकारी उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन महासचिव कमलेश कुमार ने किया।

चतरा में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स एवं सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक हुई

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स एवं सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक चतरा सुमित कुमार अग्रवाल, वन प्रमंडल पदाधिकारी (उत्तर) राहुल मीणा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, जिला परिवहन पदाधिकारी इंद्र कुमार, जिला खनन पदाधिकारी मनोज टोप्पो, सहित सभी संबंधित पदाधिकारी एवं परियोजना प्रतिनिधि उपस्थित थे।

खनन टास्क फोर्स बैठक के दौरान प्रस्तुत किए गए आंकड़े एवं निर्देश

खनन पदाधिकारी मनोज टोप्पो ने अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध माह- जून तक का तुलनात्मक कार्रवाई प्रतिवेदन की जानकारी देते हुए कहा वित्तीय वर्ष 2024- 25 में खनिज लोड पकड़े गए 49 वाहनों को जप्त करते हुए 26 प्राथमिकी दर्ज की गई है। अवैध परिवहन में 62 वाहनों को जप्त किया गया जिससे जुर्माना राशि की वसूली 1113532 रुपया की गई है। वहीं 2025 - 26 में अब तक खनिज लोड 73 वाहनों को जप्त करते हुए 28 प्राथमिकी दर्ज की गई है। अवैध परिवहन में कुल जप्त 65 वाहनों से 1044322 रुपया की जुर्माना राशि वसूल की गई है।

बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि गैर-व्यावसायिक कार्यों हेतु "कैटेगरी-1" बालूघाटों को चिह्नित करने के लिए अपने-अपने अंचलान्तर्गत अद्यतन बालूघाटों की सूची शीघ्र जिला खनन पदाधिकारी, चतरा को उपलब्ध कराएं। जिला खनन पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि प्राप्त अंचलवार सूची के आधार पर समेकित प्रतिवेदन तैयार कर उसे DSR (डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट) में समाहित किया जाए एवं अग्रेतर आवश्यक कार्रवाई की जाए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक, चतरा श्री सुमित कुमार अग्रवाल ने मानसून अवधि (10 जून से अब तक) में अवैध बालू खनन के विरुद्ध की गई कार्रवाई की स्थिति की जानकारी मांगी। इस क्रम में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा मई एवं जून 2025 में की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि दिनांक 10.06.2025 के बाद की गई कार्रवाई की अद्यतन रिपोर्ट के साथ आगामी बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। उपायुक्त द्वारा अंचलवार एवं कार्यालयवार कृत कार्रवाई की समीक्षा की गई। समीक्षोपरांत उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक, चतरा द्वारा सभी अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निम्न निर्देश दिए गए यथा लगातार औचक छापामारी अभियान अपने क्षेत्र में अनिवार्य रूप से चलाएं,अवैध बालू, पत्थर, कोयला खनन के मामलों में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करें। सभी कार्यवाही नियमबद्ध, पारदर्शी एवं त्वरित हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स बैठक में दिए गए निर्देश

सड़क सुरक्षा से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि बस स्टैंड की साफ-सफाई तथा यात्रियों के लिए सुलभ शौचालयों की व्यवस्था प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि वर्षा के कारण सड़कों पर बने गड्ढों की यथाशीघ्र मरम्मत कराई जाए, अंचल अधिकारी टंडवा को ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सूची समर्पित करने का निर्देश, सिमरिया चौक-चौराहों पर सड़क संकेतक (रोड साइन बोर्ड) शीघ्र लगाए जाएं, मालवाहक वाहनों के परिचालन हेतु 40 किमी/घंटा की गति सीमा का कड़ाई से पालन हो, यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

सारथी की नई पहल- महिलाओं के आत्मनिर्भर भविष्य की ओर एक मजबूत कदम

जमशेदपुर। शहर की गैर-लाभकारी सामाजिक संगठन सारथी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक नई पहल की शुरुआत की है। पूजा अग्रवाल द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य वंचित और जरूरतमंद महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण और आय सृजन के अवसर प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को सिलाई-टेलरिंग, ब्यूटीशियन व ग्रूमिंग सेवाएं, बुनियादी शिक्षा, और स्वास्थ्य एवं कल्याण जागरूकता जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। खास बात यह है कि प्रशिक्षित महिलाओं को प्रशिक्षण के बाद रोज़गार के अवसरों से भी जोड़ा जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। इस संबंध में सोमवार को आईएलएस हॉल, कदमा में (रंकिणी मंदिर के पास) संवाददाता सम्मेलन में संस्थापक पूजा अग्रवाल ने आगे बताया कि सारथी केवल महिलाओं के लिए ही नहीं, बल्कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को भी शिक्षा प्रदान कर रहा है। इन्हें न केवल शैक्षणिक ज्ञान, बल्कि संस्कृति और हिंदू धर्म की शिक्षाओं से भी जोड़ा जा रहा है, जिससे उनमें गर्व, समझ और पहचान की भावना विकसित हो। गौरतलब है कि सारथी पहले भी नदी सफाई अभियान, डेंगू रोधी फॉगिंग, राशन वितरण, और आयुष्मान कार्ड शिविरों जैसे कई सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहा है। सारथी का लक्ष्य है- एक ऐसा समाज बनाना, जहाँ हर महिला और बच्चा सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ अपना जीवन जी सके। संगठन ने सभी लोगों से इस अभियान से जुड़कर एक सशक्त और समावेशी भविष्य की ओर साथ चलने का आह्वान किया है।

डीपीएस रांची ने शिक्षण में उत्कृष्टता को सम्मानित करने हेतु 'टीचर ऑफ द मंथ' पहल की शुरुआत की

रांचीः दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची ने प्राचार्य डॉ. जया चौहान के दूरदर्शी नेतृत्व में शिक्षण के स्तर को ऊँचा उठाने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया है। विद्यालय ने 'टीचर ऑफ द मंथ' पुरस्कार की शुरुआत की है। यह प्रतिष्ठित मासिक सम्मान शिक्षकों को प्रेरित करने और संस्थान में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। शिक्षकों को यह सम्मान अभिभावकों एवं छात्रों की प्रतिक्रिया, समय पालन, नियमितता और नवीन शिक्षण विधियों जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर प्रदान किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों में उत्कृष्टता और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करना है। 21 जुलाई 2025 को प्राइमरी विंग की सुश्री मुस्कान उप्पल को इस नई पहल के तहत पहले 'टीचर ऑफ द मंथ' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान छात्रों और अभिभावकों से मिली लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया, उनकी रचनात्मक शिक्षण शैली और शिक्षण के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किया गया। उनके द्वारा नन्हें छात्रों को शिक्षित करने की लगन वाकई प्रेरणादायी है।

इस अवसर पर प्रचार्या डॉ. जया चौहान ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि, " हमारा विश्वास है कि एक प्रेरित शिक्षक ही एक सशक्त कक्षा का निर्माण करता है। यह पहल हमारे शिक्षकों द्वारा किए जा रहे बड़े कार्यों की एक छोटी-सी सराहना है। सुश्री मुस्कान उप्पल को इस प्रेरणादायक उदाहरण के लिए हार्दिक बधाई।"

यह पहल डीपीएस रांची द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता और सकारात्मक शिक्षण माहौल को बढ़ावा देने की दिशा में उठाया गया एक और प्रगतिशील कदम है।

विश्व हिंदू परिषद केंद्रीय प्रबंध समिति की दो दिवसीय बैठक संपन्न

रांचीः विश्व हिंदू परिषद केंद्रीय प्रबंध समिति दो दिवसीय बैठक महाराष्ट्र के जलगांव, देवगिरी प्रांत में आज संपन्न हुई। बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पूज्य संत श्याम चैतन्य जी महाराज ने कहा विश्व हिंदू परिषद देव, देश, धर्म, गौमाता, संत व हमारी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने वाला संगठन है। उन्होंने कहा युवा पीढ़ी को आर्थिक, शैक्षिक, मानसिक एवं बौद्धिक स्तर से सक्षम बनाना हमारा धर्म व कर्तव्य है।

पूज्य संत आनंद प्रकाश दास जी ने कहा विहिप के प्रत्येक कार्यकर्ता गृहस्थ संत के समान है।

केंद्रीय महामंत्री बजरंग लाल बागड़ा ने कहा हिंदू समाज मन से कभी भी पराजय नहीं हुआ है, जिसका परिणाम संघर्ष प्रलक्षित होती है। हिंदू समाज की परंपरा एवं श्रद्धा का प्रमाण कुंभ मेला जैसे अवसर पर संपूर्ण विश्व के हिंदू जनमानस का एकत्र होना सनातन हिंदू समाज के लिए अनुपम क्षण है।

विश्व हिंदू परिषद के पालक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक भैया जी जोशी ने कहा संपर्क, संवाद व समन्वय ही संगठनकर्ता का मूल आधार है। कार्यकर्ता किसी भी कार्य को पूर्ण करने के लिए उसको क्यों?, क्या?, कैसे?, कब?, और किसके साथ लेकर करना है? इसका ज्ञान होना चाहिए। नवीन व्यक्तियों को कार्य में योग बनाने की भी गुण हम कार्यकर्ता में होनी चाहिए।

समापन सत्र में केंद्रीय अध्यक्ष माननीय आलोक कुमार ने कहा हिंदू से हिंदू को अलग करने की समाज में अनेक कुचेष्टाएं चल रही है। अपने पंथ को श्रेष्ठ मानने वाले तथाकथित समुदायों ने आज भारत की संस्कृति, संप्रभुता व स्वाभिमान को कुचलने का प्रयास कर रही है, जिसे हिंदू समाज को समझने की आवश्यकता है।

बैठक में *संगठित एवं सशक्त हिंदू ही समाज विखंडन के षडयंत्रों का एकमेव समाधान* विषय का प्रस्ताव भी पारित की गई। साथ ही साथ विगत 6 माह के समीक्षा एवं आगामी 6 माह के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई।

बैठक में केंद्रीय, क्षेत्रीय एवं प्रांतीय स्तर के कई नवीन दायित्व की घोषणा की गई, जिसमें *डॉ बिरेन्द्र साहु को झारखंड-बिहार (पटना क्षेत्र) के क्षेत्र मंत्री* व *वीरेंद्र बिमल को पटना तथा गुवाहाटी क्षेत्र के धर्माचार्य संपर्क क्षेत्र प्रमुख* का दायित्व सौंपा गया।

अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे, डॉ सुरेंद्र जैन, अंबरीश सिंह, माननीय गोपाल जी, कोटेश्वर शर्मा जी आदि केंद्रीय पदाधिकारी ने कई विषयों पर अपने विचार रखें। बैठक में लगभग 350 केंद्रीय, क्षेत्रीय एवं प्रांतीय प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें...

12 साल के बच्चे की पीटकर हत्या,गर्दन की हड्डी टूटी

समस्तीपुर. समस्तीपुर में अपराधियों ने पीट-पीटकर 12 साल के छात्र की हत्या कर दी। छात्र का शव सड़क किनारे मिला है। वह रविवार शाम से लापता था। परिजनों के मुताबिक, उनके बेटे को बेरहमी से मारा गया है। चेहरे, पीठ पर चोट के निशान हैं। गर्दन टूटी हुई है। मुंह से खून भी निकल रहा था। मारपीट के बाद गला मरोड़कर हत्या की आशंका है। मृतक की पहचान धुरलख निवासी मोहम्मद मुस्तकीम के बेटे मोहम्मद सैफ(12) के तौर पर हुई है। सातवीं क्लास में पढ़ता था। घटना मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के धुरलख वार्ड नंबर-31 की है। मृतक के पिता मोहम्मद मुस्तकीम मजदूरी करते हैं। मोहम्मद मुस्तकीम ने बताया, 'बेटा गांव के ही सरकारी स्कूल में पढ़ता था। रविवार शाम 5 बजे अचानक लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला।'

बेटे के प्रेम विवाह की रंजिश में पिता की हत्या

मधुबनी. मधुबनी के ब्रहमोतरा गांव में प्रेम विवाह की रंजिश ने एक पिता की जान ले ली। सोमवार रात को गौतम ठाकुर ने संतोष मंडल (45) के घर में घुसकर उनके सीने में गोली मार दी। परिजन संतोष को मधुबनी सदर अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पंडौल थानाध्यक्ष नदीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। घटना का कारण छह महीने पहले का प्रेम विवाह है। मृतक के बेटे पंकज कुमार मंडल ने गौतम की बहन लक्ष्मी से मंदिर में शादी कर ली थी। इसके बाद दोनों घर से भाग गए थे।

बॉयफ्रेंड से नाराज होकर सोन बराज में कूदी युवती

सासाराम. रोहतास के डेहरी में प्रेमी से नाराज होकर युवती ने इंद्रपुरी बराज में छलांग लगा दिया। संझौली की रहने वाली रिया सिंह दरिहट में अपनी बुआ के यहां आई हुई थी। यहां के नीरज शर्मा से उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच तनाव चल रहा था। रविवार को दोनों इंद्रपुरी बराज के पास घूमने गए। वहां दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान रिया ने अचानक बराज के उफनते पानी में छलांग लगा दी।

पति ने ग्रभवती पत्नी के पेट में मारा लात, गर्भपात

किशनगंज (बिहार). किशनगंज में एक पति ने दहेज की मांग को लेकर अपनी पत्नी की बेहरमी से पिटाई की। जिससे महिला का गर्भपात हो गया। पीड़िता मुस्कान प्रवीन को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मुस्कान ने दो साल पहले अली उर्फ छोटू से प्रेम विवाह किया था। दंपती का एक बच्चा भी है। परिजन ने बताया कि छोटू बेरोजगार है और नशे का आदी है। वह शादी के बाद से ही मुस्कान पर दहेज की मांग का दबाव बना रहा था। छोटू ने मुस्कान को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

आग की चपेट में आने से 2 बहनें झुलसी

आरा(भोजपुर). भोजपुर में आग की चपेट में आने से 2 सगी बहन झुलस गईं। इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बच्चियों की पहचान रितु कुमारी(12) और खुशी कुमारी(8) के तौर पर हुई है। घटना पीरो थाना क्षेत्र के हाटपोखर गांव की है। पीड़िता की मां रीना देवी ने बताया कि पति के साथ खेत पर काम करने गई थीं। दादी रसोई में गैस चूल्हे पर खाना बना रही थी। दोनों बेटी वहीं बैठी हुई थी। इस दौरान अचानक गैस चूल्हा भभक उठा। तेज आग की लपटें निकलने लगीं। इससे दोनों बच्चियां उसकी चपेट में आ गईं।

कूड़ा फेंकने को लेकर हुए विवाद में महिला की मौत

बक्सर. बक्सर के अखौरीपुर गोला गांव में चार महीने पहले हुए मारपीट मामले में गंभीर रूप से घायल महिला रजनी देवी (65) की सोमवार को वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम करने की चेतावनी दी थी, लेकिन मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों और समाजसेवियों के समझाने के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। घटना 9 मार्च 2025 की है। चौसा नगर पंचायत के वार्ड-13 स्थित अखौरीपुर गोला गांव में गली में कचरा फैलाने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हो गई थी।

सड़क हादसे में छात्र की मौत, 2 दोस्त घायल

गया. गयाजी में सोमवार को लाइब्रेरी से लौट रहे छात्र की सड़क हादसे में मौत हो गई, दो गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। रविवार की रात तीनों एक बाइक पर सवार थे। पढ़ाई कर लाइब्रेरी से लौट रहे थे। इसी दौरान हाईवा और एक ऑटो की बीच टक्कर हो गई। पीछे से आ रही छात्रों की बाइक भी टकरा गई। हादसे में उतली बारे निवासी मोनू कुमार (22) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि साथी छात्र राजकुमार और अंकित गंभीर रूप से घायल हो गए। एक का इलाज मगध मेडिकल कॉलेज में, जबकि दूसरे का मुफस्सिल थाना क्षेत्र के निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। हादसे की वजह सड़क किनारे बालू का डंप किया जाना बताया जा रहा है। घटना टनकुप्पा थाना क्षेत्र की है।

नालंदा में राजद नेता की पिटाई पर बवाल, पुलिस पर पथराव कर बाइक फूंकी

बिहारशरीफ. बिहार के नालंदा जिले में लालू एवं तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के एक नेता की पिटाई पर बवाल हो गया। घटना एकंगरसराय थाना क्षेत्र के रक्शा गांव की है। जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच सोमवार को हुई मारपीट में राजद नेता हेमंत कुमार घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। इस घटना के बाद गुस्साए लोगों ने रोड जाम कर एक बाइक को आग के हवाले कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस पर भी पथराव किया गया। घटना की सूचना फैलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। सैकड़ों की संख्या में लोग इकट्ठा होकर एकंगरसराय-हिलसा मुख्य मार्ग पर पहुंचे। फिर रक्शा गांव के समीप करीब दो घंटे तक रोड जाम कर दिया गया। हंगामा कर रहे लोगों ने आरोपी पक्ष की एक मोटर साइकिल फूंक दी। सड़क जाम की सूचना पर डीएसपी गोपाल कृष्ण, एकंगरसराय थानाध्यक्ष समेत कई प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन स्थिति नियंत्रित करने पहुंचे पुलिस बल पर भी उपद्रवियों ने पथराव कर दिया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया। एहतियातन मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

पटना हाईकोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

सीतामढ़ी. सीतामढ़ी जिले के नानपुर थाना क्षेत्र के मझौर गांव में सोमवार को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। अंचलाधिकारी सुमित कुमार यादव ने पटना उच्च न्यायालय के आदेश पर वर्षों से अतिक्रमित सड़क को खाली करवाया। मझौर पंचायत के वार्ड नंबर 3 की चौरसिया गली में यह कार्रवाई की गई। यह सड़क महादलित टोला और उच्च माध्यमिक विद्यालय मझौर को जोड़ती है।क्योंकि स्थानीय लोगों ने कई वर्षों से इस सड़क पर अवैध कब्जा कर रखा था। जिस वजह से आम लोगों को आवागमन में परेशानी होती थी। इन्हीं परेशानीयों से निजात को लेकर ग्रामीणों ने इस मुद्दे को लेकर पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसके बाद कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया। अंचलाधिकारी की निगरानी में जेसीबी की मदद से अतिक्रमण हटाया गया। इसके बाद सड़क खाली होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है।

नवादा में 17 साल के युवक की निर्मम हत्या

नवादा. नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड में एक नाबालिग की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान जोराबर बीघा गांव निवासी सुरेंद्र चौहान के 17 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार के रूप में हुई है। घटना रविवार की देर रात की है। सोनू रात 8:30 बजे अपने एक दोस्त के साथ घर से निकला था। सोमवार की सुबह उसका शव गांव के बधार में मिला। पुलिस ने शव को बरामद कर लिया है।

ग्रामीणों और मृतक के परिवार ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। आरोपी घटना के बाद से फरार है। पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है।

मानसून सत्र : बिहार विधानसभा की हंगामेदार रही शुरुआत, एसआईआर पर विपक्ष का प्रदर्शन; सदन स्थगित

पटना. बिहार विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत काफी हंगामेदार रही। सदन के बाहर जहां विपक्ष विभिन्न मुद्दों पर हंगामा करता नजर आया तो वहीं सदन के अंदर भी शोर शराबा हुआ। सदन के बाहर विपक्ष के सदस्य बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर नीतीश सरकार को घेरते नजर आए। विपक्ष के नेताओं के हाथ में तख्ती नजर आया जिसमें बिहार में गुंडा राज की बातें लिखी गई थीं। राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने आरोप लगाया है कि भाजपा हत्या करवा रही है। भाजपा चाहे तो हत्या रुक सकती है। मंत्रिमंडल में दागी को शामिल किया गया है। समाज का कोई भी व्यक्ति अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है। अबकी बार महागठबंधन की सरकार बननी तय है। वहीं कांग्रेस और एआईएमआईएम के नेताओं ने बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चल रहे विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर सरकार को घेरा। फिलहाल सदन की कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। बता दें कि 17वीं विधानसभा का यह सत्र पांच दिनों का होगा। सोमवार से शुक्रवार तक चलने वाला यह सत्र छोटा जरुर है लेकिन काफी अहम है। इसी साल के अंत तक बिहार विधानसभा के चुनाव भी होंगे। ऐसे में नीतीश सरकार की यह कोशिश होगी कि इस विधानमंडल के मानसून सत्र में कई अहम विधेयकों को पास कराया जाए। जानकारी के मुताबिक, मानसून सत्र में नीतीश सरकार दर्जनभर विधेयक लाएगी। इनमें चार मूल जबकि आठ संशोधन विधेयक हैं। बिहार विधानसभा तथा बिहार विधान परिषद से इन्हें पारित करा सरकार शीघ्र ही विधेयकों को कानून की शक्ल में राज्य में लागू करेगी। इनमें से आधा दर्जन से अधिक विधेयक युवाओं, बेरोजगारों, कामगारों, रैयतों आदि के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सीएम के सामने विजय सिन्हा ने अशोक चौधरी को फटकारा

बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और मंत्री अशोक चौधरी के बीच कहासुनी हुई। नीतीश कुमार के सामने ही विजय सिन्हा ने अशोक चौधरी को फटकार लगा दी। ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यक्रम में स्थानीय विधायक को नहीं बुलाए जाने पर विजय सिन्हा ने अशोक चौधरी से नाराजगी जताई थी। विजय सिन्हा ने यहां तक कहा कि गठबंधन धर्म का पालन एक सहयोगी नहीं, बल्कि सभी सहयोगी को करना होगा। इस बैठक में प्रहलाद यादव का मामला भी विजय सिन्हा ने उठाया है। विजय सिन्हा ने कहा, प्रहलाद यादव ने सरकार बनाने में समर्थन दिया। इसकी जानकारी पहले ही शीर्ष नेताओं को थी।

ग्रामीण कार्य विभाग में ग्लोबल टेंडरिंग को लेकर विधायकों ने भी आपत्ति जताई है। बीजेपी विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू समेत कई विधायकों ने ग्लोबल टेंडरिंग को लेकर मंत्री अशोक चौधरी को खरी खोटी सुनाई है। विधायकों ने कहा- ग्लोबल टेंडरिंग से चुनाव में नुकसान होगा। लेफ्ट के सभी विधायक पहले दिन एक साथ 10.30 बजे विधानसभा पहुंचे। सभी काला कुर्ता पहने हुए थे। कोई हाथ पर काली पट्टी बांधे हुए थे। इसके जरिए वोटर पुनरीक्षण की प्रक्रिया का विरोध कर रहे थे। विधानसभा के मेन गेट से पोर्टिको तक पैदल मार्च करते हुए पहुंचे। इनके हाथों में तख्तियां थीं, 'वोटबंदी नहीं चलेगी'। इतना ही नहीं विधानसभा के अंदर इन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वोटर वेरिफिकेशन के बहाने सरकार NRC लागू कर रही है।

गुंडा राज पर कांग्रेस हुई आक्रामक

कांग्रेस के विधायक गुंडा राज के मुद्दे पर सरकार को घेरते नजर आए। कांग्रेस विधायक नारे लगा रहे थे... 15 दिन में 51 हत्याएं, सोई हुई है सरकार। कांग्रेस के विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा,'बिहार के लोगों की कोई सुरक्षा नहीं है। सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है।'उन्होंने कहा कि सब कुछ खत्म कर दिया गया है। व्यापारियों की हत्या हो रही है। हॉस्पिटल में हत्या हो रही है। बिहार की जनता को बिहार सरकार जवाब ही नहीं दे रही है। सदन में भी जवाब मिलने की उम्मीद नहीं है। कभी जवाब नहीं दिया है इन्होंने कभी जवाब नहीं दिया। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा,'सर्वदलीय बैठक में हमने कहा था कि सरकार लॉ एंड ऑर्डर पर सरकार जवाब दे। सरकार इस पर तैयार नहीं हुई। इसलिए हमलोग सदन को चलने नहीं देंगे। जरूरत पड़ी तो सत्ता पक्ष के लोगों को सदन में जाने से रोकेंगे।'

मंत्री के विरोध में दवा की माला पहन कर पहुंचे विधायक

कांग्रेस लगातार शहरी विकास मंत्री जीवेश मिश्रा के फर्जी दवा कंपनी के मामले को मुद्दा बनी रही है। राजस्थान के एक कोर्ट में उन्हें नकली दवा मामले में दोषी बनाए जाने के बाद कांग्रेस उनका इस्तीफा मांग रही है। सोमवार को एक विधायक दवा की मामला पहन कर विधानसभा पहुंच गए और जीवेश मिश्रा से इस्तीफा मांगने लगे। वहीं लॉ एंड ऑर्डर पर राजद के विधायकों ने प्रदर्शन किया। राजद के विधायकों ने हाथों में तख्तियां लेकर पोर्टिको में प्रदर्शन किया। इनकी तख्तियों पर लिखा था, बिहार में गुंडाराज या महाजंगल राज.. खुलेआम गैंगवार नींद में हैं जिम्मेवार.. अपराधियों की बहार है, नीतीशे सरकार है...। मतदाता पुनरीक्षण बहाना है, मकसद वोटबंदी को लाना है...। 'क्राइम कंट्रोल नहीं तो किसान जिम्मेदार। यही है डबल इंजन की सरकार...।'

सावन में विधानसभा में विधायकों के लिए मटन का इंतजाम

विधायकों के लिए लंच में मटन का इंतजाम किया गया था। सावन की दूसरी सोमवारी पर विधायकों के लिए ये व्यवस्था की गई थी। सावन महीने में मटन को विधायक देखते रहें। सबसे पहले मंत्री जमा खान ने मटन खाने की शुरुआत की। इस पार्टी में पत्रकार भी मौजूद थे। कहीं कोई फोटो ना ले ले इस डर से JDU के मंत्री अलग बैठकर मटन खाते दिखाई दिए। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने लंच में फलाहार लिया। बैठक में विधायकों के लिए लंच में मटन की व्यवस्था पर बिहार कांग्रेस प्रभारी अल्लावरु ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 'कौन क्या खा रहा है, क्या नहीं खा रहा है, ये मुद्दा नहीं है। बिहार में असली मुद्दा ये है कि यहां कोई सुरक्षित नहीं है।' 'वो बकरा मारे मुर्गी मारे या मछली मारे, ये उनकी बात है। यहां दिनदहाड़े लोगों को मारा जा रहा है। साधारण हो या अमीर, सभी तरह के लोगों को टारगेट किया जा रहा है। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े है।' 'नीतीश कुमार सिर्फ नाम के मुख्यमंत्री रह गए है। असली मुख्यमंत्री दिल्ली में बैठे नरेंद्र मोदी और अमित शाह है। जब से इन दोनों ने बिहार को संभालना शुरू किया है, तब से प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर और खराब हुआ है, क्राइम बढ़ा है।'

तेजस्वी बोले- वोटर लिस्ट से नाम कटने की साजिश पर चर्चा जरूरी

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र का आगाज हंगामादार रहा। एसआईआर पर चर्चा को लेकर पूरा विपक्ष अड़ा रहा। मतदाता पुनरीक्षण में लोगों का नाम मतदाता सूची से काटने का आरोप लगाया। बैनर-पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया है। जिसके बाद विधानसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित हो गई। जिसके बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन के विधायक दलों की अहम बैठक विधानसभा के परिसर में हुई। जिसमें सत्र को लेकर विपक्ष की रणनीति बनी।

पत्नी ने प्रेमी से कहा- मेरे पति को मार दोः बॉयफ्रेंड ने हसबैंड के साथ मिलकर प्रेमिका को ही मार दिया

पूर्णिया. पूर्णिया में 6 नवंबर को मां और 3 बच्चों का शव घर में फंदे से लटका मिला। बताया गया कि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए छठ महापर्व के खरना वाले दिन उसने तीन बच्चों की हत्या की, फिर खुद फंदे से झुल गई। वारदात के 8 महीने बाद पुलिस ने इस केस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, ये सुसाइड नहीं था, बल्कि एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या की गई थी। महिला बबीता देवी (32) और छोटे-छोटे तीन बच्चों बेटी रिया (8) और 2 बेटे सूरज (5), सुजीत (3) की हत्या उसके पति रवि कुमार शर्मा(35) और प्रेमी निलेश कुमार(33) ने मिलकर की थी। फिर मर्डर को सुसाइड का रूप देने के लिए चारों डेड बॉडी को घर के कमरे में लटका दिया। बबिता का अपने पति रवि के दोस्त निलेश से अफेयर था। वो बॉयफ्रेंड पर पति की हत्या का प्रेशर बना रही थी। जिसके बाद पति और प्रेमी ने उसे ही रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। मामला रौटा थाना क्षेत्र के किलपाड़ा गांव का है। पुलिस ने आरोपी प्रेमी और पति दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

पति की हत्या के लिए प्रेशर बना रही थी

पुलिस जांच में मृतका का उसके पति के दोस्त निलेश कुमार के साथ अवैध संबंध का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस ने प्रेमी को कस्टडी में लिया और सख्ती से पूछताछ की। निलेश ने बताया कि दोस्त की पत्नी बबीता कुमारी के साथ पिछले 2 साल से उसका अफेयर चल रहा था। दोनों के बीच अवैध संबंध था। बबीता उससे शादी करना चाहती थी। पति को रास्ते से हटाकर आगे की जिंदगी उसके साथ बिताना चाहती थी। इसलिए पति के मर्डर का प्रेशर बना रही थी।

बच्चों ने देख लिया इसलिए उन्हें भी मार डाला

निलेश ने आगे कहा, 'चीखने की आवाज सुनकर बच्चे जाग गए। हत्या करते हुए उन्होंने देख लिया। वो सबको बता देते, इस डर से कमरा बंद किया और बारी-बारी से तीनों बच्चों की गला घोंटकर हत्या कर दी। 'लोगों को ये सुसाइड लगे। इसके लिए फंदे से शव को लटका दिया। आत्महत्या की झूठी कहानी बनाई। ये अफवाह फैलाई की बबीता का दिमागी संतुलन खराब था। वारदात को अंजाम देकर वो भाग निकला।' निलेश और रवि ने प्लान के मुताबिक काम किया। दूसरे दिन पति रवि ने लोगों को ये झूठी कहानी सुनाई कि वो सुबह मंदिर गया था, इसी बीच उसकी पत्नी ने अपने तीन बच्चों के साथ मिलकर खुदकुशी कर ली। पहले उसने तीनों बच्चों का गला घोंटा और फिर इसके बाद खुद फंदे से झूल गई। लौटने पर कमरे का दरवाजा बंद पाया। काफी देर बाद भी कमरे से हलचल न आने पर लोहे की रॉड से गेट का ताला तोड़ा। रौटा थानाध्यक्ष कुमार कुणाल सौरव ने बताया कि 6 नवंबर को हुई जिस वारदात को लोग सुसाइड मानकर चल रहे थे। चारों के पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया। पोस्टमॉर्टम में गला दबाकर हत्या की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने इस मामले की बारीकी से जांच शुरू की।

पटना में बीच सड़क युवक का मर्डरः बदमाशों ने मारपीट के बाद सिर में मारी गोली, लोगों ने घेरा तो बाइक छोड़कर भागे

बिहटा. पटना में एक बार फिर से बदमाशों ने एक शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी है। मृतक की पहचान आदित्य कुमार के रूप में हुई है। सोमवार की सुबह आदित्य अपने घर के पास खड़े थे,तभी एक बाइक पर सवार होकर 3 बदमाश पहुंचे और आदित्य के सिर में गोली मार दी। गोली गलते ही आदित्य जमीन पर गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर मौके पर आसपास के लोग जुट गए। लोगों की भीड़ जुटती देखकर बदमाश अपनी बाइक छोड़कर ही मौके से फरार हो गए। आदित्य को परिजन अस्पताल ले जा रहे थे,लेकिन रास्ते में ही आदित्य ने दम तोड़ दिया। वारदात पटना के दुल्हिन बाजार थाना इलाके के सदावह गांव की है।

10 कट्ठा जमीन को लेकर चल रहा था विवाद

मृतक के पिता विजय सिंह ने बताया कि, 10 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उन्होंने गांव के ही नीतीश कुमार और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया है। विजय सिंह के अनुसार, आदित्य कल ही पटना से घर लौटा था। सुबह नीतीश कुमार अपने साथियों के साथ आया और जमीनी विवाद को लेकर मारपीट शुरू की। इसके बाद सिर में गोली मार दी। पटना पश्चिम सिटी SP भानु प्रताप सिंह ने बताया कि सदावह गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या की गई है। मृतक की पहचान आदित्य कुमार उर्फ छोटू के रूप में हुई है। घटना के पीछे का कारण जमीनी विवाद सामने आ रहा है। पुलिस ने अपराधियों की पहचान कर ली है। फिलहाल घटना स्थल से एक बाइक को भी बरामद किया गया है जो अपराधी का बताया जा रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

भागलपुर में चाचा-भतीजे को हाइवा ने मारी टक्कर; मौतः मिक्सर मशीन पर बैठ मजदूरी करने जा रहे थे

भागलपुर. भागलपुर सड़क हादसे में दो मजदूर चाचा-भतीजे की मौत हो गईं हैं। सीमेंट-बालू मिक्स करने वाली मिक्सर मशीन वाली गाड़ी में 5 लोग सवार थे। 3 लोग आगे बैठे हुए थे और दोनों चाचा-भतीजा पीछे बैठे थे। पीछे से हाइवा ने इन्हें टक्कर मारी। मौके पर ही इनकी मौत हो गई। मिक्सर मशीन वाली गाड़ी रोड किनारे पलट गई। गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। घटना के बाद हाइवा को पुलिस ने जब्त कर लिया हैं। मृतक की पहचान लोदीपुर थाना थाना क्षेत्र के नया टोला अगरपुर के निवासी 50 साल के लड्डू यादव और प्रदीप यादव (32) के रूप में हुई हैं। मृतक प्रदीप की पत्नी शेम्पू देवी ने बताया कि आज सावन की दूसरी सोमवारी थी। पति घर से कह कर निकले थे कि मजदूरी से जो पैसा कमाएंगे, उसी से व्रत के लिए फल लेकर आऊंगा। लेकिन, अब दुर्घटना के बाद सब कुछ बर्बाद हो गया है। मृतक प्रदीप का एक बेटा और दो बेटी हैं। इसी पर पूरा परिवार निर्भर था। परिवार वालों ने मुआवजा की मांग की हैं।

मजदूरी के लिए जा रहे थे दोनों

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने गोराडीह सड़क रास्ते को करीब एक घंटे तक जाम कर हंगामा किया। मामला गोराडीह थाना क्षेत्र के पितना गांव के पास का है। दोनों मृतक गांव के रिश्ते में चाचा भतीजे थे और साथ में मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। घटना के बाद गोराडीह थाना पुलिस पहुंचकर दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। आगे की कार्रवाई में पुलिस जुट गई हैं। परिजनों ने बताया की पास के गांव में जन मजदूरी का काम करने के लिए कुल पांच लोग मिक्सर मशीन वाली गाड़ी पर सवार होकर जा रहे थे। दोनों चाचा-भतीजा पीछे के हिस्से में थे, अचानक तेज रफ्तार से हाइवा ने पीछे से कुचल दिया, जिससे लड्डू यादव की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। प्रदीप यादव की अस्पताल पहुंचते पहुंचते ही मौत हो गई। अन्य तीन मजदूर बाल-बाल बच गए हैं।

छपरा में एक ही परिवार के 3 लोगों की डूबने से मौत, पटना में 2 युवक गंगा में बहे

छपरा. बिहार के छपरा जिले में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई। बताया जा रहा है कि दिघवारा-शेरपुर सिक्स लेन पुल निर्माण के पास सोमवार को स्नान करने गए एक ही परिवार के 3 लोगों की डूबने से मौत हो गई। तीनों लोगों का शव बरामद कर लिया गया है पुल निर्माण के पास बाढ़ का पानी आने के कारण सड़क कट जाने से गहराई का स्नान के दौरान पता नहीं चल सका। एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में तीनों की जान चली गई। मृत युवक के बेटे के जन्मदिन में एक दिन पहले पटना से बहनोई और भांजा आए थे। इस घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा है। वहीं दूसरी तरफ पटना सिटी के आलमगंज थाना इलाके में सावन महीने के सोमवारी पर गंगा नदी में गंगा स्नान को करने के लिए गए पांच किशोर स्नान के दौरान डूबने लगे। इसी बीच गंगा घाट पर मौजूद लोगों की ओर शोर मचाने पर तैनात एसएसबी के जवानों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर डूब रहे तीन किशोर को बचा लिया है। दो के लापता होने की बात कही जा रही है। दोनों की तलाश अभी तक नहीं हो सकी है। गोताखोरों और प्रशासन की मदद से अभियान चलाया जा रहा है। लोगों के मुताबिक गंगा स्नान के दौरान 5 किशोर एक साथ गंगा नदी के तेज धारा होने के कारण बहने लगे। डूबता हुआ देखकर स्थानीय लोगों ने हो हल्ला किया। लोगों की हो हल्ला को सुनकर मौजूद रहे एसएसबी के जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू अभियान चलाया। हालांकि जवानों के प्रयास से तीन किशोर को गंगा नदी से बचा लिया गया।

25 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

पटना. बिहार के 25 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट है। विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे के दौरान तेज हवा के साथ भारी बारिश भी हो सकती है। बिहार में अगले एक हफ्ते तक मौसम में बदलाव की संभावना नहीं है। पटना समेत दक्षिण बिहार के कुछ इलाकों में तेज बारिश हो सकती है। हालांकि, उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। बीते दिन भागलपुर, पटना समेत प्रदेश के 10 जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश अररिया में 160 मिमी बारिश हुई। जबकि भागलपुर में 107 मिमी बारिश दर्ज किया गया। रुक-रुककर हो रही बारिश से जहां भागलपुर और मुंगेर में गंगा में जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है। भागलपुर में गंगा का वॉर्निंग लेवल 32.68 है। यहां गंगा 32.78 पर पहुंच गई है। मुंगेर में गंगा 38.42 मीटर पर पहुंच चुकी है। यहां वार्निंग लेवल 38.33 मीटर है। जमुई में पुल में दरार आ गई तो मुंगेर में डायवर्जन बह गया। इधर, जमुई के उलाय नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। मात्र 15 मिनट में पानी बरमसिया पुल की सतह से एक फीट नीचे तक पहुंच गया। जिससे काजवे पुल में दरार आ गई। पानी के प्रेशर से आसपास के बिल्डिंग भी झुक गई। फिलहाल, प्रशासन ने काजवे पुल के दोनों ओर 4 फीट का दीवार खड़ी कर लोगों की आवाजाही पूरी तरह से बंद कर दिया है। पुल के बंद होने से तीन प्रखंड चकाई, सोनो, झाझा के एक दर्जन से अधिक गांव के लोग प्रभावित हुए हैं।

तेजस्वी को 24 सीटों की लिस्ट देकर सीपीआई बोली- पिछले चुनाव में भी माले से ज्यादा चाहिए थी

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर चर्चा चल रही है। इस बीच लेफ्ट पार्टी सीपीआई ने इंडिया अलायंस की कोऑर्डिनेशन कमिटी के अध्यक्ष तेजस्वी यादव को 24 सीटों की लिस्ट सौंपी है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने यह भी कहा कि उन्हें पिछले विधानसभा चुनाव (2020) में सहयोगी दल भाकपा-माले से ज्यादा सीटें मिलनी चाहिए थी। बता दें कि पिछली बार सीपीआई ने महागठबंधन में रहकर 6 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 2 पर जीत दर्ज की थी। सीपीआई के 24 विधानसभा सीटों पर

दावा करने से सियासी पारा गर्मा गया है। सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा ने सोमवार को पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में 6 सीटों पर हमने चुनाव ड़ा था। मगर पार्टी उससे अभी अधिक सीटों पर लड़ने के लिए तैयार थी। सीपीआई के राज्य सचिव राम नरेश पांडेय ने कहा कि माले को पिछले चुनाव में 19 सीटें दी गई थीं, तो भाकपा को भी 20 सीटें मिलनी चाहिए थी। सीपीआई ने कहा कि उनकी इस बार 24 सीटों पर तैयारी है। इसकी सूची तेजस्वी को सौंप दी गई है। अन्य दलों ने भी अपनी-अपनी सीटों की सूची दी है। बिहार में आगामी अक्टूबर और नवंबर के महीने में विधानसभा चुनाव संभावित है। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, तीनों लेफ्ट पार्टियां-सीपीआई, सीपीएम एवं सीपीआई-माले और वीआईपी यानी कुल 6 दल मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। पशुपति पारस की रालोजपा के भी गठबंधन में आने पर बात चल रही है। दूसरी ओर, बिहार चुनाव को लेकर महागठबंधन की कोऑर्डिनेशन कमिटी और अन्य उपसमितियां बनाई गई हैं। इनकी लगातार बैठकें हो रही हैं। पिछले सप्ताह हुई बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने कहा था कि सीटों पर चर्चा शुरू हो गई है। सीट बंटवारे का फॉर्मूला फाइनल होने के बाद इसकी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि सीटों को लेकर गठबंधन में कोई विवाद नहीं है।

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बर्बादी

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान—सम्मान पर बेजा टीका—टिप्पिणयां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष—विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है।

2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता। विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए 'से नो टू वॉर' कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं? इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए। 18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे।

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रूपये पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शास्त्र और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके।

अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें। भागवत् कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

भारत में डिजिटल निजता की चिंता और डेटा संरक्षण कानून की अनिवार्यता

> भविष्य की ओर देखते हुए, यह समझना होगा कि हम जिस कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और ऑटोमेशन की ओर बढ़ रहे हैं, उसमें निजता और डेटा सुरक्षा और भी जटिल विषय बनते जाएंगे। स्मार्ट डिवाइस, हेल्थ मॉनिटरिंग गजेट्स और वर्चुअल असिस्टेंट्स हमारे जीवन के हर पहलू को डेटा में बदल रहे हैं। इसलिए अब आवश्यकता है कि हम एक ऐसी नीति और कानून विकसित करें जो केवल आज की समस्याओं का समाधान न करे, बल्कि भविष्य के डिजिटल परिदृश्य को भी ध्यान में रखे। भारत को एक ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जो टेक्नोलॉजी और निजता के बीच संतुलन बना सके।

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां तकनीकी प्रगति अपने चरम पर है। डिजिटल भारत का सपना अब केवल एक सरकारी नारा नहीं, बल्कि आम नागरिक की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, डिजिटल पेमेंट्स और सोशल मीडिया का विस्तार इतना व्यापक हो चुका है कि देश की एक बड़ी आबादी अब हर क्षण डिजिटल रूप से जुड़ी रहती है। लेकिन इस डिजिटल विकास की चमक के पीछे एक गंभीर खतरा भी छिपा है — नागरिकों की निजता और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा। हर बार जब कोई उपयोगकर्ता किसी वेबसाइट पर लॉगिन करता है, किसी ऐप को डाउनलोड करता है या सोशल मीडिया पर कोई जानकारी साझा करता है, तब वह जाने-अनजाने में अपना निजी डेटा विभिन्न कंपनियों और संस्थाओं को सौंप रहा होता है। यह डेटा न केवल उनकी पहचान, स्थान और आदतों से जुड़ा होता है, बल्कि कई बार उनकी संवेदनशील जानकारी जैसे बैंक डिटेल्स, हेल्थ रिकॉर्ड्स और पर्सनल कॉन्वर्सेशन तक को शामिल करता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या आम नागरिक को पता है कि उसका डेटा कहां जा रहा है, किसके पास जमा हो रहा है और उसका उपयोग कैसे किया जा रहा है?

भारतीय संदर्भ में निजता का अधिकार लंबे समय तक एक अस्पष्ट विचार रहा। लेकिन 2017 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने इसे मौलिक अधिकार घोषित कर एक नई दिशा दी। अदालत ने कहा कि निजता, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न हिस्सा है। यह निर्णय उस समय आया जब आधार जैसी योजनाओं के माध्यम से सरकार बड़े पैमाने पर नागरिकों की जानकारी एकत्र कर रही थी। हालांकि, यह फैसला अपने-आप में एक बड़ी जीत था, पर यह स्पष्ट था कि केवल एक न्यायिक घोषणा से डिजिटल निजता की रक्षा नहीं हो सकती। भारत को एक स्पष्ट, सख्त और व्यावहारिक डेटा संरक्षण कानून की आवश्यकता थी जो कंपनियों और सरकारी एजेंसियों दोनों को जवाबदेह बना सके। खासकर ऐसे समय में जब तकनीकी कंपनियां उपयोगकर्ताओं की जानकारी को बिना उनकी सहमति के इस्तेमाल कर विज्ञापनों, सिफारिशों और विश्लेषणों के लिए बेच रही थीं। इसके अलावा साइबर अपराध, डेटा लीक और रैंसमवेयर अटैक जैसे खतरे भी निरंतर बढ़ते जा रहे थे। यूरोप जैसे देशों में जहां GDPR (जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन) जैसे कानून नागरिकों को उनके डेटा पर पूरा अधिकार देते हैं, भारत लंबे समय तक ऐसे किसी व्यापक कानून के अभाव में रहा। हालांकि 2000 में बना सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम कुछ हद तक साइबर अपराधों को नियंत्रित करता है, लेकिन यह कानून डेटा संग्रह, उपयोग, संरक्षण और सहमति के बारीक पहलुओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं करता। नतीजतन, टेक कंपनियों और यहां तक कि सरकारी एजेंसियों द्वारा भी बार-बार नागरिकों की निजता का उल्लंघन होता रहा। इसी को देखते हुए 2017 में B.N. श्रीकृष्णा समिति का गठन किया गया, जिसने 2018 में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में डेटा को नया तेल कहा गया और एक स्वतंत्र डेटा संरक्षण प्राधिकरण की सिफारिश की गई। यह समिति नागरिकों को उनके डेटा पर नियंत्रण देने और कंपनियों को जवाबदेह बनाने के लिए एक व्यापक कानूनी ढांचे की वकालत करती रही।

इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि 2023 में भारत सरकार ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट पारित किया। यह कानून न केवल भारत का पहला समर्पित डेटा संरक्षण कानून है, बल्कि यह देश में डिजिटल अधिकारों की नींव को सशक्त करता है। इस कानून की सबसे बड़ी विशेषता है — उपयोगकर्ता की स्पष्ट सहमति। अब कोई भी संस्था, कंपनी या एजेंसी आपकी व्यक्तिगत जानकारी तभी एकत्र कर सकती है जब आप उसकी स्पष्ट अनुमति दें और वह अनुमति पारदर्शी भाषा में मांगी जानी चाहिए। साथ ही, उपयोगकर्ता को यह अधिकार भी प्राप्त होगा कि वह कभी भी अपनी सहमति वापस ले सके। इस कानून में एक स्वतंत्र डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड की भी स्थापना की गई है जो कानून उल्लंघन के मामलों की जांच करेगा और दोषियों को दंडित करेगा। इसके अतिरिक्त, इस कानून के अंतर्गत डेटा उल्लंघन की स्थिति में कंपनियों को समय पर सूचना देना अनिवार्य बनाया गया है — जो अब तक भारतीय परिप्रेक्ष्य में अभूतपूर्व कदम है।

हालांकि कानून बनना एक सराहनीय कदम है, लेकिन असली चुनौती इसके प्रभावी कार्यान्वयन की है। भारत जैसे विशाल और विविधता-भरे देश में जहां डिजिटल साक्षरता अब भी एक चुनौती है, वहां नागरिकों को यह बताना आवश्यक होगा कि उनका डेटा कितना कीमती है और कैसे वे अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही, निजी कंपनियों और विशेष रूप से विदेशी टेक्नोलॉजी दिग्गजों को भी यह स्पष्ट संकेत देना जरूरी है कि भारत में कारोबार करना है तो भारतीय कानूनों और नागरिकों की निजता का सम्मान करना होगा। इसके लिए सरकार को चाहिए कि वह एक मजबूत नियामक तंत्र बनाए, जो पारदर्शी, स्वतंत्र और जवाबदेह हो।

भविष्य की ओर देखते हुए, यह समझना होगा कि हम जिस कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और ऑटोमेशन की ओर बढ़ रहे हैं, उसमें निजता और डेटा सुरक्षा और भी जटिल विषय बनते जाएंगे। स्मार्ट डिवाइस, हेल्थ मॉनिटरिंग गजेट्स और वर्चुअल असिस्टेंट्स हमारे जीवन के हर पहलू को डेटा में बदल रहे हैं। इसलिए अब आवश्यकता है कि हम एक ऐसी नीति और कानून विकसित करें जो केवल आज की समस्याओं का समाधान न करे, बल्कि भविष्य के डिजिटल परिदृश्य को भी ध्यान में रखे। भारत को एक ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जो टेक्नोलॉजी और निजता के बीच संतुलन बना सके — और यही एक सशक्त, आत्मनिर्भर और सुरक्षित डिजिटल भारत की बुनियाद बनेगी। डिजिटल युग में डेटा और निजता अब केवल तकनीकी या कानूनी विषय नहीं रह गए हैं, बल्कि वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आ गए हैं। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जहां नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है, वहां निजता का उल्लंघन न केवल संवैधानिक संकट पैदा करता है, बल्कि लोकतंत्र की नींव को भी हिला सकता है।

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना ही हमारा कर्तव्य

> युद्ध के बाद, चेतक की मृत्यु हो गई और उसकी याद में एक स्मारक बनाया गया, जिसे चेतक समाधि के नाम से जाना जाता है। हल्दीघाटी युद्ध का भले ही क़ोई परिणाम नहीं निकला क्योंकि वहाँ महाराणा प्रताप क़ो पकड़ा नहीं गया और उनके बदले किसी और ने महराणा प्रताप का मुकुट पहना था और वो शहीद हो गया। लेकिन इतिहास लिखने वाले कैसे अकबर क़ो महान मानते हैं लगता है उन्हें हल्दीघाटी युद्ध की जानकारी नहीं होगी और महाराणा प्रताप के बारे में समझा नहीं होगा और फ़िल्मकार भी कैसे अकबर जो क्रूर था उसक़ो महान बनाने में फ़िल्म भी बना दी। क़ोई अकबर दि ग्रेट बनाया क़ोई जोधाबाई इससे आपको नहीं लगता देश के सच्चे नायक महराणा प्रताप जो भारत क़ो अकेले ही मुगलों से लोहा लिया और उस समय उसका नेतृत्व अकबर ने ही किया था।

संजय गोस्वामी

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है, क्योंकि इस धरती पर भगवान राम के चरण पड़े और सीता माता की रक्षा के लिए रावण जैसे विशाल सेना क़ो हराया और रावण के अहंकार क़ो भी भगवान राम ने चूर चूर कर दिया। भगवान श्री राम के भक़्त हनुमान जी और तुलसीदास जी थे। एक बार अकबर ने राम के नाम का प्रचार प्रसार क़ो देखकर इतना गुस्सा हो गया कि तुलसीदास क़ो महल में बुलाया और सर ना झुकाने पर उसे बंदी बना लिया। तब हनुमान जी की बानर सेना ने धावा बोल दिया और महल में उत्पाद मचाने लगे। तब अकबर क़ो समझ आया कि तुलसीदास के पास भगवान राम साथ रहते हैं और छोड़ दिया। इतिहास में दर्ज है अकबर की क्रूरता सभी हिन्दू राजा क़ो दास बनाना एक बार राणा प्रताप तुलसीदास से मिले और राम भक्त बन गए और वहीं अकबर ने उसे अपनी दसिता मेवाड़ के राजा के रूप में उसके साथ ना मिलने पर हल्दीघाटी का युद्ध हुआ। अतः अकबर ने मेवाड़ के राजा राणा प्रताप क़ो बहुत कोशिश की उनकी दासता क़ो स्वीकार करें और राजपूत मुगलों से एक रिश्ता बन सके लेकिन वो इसी सिलसिले में राणा प्रताप तुलसीदासजी के पास जाते हैं और अपनी व्यथा सुनाते हैं और राजा मान सिंह का दबाव बताते हैं। तभी तुलसीदास जी ने भगवान राम का साक्षात दर्शन कराया और कहा भगवान राम हर समय तुम्हे रक्षा करेंगे और तुम्हारी बहादुरी क़ो भारत के इतिहास में अमर रहेगा। और उसके बाद अकबर से किसी भी प्रकार के संधि से मना कर युद्ध करने क़ो तैयार हो गए और उनके सामने थे राजा मान सिंह और मुगलों की विशाल सेना जिसे हल्दीघाटी के युद्ध से भी जाना जाता है। दरअसल राजा मान सिंह, जिन्हें मिर्ज़ा राजा के नाम से जाना जाता था, अकबर के एक वरदहस्त साथी थे, और उस मंडली के सदस्य थे जिसे बादशाह नौरत्न या नौ रत्न कहते थे। वे 1562 में अकबर के दरबार में शामिल हुए, जोधाबाई अकबर की पत्नी मरियम-उज़-ज़मानी का एक लोकप्रिय नाम है। मान सिंह उनके भतीजे थे। वे उनके भाई, राजा भगवंत दास के पुत्र थे। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप ने जिस बहादुरी से लड़ा वो इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं उन्होंने सीधा मान सिंह जो हाथी पर सवार थे उनका घोड़ा चेतक ने हाथी पर चढ़ना चाहा और घायल हो गया अतः उनके साथियों ने सलाह दि की आप यहाँ से दूर जाकर चेतक की रक्षा करें युद्ध के दौरान, चेतक घायल हो गया था, लेकिन फिर भी वह महाराणा प्रताप को युद्ध के मैदान से दूर ले गया। चेतक ने एक 22 फुट चौड़ा नाला भी पार किया, जिसे मुगल सेना पार नहीं कर पाई थी चेतक की वीरता और वफादारी के कारण, उसे आज भी याद किया जाता है।

युद्ध के बाद, चेतक की मृत्यु हो गई और उसकी याद में एक स्मारक बनाया गया, जिसे चेतक समाधि के नाम से जाना जाता है। हल्दीघाटी युद्ध का भले ही क़ोई परिणाम नहीं निकला क्योंकि वहाँ महाराणा प्रताप क़ो पकड़ा नहीं गया और उनके बदले किसी और ने महराणा प्रताप का मुकुट पहना था और वो शहीद हो गया। लेकिन इतिहास लिखने वाले कैसे अकबर क़ो महान मानते हैं लगता है उन्हें हल्दीघाटी युद्ध की जानकारी नहीं होगी और महाराणा प्रताप के बारे में समझा नहीं होगा और फ़िल्मकार भी कैसे अकबर जो क्रूर था उसक़ो महान बनाने में फ़िल्म भी बना दी। क़ोई अकबर दि ग्रेट बनाया क़ोई जोधाबाई इससे आपको नहीं लगता देश के सच्चे नायक महराणा प्रताप जो भारत क़ो अकेले ही मुगलों से लोहा लिया और उस समय उसका नेतृत्व अकबर ने ही किया था। दरअसल अकबर बहुत चालक था जो भगवान राम की धरती पर पूर्ण मुग़ल समाराज्य की स्थापना ब्रेन वास कर करना चाहता था। इसलिए हिन्दू क़ो भ्रमित करने के लिए राजा मान सिंह से मंदिर भी बनवाएं और इस तरह धन का लालच देकर सबको अपना गुलाम बना लिया। इससे भारत क़ो केवल अपने पाठ्यक्रम में बदलाव नहीं भारत क़ो राम का कर्मभूमि समझ कर देशहित में निर्णय लेना चाहिए। आज अमेरिका क्यों कूद रहा भारत के आंतरिक मामलों पर चीन के साथ हाथ क्यों मिला रहें हैं। यह 140 करोड़ भारतीय का लोकतान्त्रिक देश है जो मर सकता है मिट जाएगा। लेकिन किसी के सामने कभी नहीं झुकेगा, आखिर क्या सीखा भगवान राम से। याद कीजियेगा भारत के रक्षक गुरू गोविन्द सिंह की चमकौर युद्ध की जिस मुगलों ने आनंदपुर साहिब क़ो पुरी तरह से घेर रखा था और रसद पानी सब बन्द कर दिए गए उसके बाद जब 40 सिख ने विरोध किया तो गुरुगोविन्द सिंह ने कहा क्या मैं खुद के लिए लड़ रहा हूँ तब सभी 40 सिखों ने वजीर खान की दस लाख सेना से लड़े और गुरूजी ने 5-5 की तादाद में भेजना चालू किया और अंत में विजय हुए हालांकि उसमें सारे शहीद जरूर हुए लेकिन गुरूजी पंच प्यारे के कहने पर वहाँ से दूर जरूर गए, लेकिन उनकी वीरता और भारत के आत्मसम्मान क़ो कभी झुकने नहीं दिया। भाषण देने मंदिर बनाने से ज्यादा जरुरी है भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना। भारतीय सेना के बहादुरी क़ो सलाम करना।

दया माता को महावतार बाबाजी ने कहा था कि उनका स्वभाव प्रेम है और प्रेम ही इस दुनिया को बदल सकता है: स्वामी श्रद्धानन्द

कृष्ण बिहारी मिश्र

रांची स्थित योगदा सत्संग आश्रम के श्रवणालय में रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए वरीय संन्यासी स्वामी श्रद्धानन्द ने कहा कि महावतार बाबाजी ने जो दयामाता जी से पूर्व में कहा था। वो बातें आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने दया माता जी से उस वक्त कहा, जब दया माता हिमालय की यात्रा पर थी। दयामाता जी से महावतार बाबा जी ने कहा था कि उनका स्वभाव प्रेम है और प्रेम ही इस दुनिया को बदल सकता है।

स्वामी श्रद्धानन्द के कथनानुसार महावतार बाबाजी को खोजने के लिए कही जाने की आवश्यकता नहीं, उन्हें कोई भी भक्त प्रेम की गहराइयों से अपने पास बुला सकता है।

स्वामी श्रद्धानन्द का आज का व्याख्यान पूरी तरह से महावतार बाबाजी पर केन्द्रित था। दरअसल आगामी 25 जुलाई को महावतार बाबाजी का स्मृति दिवस है। जिसे योगदा भक्तों का समूह बड़ी ही धूमधाम से मनाता है। इसीलिए स्वामी श्रद्धानन्द आज महावतार बाबाजी के उपर ही खुलकर बोले। जिससे श्रवणालय में उपस्थित योगदा भक्तों का मार्गदर्शन हुआ।

स्वामी श्रद्धानन्द ने कहा कि आखिर महावतार बाबाजी का स्मृति दिवस 25 जुलाई को क्यों मनाया जाता है? वो इसलिए कि इसी दिन 1920 में महावतार बाबाजी ने प्रेमावतार परमहंस योगानन्द जी को दर्शन दिया था। जब वे अपने घर कोलकाता में थे और वहां से अमेरिका जाने की तैयारी में थे। इसी दिन उन्होंने परमहंस योगानन्द जी को दर्शन देते हुए कहा था कि "अपने गुरु की आज्ञा का पालन करो और अमेरिका चले जाओ। डरो मत, तुम्हारा पूर्ण संरक्षण किया जायेगा।" महावतार बाबाजी ने परमहंस योगानन्द जी को यह भी कहा था "तुम ही वह हो, जिसमें मैंने पाश्चात्य जगत में क्रिया योग का प्रसार

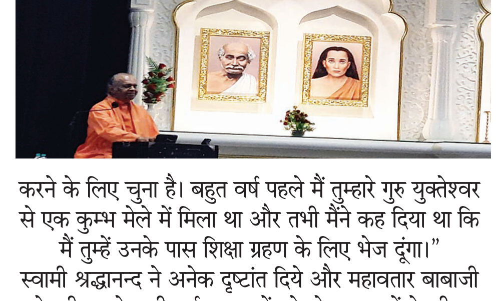

करने के लिए चुना है। बहुत वर्ष पहले मैं तुम्हारे गुरु युक्तेश्वर से एक कुम्भ मेले में मिला था और तभी मैंने कह दिया था कि मैं तुम्हें उनके पास शिक्षा ग्रहण के लिए भेज दूंगा।"

स्वामी श्रद्धानन्द ने अनेक दृष्टांत दिये और महावतार बाबाजी के जीवन से जुड़ी कई घटनाओं को योगदा भक्तों के बीच में रखा। उन्होंने कहा कि महावतार बाबाजी ही हैं। जिन्होंने पहली बार क्रिया योग की दीक्षा आभासी स्वर्ण महल में लाहिड़ी महाशय को दी थी। उसके बाद लाहिड़ी महाशय से यह युक्तेश्वर गिरि जी को प्राप्त हुई और उसके बाद परमहंस योगानन्द जी को प्राप्त हुई यह वैज्ञानिक विधि आज पूरे संसार में व्याप्त होती चली जा रही है। लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं और ईश्वर से एकाकार हो रहे हैं।

स्वामी श्रद्धानन्द ने बताया महावतार बाबाजी हिमालय पर्वत पर अपने शिष्यों के साथ एक जगह से दूसरे जगह आते-जाते रहते हैं। इस दौरान उनके साथ शिष्य भी रहते हैं। जब तक उनका जहां रहना होता है, रहते हैं और फिर जब वहां से चलना होता है तो वे कहते हैं कि डेरा डंडा उठाओ। वे अपने साथ एक डंडा भी रखते हैं। वे अदृश्य होकर भी एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जाते हैं और कभी-कभी पैदल ही एक शिखर से दूसरी शिखर की ओर चल देते हैं।

स्वामी श्रद्धानन्द ने महावतार बाबा और लाहिड़ी महाशय से जुड़ी दो कथाएं सुनाई। पहली कहानी मुरादाबाद की थी। जब वे एक बंगाली परिवार के यहां ठहरे थे और उनसे छह मित्र मिलने आये थे। जहां आध्यात्मिक विषयों पर चर्चाएं चल रही थी। जिसमें किसी ने कहा कि अभी भारत संतों से विहीन हो गया है। जिस पर लाहिड़ी महाशय ने कहा कि ऐसा नहीं हैं। अभी भी इस देश में महान संत विद्यमान हैं और इसी क्रम में लाहिड़ी महाशय ने अपने दोस्तों को अपनी बात सही सिद्ध करने के क्रम में महावतार बाबाजी को बुला लिया। जिस पर महावतार बाबाजी नाराज भी हुए और लाहिड़ी महाशय को कहा कि अब जब-जब तुम बुलाओगे तो मैं नहीं आउंगा, लेकिन जहां मेरी आवश्यकता होगी। मैं अवश्य पहुंच जाऊँगा।

स्वामी श्रद्धानन्द ने लाहिड़ी महाशय और महावतार बाबाजी की कुम्भ मेला वाली प्रसंग भी सुनाई जब लाहिड़ी महाशय के अंदर किसी की आलोचना का भाव जग गया था। महावतार बाबाजी ने आलोचना का भाव उनके अंदर समाप्त हो। एक लीला रच दी। लाहिड़ी महाशय ने देखा कि महावतार बाबाजी एक सामान्य संन्यासी का पांव पखाड़ रहे हैं और उसके खाने पकाने के बर्तन मांजने की भी बात कर रहे हैं। लाहिड़ी महाशय को यह बात समझते देर नहीं लगी कि महावतार बाबाजी उन्हें सद्गुण की सीख दे रहे हैं और बता रहे हैं कि जीवन में विनम्रता का कितना स्थान है।

स्वामी श्रद्धानन्द ने योगदा भक्तों को कहा कि महावतार बाबाजी क्या थे, कैसे थे और किस कोटि के आध्यात्मिक पुरुष थे। वो इसी बात से पता चल जाता है कि लाहिड़ी महाशय कहा करते थे कि "जब भी कोई श्रद्धा के साथ बाबाजी का नाम लेता है, उसे तत्क्षण आध्यात्मिक आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है।"

लेखक बिहार-झारखण्ड के वरिष्ठ पत्रकार एवं विद्रोही24 के संपादक हैं।

भारत के ज्योतिर्लिंग: शिवभक्ति का परम केंद्र

भारत में भगवान शिव की आराधना लिंग रूप में अत्यंत विशेष मानी गई है। यही कारण है कि देशभर के शिव मंदिरों में ज्यादातर स्थानों पर शिवलिंग की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यता है कि सृष्टि के आरंभ में भगवान शिव ने स्वयं लिंग रूप में प्रकट होकर अपनी महिमा का बोध ब्रह्मा और विष्णु को कराया। भगवान राम ने भी लंका विजय से पूर्व रामेश्वरम में रेत से शिवलिंग की स्थापना कर भगवान शिव का पूजन किया था, जो आज रामेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में पूजित है। भारत में कुल 12 ज्योतिर्लिंग हैं, जिन्हें शिव के सबसे पवित्र और शक्तिशाली रूप माना जाता है। हर एक ज्योतिर्लिंग की अपनी अनूठी कथा, महिमा और ऐतिहासिक महत्व है। ये ज्योतिर्लिंग न केवल आस्था के केंद्र हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति, वास्तुकला और साधना परंपरा के भी जीवंत प्रतीक हैं। आइए जानें उन 12 पावन ज्योतिर्लिंगों के बारे में, जहां शिवभक्ति अपने चरम पर दिखाई देती है और हर भक्त को आत्मिक शांति का अनुभव होता है।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत का ही नहीं अपितु इस पृथ्वी का पहला ज्योतिर्लिंग माना जाता है। यह मंदिर गुजरात राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित है। शिवपुराण के अनुसार जब चंद्रमा को दक्ष प्रजापति ने क्षय रोग होने का श्राप दिया था, तब चंद्रमा ने इसी स्थान पर तप कर इस श्राप से मुक्ति पाई थी। ऐसा भी कहा जाता है कि इस शिवलिंग की स्थापना स्वयं चंद्रदेव ने की थी। विदेशी आक्रमणों के कारण यह 17 बार नष्ट हो चुका है। हर बार यह बिगड़ता और बनता रहा है।

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग आन्ध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के तट पर श्रीशैल नाम के पर्वत पर स्थित है। इस मंदिर का महत्व भगवान शिव के कैलाश पर्वत के समान कहा गया है। अनेक धार्मिक शास्त्र इसके धार्मिक और पौराणिक महत्व की व्याख्या करते हैं। कहते हैं कि इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने मात्र से ही व्यक्ति को उसके सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एक पौराणिक कथा के अनुसार जहां पर यह ज्योतिर्लिंग है, उस पर्वत पर आकर शिव का पूजन करने से व्यक्ति को अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य फल प्राप्त होते हैं।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश की धार्मिक राजधानी कही जाने वाली उज्जैन नगरी में स्थित है। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की विशेषता है कि ये एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। यहां प्रतिदिन सुबह की जाने वाली भस्मारती विश्व भर में प्रसिद्ध है। महाकालेश्वर की पूजा विशेष रूप से आयु वृद्धि और आयु पर आए हुए संकट को टालने के लिए की जाती है। उज्जैन वासी मानते हैं कि भगवान महाकालेश्वर ही उनके राजा हैं और वे ही उज्जैन की रक्षा कर रहे हैं।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध शहर इंदौर के समीप स्थित है। जिस स्थान पर यह ज्योतिर्लिंग स्थित है, उस स्थान पर नर्मदा नदी बहती है और पहाड़ी के चारों ओर नदी बहने से यहां ऊं का आकार बनता है। ऊं शब्द की उत्पति ब्रह्मा के मुख से हुई है। इसलिए किसी भी धार्मिक शास्त्र या वेदों का पाठ ऊं के साथ ही किया जाता है। यह ज्योतिर्लिंग औंकार अर्थात ऊं का आकार लिए हुए है, इस कारण इसे ओंकारेश्वर नाम से जाना जाता है।

केदारनाथ ज्योतिर्लिंग

केदारनाथ स्थित ज्योतिर्लिंग भी भगवान शिव के 12 प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में आता है। यह उत्तराखंड में स्थित है। बाबा केदारनाथ का मंदिर बद्रीनाथ के मार्ग में स्थित है। केदारनाथ समुद्र तल से 3584 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। केदारनाथ का वर्णन स्कन्द पुराण एवं शिव पुराण में भी मिलता है। यह तीर्थ भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। जिस प्रकार कैलाश का महत्व है उसी प्रकार का महत्व शिव जी ने केदार क्षेत्र को भी दिया है।

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पूणे जिले में सह्याद्रि नामक पर्वत पर स्थित है। भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग को मोटेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर के विषय में मान्यता है कि जो भक्त श्रृद्धा से इस मंदिर के प्रतिदिन सुबह सूर्य निकलने के बाद दर्शन करता है, उसके सात जन्मों के पाप दूर हो जाते हैं तथा उसके लिए स्वर्ग के मार्ग खुल जाते हैं।

काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग

विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह उत्तर प्रदेश के काशी नामक स्थान पर स्थित है। काशी सभी धर्म स्थलों में सबसे अधिक महत्व रखती है। इसलिए सभी धर्म स्थलों में काशी का अत्यधिक महत्व कहा गया है। इस स्थान की मान्यता है, कि प्रलय आने पर भी यह स्थान बना रहेगा। इसकी रक्षा के लिए भगवान शिव इस स्थान को अपने त्रिशूल पर धारण कर लेंगे और प्रलय के टल जाने पर काशी को उसके स्थान पर पुनः रख देंगे।

त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग गोदावरी नदी के करीब महाराष्ट्र राज्य के नासिक जिले में स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग के सबसे अधिक निकट ब्रह्मागिरि नाम का पर्वत है। इसी पर्वत से गोदावरी नदी शुरूहोती है। भगवान शिव का एक नाम त्र्यंबकेश्वर भी है। कहा जाता है कि भगवान शिव को गौतम ऋषि और गोदावरी नदी के आग्रह पर यहां ज्योतिर्लिंग रूप में रहना पड़ा।

वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग

श्री वैद्यनाथ शिवलिंग का समस्त ज्योतिर्लिंगों की गणना में नौवां स्थान बताया गया है। भगवान श्री वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का मन्दिर जिस स्थान पर अवस्थित है, उसे वैद्यनाथ धाम कहा जाता है। यह स्थान झारखण्ड प्रान्त, पूर्व में बिहार प्रान्त के संथाल परगना के दुमका नामक जनपद में पड़ता है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग गुजरात के बाहरी क्षेत्र में द्वारिका स्थान में स्थित है। धर्म शास्त्रों में भगवान शिव नागों के देवता है और नागेश्वर का पूर्ण अर्थ नागों का ईश्वर है। भगवान शिव का एक अन्य नाम नागेश्वर भी है। द्वारका पुरी से भी नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की दूरी 17 मील की है। इस ज्योतिर्लिंग की महिमा में कहा गया है कि जो व्यक्ति पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ यहां दर्शनों के लिए आता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग तमिलनाडु राज्य के रामनाथ पुरं नामक स्थान में स्थित है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक होने के साथ-साथ यह स्थान हिंदुओं के चार धामों में से एक भी है। इस ज्योतिर्लिंग के विषय में यह मान्यता है, कि इसकी स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। भगवान राम के द्वारा स्थापित होने के कारण ही इस ज्योतिर्लिंग को भगवान राम का नाम रामेश्वरम दिया गया है।

घृष्णेश्वर मन्दिर ज्योतिर्लिंग

घृष्णेश्वर महादेव का प्रसिद्ध मंदिर महाराष्ट्र के संभाजीनगर के समीप दौलताबाद के पास स्थित है। इसे घृसणेश्वर या घुश्मेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। दूर-दूर से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं और आत्मिक शांति प्राप्त करते हैं। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से यह अंतिम ज्योतिर्लिंग है। बौद्ध भिक्षुओं द्वारा निर्मित एलोरा की प्रसिद्ध गुफाएं इस मंदिर के समीप स्थित हैं। यहीं पर श्री एकनाथजी गुरु व श्री जनार्दन महाराज की समाधि भी है।

शिव भक्ति के साथ आत्म शुद्धि, अनुशासन और आस्था का प्रतीक श्रावणी मेला...

कुमार कृष्णन

भगवान शिव, कैलाशवासी, ध्यानस्थ योगी है और वे प्रकृति के सर्वोच्च संरक्षक भी हैं। शिवजी की जटाओं से ही मां गंगा प्रकट होती हैं, उनके कंठ में विष और गले में नाग हैं, उनका वाहन नंदी है, ये सभी प्रतीक हैं कि शिवजी सृष्टि के समस्त जीव-जंतुओं और प्रकृति से गहराई से जुड़े हुए हैं।ऋतुओं की इस गति में जब धरती हरियाली की चादर ओढ़ती है, आकाश से अमृत-जल बरसती है और नदियाँ कलकल करती हैं, तब आता है श्रावण मास। भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक माह है श्रावण मास। इस मास में भगवान शिव की आराधना, संयम, साधना और सेवा का भाव सर्वोपरि रहता है। श्रद्धालु भक्तगण गंगाजल लाकर शिवलिंग का अभिषेक करते हैं और यही भाव एक विराट सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। श्रावण, भगवान शिव का अत्यंत प्रिय महीना है। इस माह की प्रत्येक तिथि किसी न किसी धार्मिक, पौराणिक अथवा प्राकृतिक चेतना से जुड़ी है। भगवान शिव को जल अर्पण करने का प्रतीकात्मक भाव, आत्मशुद्धि, तप और समर्पण से जुड़ा है।

कांवड़ यात्रा इसी भक्ति का जीता-जागता उत्सव है, जिसमें लाखों श्रद्धालु पैदल चलकर पवित्र नदियों, विशेषकर मां गंगा से जल लेकर अपने गांव, नगर अथवा तीर्थस्थलों पर स्थापित शिवालयों में अभिषेक हेतु जाते हैं।यह न केवल आस्था की शक्ति का प्रमाण है, बल्कि भारतीय संस्कृति की जीवंतता, सामूहिकता और समर्पण का भी प्रतीक है।श्रावण मास, जल चढ़ाने के साथ जल धारा व जीवन की धारा को शुद्ध करने का उत्सव भी है। कांवड़ यात्रा केवल आस्था की नहीं, उत्तरदायित्व की यात्रा है। शिवत्व अर्थात लोक मंगल की वह विराट भावना जिसमें स्वयं अनेक कष्टों को सहकर भी दूसरों के कष्टों को मिटाने का हर सम्भव प्रयास किया जाता है। अपने भक्तों की हर उस इच्छा की पूर्ति भगवान महादेव ने की जो भक्तों द्वारा उनसे याचना की गई।जिसके अंदर लोकमंगल का भाव न हो,जिसकी प्रवृत्ति में परोपकार न हो और जिसका मन किसी की पीड़ा को देखकर व्यथित न होता हो वह व्यक्ति शिव-शिव कहने मात्र से कभी भी शिव भक्त नहीं हो सकता।जो हर स्थिति में भक्तों का कल्याण करे वह शिव और जो कल्याण की भावना रखे वही शिव भक्त है।

सावन शुरू होते ही विश्व श्रावणी मेले में एक माह तक सुल्तानगंज (बिहार) से बाबा वैद्यनाथ की नगरी देवघर (झारखंड) तक आस्था का महासमुंद्र उमड़ पड़ता है और इसमें गोते लगाती है कांवरियों की महाआस्था। परंपराओं से बंधी बाबा धाम कांवर यात्रा की शुचिता और पवित्रता के साथ ही सामाजिक और सांस्कृतिक गरिमा भी है। जब संग में मां गंगा हों और रास्ते में हर सहयात्री शिव के रूप में हों। जहां सिर्फ और सिर्फ एक्य का भाव हो, वहां शिवत्व का बोध तो होना ही है और इस यात्रा का उद्देश्य भी यही है, समाज को एक सूत्र में बांधना।

चिदानंद रूपः शिवोहम शिवोहम... मैं चैतन्य रूप हूं। आनंद हूं। शिव हूं। शिव हूं...।

श्रावण मास हिन्दू पंचांग के अनुसार भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र मास है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु गंगा से जल भरकर 105 किमी लंबी नंगे पांव पवित्र कांवर यात्रा करने बाबा वैद्यनाथ पर जलाभिषेक करते हैं।कांवड़ यात्रा भारत की एक अद्भुत आध्यात्मिक परंपरा है, जो श्रद्धा, समर्पण और संयम का प्रतीक है। श्रावण मास में लाखों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थों से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए भगवान शिव को अर्पित करते हैं। यह यात्रा शिवभक्ति के पर्व के साथ आत्मशुद्धि, अनुशासन और आस्था का भी संदेश देती है।

यह यात्रा धर्म के साथ ही समाजवाद की एक अदभुद/आदर्श परिकल्पना है। एक ऐसी व्यवस्था जहां न जाति, न धर्म। सब बराबर हैं। यहां सब कुछ एक है। उत्तरवाहिनी गंगा के एक ही घाट से संकल्प के साथ सब जल उठाते हैं। सब के रास्ते एक होते हैं। सबके नाम एक होते हैं यानि सभी कांवर यात्री 'बम' हैं। सबका नारा एक होता हैं 'बोल बम'।

सबके कपड़े एक होते हैं- 'गेरुआ'। सबका दर्द एक होता है यानि पैर में छाले व असह्य पीड़ा और सबकी दवा भी एक होती है- 12 ज्योतिर्लिंग में सर्वाधिक महिमामंडित बाबा वैद्यनाथ कामना लिंग पर जलाभिषेक। महादेव को जल चढ़ाते ही कष्ट ग़ायब। सहिष्णुता ऐसी की रास्ते में कुत्ते मिल जायें तो उसे भी कांवरिये 'भैरव बम' के नाम से पुकारते हैं। कांवर यात्रा पुरातन काल से भोले की भक्ति का बड़ा ज़रिया है और हर साल उनके भक्तों में बढ़ोतरी ही हो रही है। पूरे देश की तो बात छोड़ दीजिए, सावन में सिर्फ देवघर में ही रोज तकरीबन एक लाख लोग कामना लिंग पर जलाभिषेक करते हैं। यह संख्या रविवार को दोगुनी और सोमवार को चौगुनी हो जाती है। हालांकि, पूरा भादो भी कांवरिये चलते हैं। उनमें खेतीबारी से निवृत्त हो चुके किसान बमों की संख्या ज्यादा होती है।

बिहार के सुल्तानगंज से झारखंड की बाबा नगरी (देवघर) तक की 105 किलोमीटर लंबी कांवर यात्रा में नियमों का हर कांवरिया दृढ़ता से पालन करता है। सुल्तानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा में डूबकी लगाने के बाद कांवरिये बाबा अजगैबीनाथ की पूजा करते और दो पात्रों में गंगा जल भरकर संकल्प के साथ कंधे पर कांवर वरण कर 'बोलबम' के महामंत्र का जाप करते हुए यात्रा पर निकल पड़ते हैं। उस समय भक्ति का माहौल देखते बनता है। यात्रा के दौरान कांवर कहीं भी जमीन पर नहीं रखे जाते। विश्राम करने वक्त अगर झपकी भी आ गयी तो बगैर स्नान किये कांवर छूना भी मना है। बहुत सारे शिवभक्त फलाहार पर जाते हैं। बाल-नाखून काटने की मनाही है। साबुन का इस्तेमाल भी वर्जित। यात्रा के दौरान कड़ी धूप या बारिश में पांव में छाले लिये कई किलोमीटर चलने के बाद जहां रुकते हैं वहां सभी उनके सहयोग के लिए तत्पर मिलते हैं।

105 किमी में 95 किमी बिहार में पड़ता है। बिहार समाप्त होते ही दुम्मा में विशाल गेट से झारखंड में कांवरिया प्रवेश करते हैं और 10 किमी चल कर बाबा की शरण में पहुंच जाते हैं। पूरे रास्ते में लगभग दोनों ओर दुकानें सजी होती हैं। उसमें कांवरियों के लिए खाने-पीने से लेकर हर तरह की मुकम्मल व्यवस्था। सरकार भी अपनी भूमिका में सजग दिखती है। कांवरियों की सुरक्षा में पुलिस पेट्रोलिंग, स्नान, शौचालय, बिजली, पीने का पानी, स्वास्थ्य शिविर, सरकारी धर्मशालों, स्कूलों और कॉलेज भवनों में ठहरने की व्यवस्था सहित अन्य सहयोग में तत्पर दिखती है। लेकिन, इतनी लंबी और जंगल, पहाड़ होते हुए बाबा धाम की दुरूह यात्रा बगैर जनसहभागिता के सिर्फ सरकार के भरोसे पूरी नहीं हो सकती और यह दिखता भी है। सरकार से ज्यादा गैर सरकारी संस्थाएं पूरे रास्ते कांवरियों की सेवा निःस्वार्थ भाव से करती हैं। एक से बढ़कर एक शिविर लगाये जाते हैं। उसमें कांवरियों के लिए निःशुल्क पीने का पानी, नींबू और सत्तू के शर्बत, दवा सहित इलाज की व्यवस्था, पैर सेंकने के लिए गर्म पानी, स्नान की सुविधा, शौचालय, रात्रि विश्राम सहित मालिश की मुकम्मल मुफ्त व्यवस्था रहती है। और सबसे बड़ी सेवा भावना तो सिखने लायक। अदभुत जनसरोकार। डाक बम की सेवा के लिए पूरी रात इन संस्थाओं के लोग फल, मिठाई, जूस, पानी लेकर खड़े दिखते हैं। इनमें महिलाओं की भूमिका तो वंदनीय है। सेवा शिविरों में होनेवाले सांस्कृतिक कार्यक्रम तो कांवरियों के दर्द ही हर लेते हैं। भोले और मइया पार्वती का भजन सुनते ही वे झूम उठते हैं। और इस धार्मिक पर्यटन का लाभ व्यावसायिक रूप से दोनों प्रदेशों को मिलता है। इस एक महीने में अरबों का व्यापार होता है।

झारखंड के देवघर स्थित कामना लिंग को भगवान शंकर के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सर्वाधिक महिमामंडित माना जाता है। वैसे तो किसी भी पूजा के पूर्व संकल्प की पुरानी मान्यता है, लेकिन यहां दो बार संकल्प की अनोखी परंपरा है। वैद्यनाथ धाम के मुख्य पुजारी पंडित श्रीनाथ तिवारी बताते हैं कि संकल्प के बिना कोई भी पूजा पूर्ण नहीं होती। अन्य तीर्थस्थलों में एक बार संकल्प होता है, लेकिन वैद्यनाथ धाम की कांवर यात्रा में दो बार संकल्प की प्रथा है। पहला संकल्प सुल्तानगंज में उत्तर वाहिनी गंगा से कांवर में जल उठाने के समय होता है और दूसरा बाबा के दरबार में पहुंचकर शिवगंगा में स्नान करने के बाद दोनों पात्रों में लाए गए जल का संकल्प करवाना अनिवार्य है। श्रद्धालु संकल्प के बाद एक पात्र से यहां कामना लिंग पर जलाभिषेक करते हैं और दूसरे पात्र का जल बाबा बासुकीनाथ के दरबार में पहुंचकर चढ़ाया जाता है। बैद्यनाथ धाम , देवघर के पुजारी रुपेश बाबा कहते हैं, सुल्तानगंज में संकल्प यात्रा निर्विघ्न पूरी होने के लिए कराया जाता है और देवघर में कराया गया संकल्प मनोकामना और सुख-समृद्धि के लिए।

बाबा बैद्यनाथ धाम में स्थित शिवलिंग पर श्रृंगार पूजा में सजने वाला 'पुष्प नाग मुकुट' देवघर जेल में ही तैयार किया जाता है और इसे बनाते हैं वहां के कैदी। पूरी शुद्धता और स्वच्छता से जेल के अंदर इस मुकुट को तैयार करने के लिए एक विशेष कक्ष है, जिसे बाबा कक्ष कहते हैं। यहां पर एक शिवालय भी है। कैदी उपवास रखकर बाबा कक्ष में नाग मुकुट बनाते हैं और वहां स्थित शिवालय में रख पूजा-अर्चना करते हैं। शाम में यह मुकुट जेल से बाहर निकालता है और फिर जेल के बाहर बने शिवालय में मुकुट की पूजा होती है। इसके बाद कोई जेलकर्मी इस नाग मुकुट को कंधे पर उठाकर बोलबम-बोलबम का जाप करते हुए इसे बाबा के मंदिर तक पहुंचाता है। कामना लिंग के नाम से विश्व प्रसिद्ध बाबा वैद्यनाथ के सिर पर श्रृंगार पूजा के समय प्रतिदिन फूलों और बेलपत्र से तैयार किया हुआ नाग मुकुट पहनाया जाता है। बैद्यनाथ धाम , देवघर के पुजारी रुपेश बाबा बताते हैं कि यह सदियों पुरानी परंपरा है। कहा जाता है कि वर्षों पहले एक अंग्रेज जेलर था। उसके बेटे की अचानक तबीयत बहुत खराब हो गई। उसकी हालत बिगड़ती देख लोगों ने जेलर को बाबा के मंदिर में नाग मुकुट चढ़ाने की सलाह दी। जेलर ने लोगों के कहे अनुसार ऐसा ही किया और उनका पुत्र ठीक हो गया। तभी से यहां यह परंपरा बन गई और इस पुरानी परंपरा का निर्वहन आज भी कैदी बड़े उल्लास से करते हैं।

देवघर के कामना ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक करने वालों की पूजा बासुकीनाथ (नागेश) की पूजा बिना अधूरी मानी जाती है। यही कारण है कि वैद्यनाथ धाम आने वाले कांवरिये नागेश ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात बासुकीनाथ मंदिर में जलाभिषेक करना नहीं भूलते। मान्यता है कि बाबा वैद्यनाथ के दरबार में यदि दीवानी मुकदमों की सुनवाई होती है तो बासुकीनाथ में फौजदारी मुकदमों की। शिवभक्तों का विश्वास है कि बाबा वैद्यनाथ के दरबार की अपेक्षा बाबा नागेश के दरबार में सुनवाई जल्द पूरी हो जाती है। देवघर से करीब 45 किलोमीटर दूर बासुकीनाथ मंदिर झारखंड के दुमका जिले में स्थित है। कांवरिये सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा नदी से जिन दो पात्रों में जल लाते हैं, उनमें से एक का जल बाबा वैद्यनाथ को अर्पित करते हैं तथा दूसरे पात्र के जल से बाबा बासुकीनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

एक्सेल साइबर सुरक्षा शिखर सम्मेलन 30 को बेंगलुरु में

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक्सेल साइबर सुरक्षा शिखर सम्मेलन का दूसरा संस्करण 30 जुलाई 2025 को बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। इस बार शिखर सम्मेलन का मुख्य फोकस कृत्रिम मेधा (एआई) द्वारा संचालित खतरों से निपटने और भारत को वैश्विक साइबर सुरक्षा नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने पर होगा। इस आयोजन में प्रमुख मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी, साइबर सुरक्षा संस्थापक, क्लाउड आर्किटेक्ट, नीति निर्माता और निवेशक हिस्सा लेंगे। वे नवीनतम सुरक्षा तकनीकों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे, जो आज के डिजिटल युग में साइबर हमलों से बचाव के लिए जरूरी हैं। शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रारंभिक चरण के सुरक्षा उत्पादों को भी पेश किया जाएगा, जिससे स्टार्टअप्स और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। यह आयोजन अमेजन वेब सर्विसेज और गूगल क्लाउड के साथ साझेदारी में आयोजित किया जा रहा है, जो इसके तकनीकी स्तर और प्रभाव को और मजबूत बनाता है। एक्सेल के साझेदार ने बताया कि आज की साइबर सुरक्षा विश्वास, पैमाने और बुद्धिमत्ता का संगम है। जैसे-जैसे संगठन क्लाउड और एआई को अपना रहे हैं, साइबर हमलों का दायरा पारंपरिक सुरक्षा प्रणालियों की क्षमता से बढ़ रहा है, इसलिए नए और प्रभावी समाधानों की जरूरत है। शिखर सम्मेलन में एक्सेल साझेदार अरुण मैथ्यू, साइवेयर के सह-संस्थापक एवं मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी अक्षत जैन, सदरलैंड के उपाध्यक्ष अनुराणा सुलाजा और स्टील्थ (पूर्व-चेकमार्क्स) के संस्थापक जैक जोर्नस्ट्रेन सहित कई विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे।

मायावती ने कहा- मानसून सत्र में दोनों पक्ष जनहित से जुड़े मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दें

लखनऊ,(ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने लोकसभा के मानसून सत्र शुरु होने से पहले पक्ष और विपक्ष के नेताओं से अपील करते हुए कहा है कि सभी को मिलकर जनहित के मुद्दों पर चर्चा करना चाहिए। उन्होंने सरकार और विपक्ष से पार्टी हितों से ऊपर उठकर देशहित और जनहित के लिए एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि संसद का यह सत्र महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, आंतरिक और सीमा सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर ठोस नीतियां बनाने का अवसर होना चाहिए। बसपा प्रमुख ने चिंता जताई कि पिछले सत्रों की तरह इस बार भी संसद में सरकार और विपक्ष के बीच टकराव, हंगामा और आरोप-प्रत्यारोप हो सकते हैं, जिससे जनता के लिए अच्छे दिन की उम्मीद धूमिल हो सकती है। मायावती ने कहा कि देश की जनता महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, क्षेत्रीय और भाषाई विवादों, हिंसक टकराव और अपर्याप्त सुविधाओं से जूझ रही है। इन समस्याओं के समाधान के लिए संसद में सार्थक बहस और दीर्घकालिक नीतियां बनाना जरूरी है, ताकि देश विकास के रास्ते पर आगे बढ़े और सभी वर्गों का कल्याण हो। उन्होंने वैश्विक स्तर पर बदलते राजनीतिक और आर्थिक हालात का जिक्र करते हुए कहा कि लोकतंत्र और संप्रभुता के सामने नई चुनौतियां उभर रही हैं। इनका मुकाबला करने के लिए सरकार को विपक्ष और जनता को विश्वास में लेकर एकजुटता के साथ काम करना होगा। मायावती ने जोर दिया कि सरकार और विपक्ष को पार्टी हितों से ऊपर उठकर देशहित में एकता दिखानी चाहिए। पहलगाम नरसंहार और ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा की मांग करते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि देश और सीमाओं की सुरक्षा सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन विपक्ष को भी इस मामले में पार्टी हितों से ऊपर उठकर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश और जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है, और इसके लिए सरकार और विपक्ष दोनों को मिलकर काम करना होगा।

अमरनाथ यात्राः बाबा बर्फानी के दर्शनार्थ उमड़ी भक्तों की भीड़, अब तक करीब 3 लाख लोगों ने किए दर्शन

श्रीनगर(ईएमएस)। 3 जुलाई से शुरु हुई अमरनाथ यात्रा में भक्तों का सैलाब बढ़ता जा रहा है। पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था और सभी तरह की सुविधाएं मुहैया कराने की वजह से भक्तों को काफी अच्छी तरह से बाबा के दर्शन हो रहे हैं। अभी तक करीब 3 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए है।

बता दें कि श्री अमरनाथ जी यात्रा भक्तों के लिए सबसे पवित्र धार्मिक तीर्थयात्राओं में से एक है, क्योंकि किंवदंती है कि भगवान शिव ने इस गुफा के अंदर माता पार्वती को शाश्वत जीवन और अमरता के रहस्य बताए थे।
जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जो श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अध्यक्ष भी हैं, ने रविवार को बालटाल आधार शिविर का दौरा किया। उपराज्यपाल ने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा के लिए अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बालटाल में एक लंगर (सामुदायिक रसोई) में यात्रियों के साथ दोपहर का भोजन किया।
इस दौरान उपराज्यपाल ने यात्रियों से बातचीत भी की। उपराज्यपाल ने यात्रा के लिए की गई सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। अमरनाथ यात्रा को लेकर भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 18 दिनों में तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। 3 जुलाई से शुरू यात्रा 9 अगस्त को खत्म होगी। यात्रा में अभी 20 दिन बाकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि रविवार तक 3.07 लाख तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर लिए थे। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को भगवती नगर यात्री निवास से 3,791 यात्रियों का एक और जत्था कश्मीर घाटी के लिए दो काफिलों में रवाना हुआ। पहला काफिला 52 वाहनों के साथ 1,208 यात्रियों को लेकर सुबह 3:33 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए निकला।

महाराष्ट्र में हनी ट्रैप मामलाः वरिष्ठ सरकारी अधिकारी फंसे हनी ट्रैप में

नासिक, (ईएमएस)। महाराष्ट्र के नासिक में हनी ट्रैप का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। चर्चा है कि इस मामले में कुछ पूर्व और वर्तमान मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी फंसे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी को हनी ट्रैप में फँसाकर करोड़ों रुपये मांगे गए और उनसे 3 करोड़ से ज़्यादा की वसूली की गई। इस मामले में एक कांग्रेस नेता के होटल की जाँच की गई है और पुलिस गहन जाँच कर रही है। दरअसल नासिक में हनी ट्रैप मामला कई दिनों से चर्चा में है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी इस जाल में फँस गए थे। शुरुआत में उनसे 3 करोड़ रुपये मांगे गए थे। जब वह दे दिए तो फिर उनसे 10 करोड़ रूपये मांगे गए। इससे अधिकारी डर गया। अधिकारी द्वारा और पैसे देने से इनकार करने पर महिला ने पुलिस में शिकायत की। हालाँकि, अधिकारी ने कहा कि हम इसे सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लेंगे।

संसद का मानसून सत्र, पीएम बोले- ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहाः22 मिनट में आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया, दुनिया ने भारत की सैन्य ताकत देखी

नई दिल्लीः मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा। हमने 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया, दुनिया ने भारत का सैन्य सामर्थ्य देखा।' पीएम ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100% अचीव किया। हमने सिद्ध करके दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है।'

पीएम के स्पीच की 5 बड़ी बातें; कहा- भारत तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने जा रहा

आतंकी ठिकाने 22 मिनट में जमींदोजः 'ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100% अचीव किया। आतंकी आकाओं के घर जाकर 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत जमींदोज किया गया। हमने सिद्ध करके दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है। विश्व के जिन-जिन लोगों से मिलना होता है, उनमें मेड इन इंडिया के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। संसद एक सुर में विजय के भाव से प्रकट करेगी तो देशवासियों को प्रेरणा मिलेगी। साथ ही जो रिसर्च, इनोवेशन हो रही है, जो डिफेंस इक्विपमेंट बन रहे हैं, उन्हें मजबूती मिलेगी।'

नक्सलवाद-माओवादः 'देश कई प्रकार की हिंसक वारदातों का शिकार रहा है। चाहे आतंकवाद हो, नक्सलवाद हो। कोई शुरुआत में हुआ, कोई बाद में, आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है। इसे जड़ से उखाड़ने के संकल्प के साथ एक नए आत्मविश्वास, तेज गति से सफलता की ओर कदम रख रहे हैं। मैं गर्व से कह सकता हूं, देश में सैकड़ों जिले आज मुक्ति की सांस ले रहे हैं।' 'हमें गर्व है कि बम, बंदूक और पिस्तौल के सामने देश का संविधान विजयी हो रहा है। देश का उज्ज्वल भविष्य में दिख रहा है कि जो कल तक रेड कॉरिडोर थे, आज ग्रीन कॉरिडोर में बदल रहे हैं।'

एस्ट्रोनॉट शुभांशु को बधाईः एस्ट्रोनॉट शुभांशु को बधाई, उन्होंने पहली बार इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में तिरंगा लहराया। आईएसएस पर भारत का तिरंगा लहराना देशवासियों के लिए गौरव का पल है।

तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्थाः '2014 के पहले वैश्विक अर्थव्यवस्था में हम 10वें नंबर पर थे, आज तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने पर दस्तक दे रहे हैं। इन दिनों 25 करोड़ गरीबों का गरीबी से बाहर निकलने की सराहना हो रही है। एक जमाना था, जब महंगाई दर डबल डिजिट में होती थी, आज 2% के पास है, इससे सामान्य आदमी की जीवन में राहत है। लो इन्फ्लेशन के साथ हाई ग्रोथ अच्छी विकास यात्रा की दिशा है।'

मानसून सत्र गौरव का प्रतीकः 'ये मानसून सूत्र देश के लिए गौरव का रूप है। विजयोत्सव का रूप है। मैं जब कहता हूं कि सत्र राष्ट्रगौरव और विजयोत्सव का रूप है तो स्पेस स्टेशन पर तिरंगा फहराना गौरव का पल है। साइंस टेक्नोलॉजी के लिए नया उत्साह भरने वाली ये यात्रा रही है। लोकसभा-राज्यसभा दोनों सदन एक स्वर से जुड़ेंगी। एक सुर से यशगान होगा।'

मैं विपक्ष का नेता, लेकिन बोलने नहीं दिया जा रहा... राहुल गांधी ने केंद्र पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद का मानसून सत्र सोमवार को हंगामे के साथ शुरू हुआ। पहले ही दिन विपक्षी दलों ने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले पर चर्चा की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की, जिसके चलते लोकसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, कि मैं विपक्ष का नेता हूं लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लोकसभा स्थगित होने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, कि मैं विपक्ष का नेता हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा। सदन में सरकार के मंत्रियों को बोलने दिया जा रहा है, मगर विपक्ष के नेताओं को मौका नहीं दिया जाता। ये संसदीय परंपराओं के खिलाफ है। हम दो शब्द कहना चाहते थे, लेकिन सरकार हमें बोलने नहीं दे रही। राहुल गांधी ने इसे लोकतंत्र और संसदीय कार्यप्रणाली के लिए खतरनाक प्रवृत्ति बताया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की ओर से रक्षा मंत्री और अन्य मंत्री वक्तव्य दे सकते हैं, तो विपक्ष को भी अपनी बात रखने का समान अधिकार मिलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की ईडी को फटकारः सिद्धारमैया की पत्नी को समन भेजने पर कहा- राजनीतिक लड़ाई चुनाव तक ठीक

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को फटकार लगाते हुए कहा कि राजनीतिक लड़ाइयां चुनाव में लड़ी जानी चाहिए, जांच एजेंसियों के जरिए नहीं। ईडी का इस तरह इस्तेमाल क्यों हो रहा है? ये टिप्पणी सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के.विनोद चंद्रन की बेंच ने सोमवार को मैसूर अर्बन डेवलपमेंट बोर्ड केस में ईडी की अपील की सुनवाई के दौरान की। सीजेआई ने कहा कि हमारा मुंह मत खुलवाइए। नहीं तो हम ईडी के बारे में कठोर टिप्पणियां करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने कहा, मेरे पास महाराष्ट्र का कुछ अनुभव है। आप देशभर में इस हिंसा को मत फैलाइए। दरअसल, ईडी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को मडा केस में समन भेजा था। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मार्च में यह समन रद्द कर दिया था। ईडी ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने आखिर में ईडी की अपील खारिज कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले 1 साल में ईडी को 5 बार और फटकार लगाई

21 जुलाईः ईडी ने सीनियर वकीलों को कानूनी सलाह देने पर नोटिस भेजने पर कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया
टिप्पणी- इस बात से हैरान है कि ईडी ने सीनियर वकीलों अरविंद दातर और प्रताप वेणुगोपाल को समन भेजा, जबकि उन्होंने सिर्फ कानूनी सलाह दी थी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की बेंच ने पूछा –वकीलों और उनके क्लाइंट के बीच की बातचीत गोपनीय होती है। ऐसे में वकीलों को समन कैसे भेजा जा सकता है?

22 मईः तमिलनाडु शराब दुकान लाइसेंस मामले में तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन की याचिका
टिप्पणी- प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सारी हदें पार कर दी हैं। जब राज्य सरकार की जांच एजेंसी इस मामले में कार्रवाई कर रही है तो ईडी को हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है।

5 मईः छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में अरविंद सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई टिप्पणी- एजेंसी बिना किसी ठोस सबूत के सिर्फ आरोप लगा रही है। हमने ईडी की कई शिकायतें देखी हैं। यह एक पैटर्न बन गया है, केवल आरोप लगाइए, लेकिन किसी भी साक्ष्य का हवाला मत दीजिए।

12 फरवरीः छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में आरोपी अरुण पति त्रिपाठी की याचिका पर
टिप्पणी- ईडी की शिकायत पर संज्ञान लेने का आदेश हाईकोर्ट से रद्द हो चुका है, तो आरोपी को जेल में क्यों रहना चाहिए? पीएमLA की थ्योरी यह नहीं हो सकती कि व्यक्ति जेल में रहेगा ही। संज्ञान रद्द होने के बाद भी व्यक्ति जेल में है, इसे क्या कहा जाना चाहिए। हमने यह भी देखा कि आपने हमें खुद से यह सूचना भी नहीं दी।

4 अगस्त, 2024: सरला गुप्ता बनाम ईडी का मामले पर
टिप्पणीः एजेंसी आरोपी को जांच के दौरान जब्त किए दस्तावेजों नहीं दे रही है। क्या ऐसा होना आरोपी के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं है। ऐसे बहुत ही गंभीर मामले हैं, जिनमें जमानत दी जाती है, लेकिन आजकल मजिस्ट्रेट के केसों में लोगों को जमानत नहीं मिल रही।

मोहाली इंटेलिजेंस मुख्यालय पर हमला करने वाले 3 आतंकी घोषित होंगे भगौड़े

चंडीगढ़,(ईएमएस)। करीब तीन साल पहले मोहाली इंटेलिजेंस मुख्यालय पर हमले के मामले में तीन आरोपित आतंकियों हरविंदर सिंह रिंदा, लखवीर सिंह और दीपक को भगौड़ा करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। वहीं, इंटेलिजेंस मुख्यालय पर हुए हमले में आरोपित दिव्यांशु को पंजाब लाया जाएगा।
इस समय आरोपित तिहाड़ जेल में बंद है। जानकारी के मुताबिक दिव्यांशु पर दिल्ली में जो भी मामले चल रहे थे, उनमें जमानत मिल गई है। जिसके बाद उसे पंजाब की पटियाला जेल शिफ्ट करने के लिए मोहाली अदालत ने डिप्टी सुपरिटेंडेट केंद्रीय जेल नंबर पांच तिहाड़ नई दिल्ली को अर्जी दी है। दिव्यांशु के खिलाफ मोहाली और अमृतसर में मामले दर्ज है। दिव्यांशु को तिहाड़ से पंजाब लाने के बाद पटियाला जेल में रखा जाएगा। हमले के मामले में पांच आरोपितों निशान सिंह, चढ़त सिंह, विकास कुमार, बलजिंदर सिंह और गुरपिंदर सिंह पिंदा को अदालत में पेश नहीं किया जा रहा।
इस पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने सभी आरोपितों के लिए 19 अगस्त के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया है। वहीं, आरोपित निशान सिंह की ओर से दायर धारा 270 सीआरपीसी अधीन अर्जी पर सुनवाई भी 19 अगस्त को होगी। इस दिन अदालत दो अन्य अर्जियों पर भी सुनवाई करेगी। इन में से एक अर्जी चालान की कापी से संबंधित है और दूसरी सोहाना थाने के थाना प्रभारी की ओर से लगाई गई है। मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट में यह बात साफ हो गई है कि राकेट लांचर से वारदात को अंजाम दिया गया था। हमले में शामिल दिव्यांशु को बालिग बताया गया था। पहले यह कहा गया था कि दिव्यांशु नाबालिग है।लेकिन जांच के बाद यह साफ हो गया। इंटेलिजेंस मुख्यालय के हमले के बाद पंजाब पुलिस की ओर से लगातार सीमा पार से राज्य का माहौल खराब करने वाले आतंकी माड्यूल का भंडाफोड किया गया है।

महाकाल मंदिर के गर्भगृह में जबरन घुसा विधायक का बेटाः भाजपा के विधायक गोलू शुक्ला साथ थे

उज्जैनः उज्जैन के महाकाल मंदिर के गर्भगृह में इंदौर-1 के भाजपा विधायक गोलू शुक्ला का बेटा रुद्राक्ष जबरन घुस गया। इस दौरान मंदिर कर्मचारी आशीष दुबे ने उसे रोकने की कोशिश की, तो रुद्राक्ष ने उसे धमकाया। इस दौरान विधायक गोलू शुक्ला भी मौजूद थे। दोनों ने करीब 5 मिनट तक मंदिर में पूजा-अर्चना की। दरअसल, विधायक गोलू शुक्ला की कांवड़ यात्रा रविवार रात उज्जैन पहुंची थी। सोमवार तड़के करीब ढाई बजे भस्म आरती के पट खुलने के बाद गोलू शुक्ला अपने समर्थकों के साथ महाकाल मंदिर पहुंचे। बेटा रुद्राक्ष भी साथ था। मंदिर प्रशासन के अधिकारी ने बताया कि परमिशन सिर्फ गोलू शुक्ला को दी गई थी।

रुद्राक्ष शुक्ला

विधायक बोले- 5 लोगों की परमिशन थी

रुद्राक्ष के पिता और भाजपा विधायक गोलू शुक्ला ने कहा- हमारे पास परमिशन थी। बिना परमिशन हम कोई काम नहीं करते। मंदिर प्रशासक और कलेक्टर ने 5 लोगों का परमिट दिया था। दर्शन के दौरान कर्मचारी ने रोकने की कोशिश की, तो हल्की-फुल्की कहासुनी हुई।

लगभग 1 मिनट लाइव प्रसारण बंद रहा

महाकाल मंदिर में लाइव दर्शन का इंतजाम भी है। श्रद्धालु कभी भी भगवान महाकाल के दर्शन ऑनलाइन कर सकते हैं। सावन के दूसरे सोमवार को भस्म आरती से ठीक पहले ऑनलाइन दर्शन की यूट्यूब लिंक में करीब 1 मिनट ब्लैंक है।

डेढ़ किमी लंबी लाइन, 200 फीट दूर से दर्शन

महाकाल मंदिर में सावन के महीने में जहां आम श्रद्धालु करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी लाइन में लगने के बाद सिर्फ 200 फीट दूर से दर्शन कर पा रहे हैं, वहीं वीवीआईपी नियमों को ताक पर रखकर गर्भगृह में प्रवेश कर रहे हैं।

4 साल पहले भी नियम तोड़कर दर्शन किए थे

4 साल पहले भी ऐसा ही विवाद सामने आया था। गोलू शुक्ला के छोटे बेटे रुद्राक्ष ने महाकाल मंदिर के गर्भगृह में जाकर दर्शन किए। रुद्राक्ष ने यहां फोटो खिंचवाया और उसे फेसबुक पर अपलोड भी किया था। रुद्राक्ष अपने दोस्तों के साथ दर्शन करने पहुंचा था। महाकाल मंदिर के गर्भगृह में श्रद्धालुओं का प्रवेश प्रतिबंधित है। यहां केवल पुजारी ही जा सकते हैं। वीआईपी भी नंदी के नजदीक से ही दर्शन कर सकते हैं। प्रतिबंध भगवान महाकाल की प्रतिमा की सुरक्षा को देखते हुए लगाया गया था।

मंत्री के सामने 10 मिनट की गलती पर नप गए यूपी के 5 अफसर

मुरादाबाद(ईएमएस)। यहां एक सरकारी कार्यक्रम में मंत्री के सामने हुई गलती की सजा में पांच अफसरों को सस्पेंड होना पड़ा। दरअसल मुरादाबाद के सिविल लाइंस चौराहे पर नगर निगम द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और फव्वारे के लोकार्पण का भी कार्यक्रम था। इसके अलावा यूपी के बिजली मंत्री एके शर्मा का जनता से सीधा संवाद और ऊर्जा सुधार की योजनाओं को साझा करने था। इसी कार्यक्रम के दौरान बिजली आपूर्ति ठप हो गई। दस मिनट तक बिजली गुल रही। इसके बाद तो हड़कंप मच गया। कार्यक्रम के बाद बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया। कार्यक्रम समाप्त होते ही पीवीवीएनएल (पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड) की प्रबंध निदेशक ईशा दुहन ने पूरी घटना पर सख्ती से संज्ञान लेते हुए एक के बाद एक पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया। ऊर्जा सुधार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का सीधा संवाद कार्यक्रम भी रखा गया था। वे प्रदेश में बिजली सुधार, ट्रांसफॉर्मर क्षमता बढ़ाने, लाइन लॉस कम करने और उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर योजनाएं साझा करने आए थे। तभी उनके कार्यक्रम में ही बिजली गुल हो गई। घटना के बाद विभाग ने मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामलाः ओवैसी बोले- 18 साल की सजा उन बेगुनाहों को मिली, जिन्होंने अपराध किया ही नहीं

हैदराबाद,(ईएमएस)। मुंबई की लोकल ट्रेन में हुए सिलसिलेवार धमाकों (11 जुलाई 2006) के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में असफल रहा और पहले दिए गए फैसले में गंभीर त्रुटियाँ थीं। इस फैसले के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।
ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि 12 मुस्लिम पुरुष 18 साल तक उस अपराध के लिए जेल में रहे, जो उन्होंने किया ही नहीं था। उनका सुनहरा जीवन खत्म हो गया। 180 परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, कई घायल हुए– उनके लिए भी कोई न्याय नहीं हुआ। यह सिस्टम की भारी विफलता है। उन्होंने आगे पोस्ट में कहा, कि इस तरह के मामलों में पुलिस अक्सर पहले ही दोष मान लेती है और मीडिया ट्रायल के जरिए आरोपी को पहले ही दोषी बना दिया जाता है। ओवैसी ने कहा, मीडिया और पुलिस ने इन निर्दोषों को देशद्रोही बताकर पेश किया और उनकी ज़िंदगी बर्बाद कर दी।
सांसद ओवैसी ने ब्लास्ट मामले की जांच करने वाले तत्कालीन एटीएस अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही, उस वक्त महाराष्ट्र की सत्ता में रही राजनीतिक पार्टियों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने यातनाओं की शिकायतों को नजरअंदाज किया। इस केस में निर्दोष साबित हुए 12 लोगों की 18 वर्षों की यातना और बर्बाद हुआ जीवन एक बार फिर न्याय व्यवस्था, पुलिस जांच प्रणाली और मीडिया की जवाबदेही पर गहरे सवाल खड़े करता है। वहीं अब यह बहस फिर तेज हो गई है कि क्या सिर्फ बरी हो जाना न्याय है, या ऐसे मामलों में राज्य को जवाबदेह ठहराना जरूरी है।

शराबबंदी वाले गुजरात के रिसॉर्ट में शराब पार्टी पर रेडःनामी बिल्डर के रिसॉर्ट से 13 लड़के, 26 लड़कियां अरेस्ट; सभी नशे में थे

अहमदाबादः अहमदाबाद जिले के साणंद स्थित ग्लेड गोल्फ रिसॉर्ट में रविवार देर रात एक हाईप्रोफाइल शराब पार्टी पर पुलिस ने छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 13 लड़के और 26 लड़कियां को नशे की हालत में पकड़ा। देर रात ही सभी को मेडिकल के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद सुबह करीब 3 बजे सभी को साणंद थाने लाया गया। साणंद पुलिस ने पूरे मामले में केस दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में पता चला है कि यह हाई-प्रोफाइल शराब पार्टी शहर के नामी बिल्डर प्रतीक सांघी के बर्थडे पार्टी के मौके पर रखी गई थी।

50 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था

साणंद पुलिस ने बताया कि हमें रविवार रात को रेड रिसॉर्ट में हो रही एक शराब पार्टी के बारे में सूचना मिली थी। पुलिस ने जब रिसॉर्ट में छापा मारा तो वहां करीब 100 लोग मौजूद थे। इनमें से करीब 50 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था। रात में ही मेडिकल टेस्ट कराया गया तो इनमें से 13 युवक और 26 युवतियां नशे में पाए गए। नशे में पकड़े गए ये सभी लोग बिल्डर प्रतीक सांघी की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए थे।

पुलिस का अभियान देर रात तक जारी रहा

साणंद के डीएसपी नीलम गोस्वामी ने बताया कि देर रात को ही सभी लोगों को 4 पुलिस बसों और एक कार में मेडिकल परीक्षण के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया था। बड़ी संख्या में नशे में धुत लोगों के पकड़े जाने के चलते पुलिस का अभियान देर रात से सुबह तक जारी रहा। सूचना मिलते ही कई युवक-युवतियों के परिवार वाले भी थाने पहुंच गए थे।

5 सीलबंद शराब की बोतलें भी जब्त

डीएसपी नीलम गोस्वामी ने आगे बताया कि छापेमारी में साणंद थाना पुलिस, असलाली, चांगोदर, बोपल पुलिस की टीमें शामिल थीं। पार्टी वाली जगह से 5 सीलबंद शराब की बोतलें भी जब्त की गई हैं। मेडिकल टेस्ट के बाद आरोपियों के खिलाफ निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रतीक सांघी एक रियल एस्टेट और फ्रोजन फूड कंपनी भी चलाते हैं

डीएसपी नीलम गोस्वामी ने आगे कहा कि यह शराब पार्टी रियल एस्टेट से जुड़े कारोबारी प्रतीक सांघी ने ही रखी थी। उन्होंने ही अपने दोस्तों को इसके लिए इनवाइट किया था। पार्टी में प्रतीक सांघी की पत्नी भी नशे में धुत में पाई गईं हैं। प्रतीक सांघी रियल एस्टेट के कारोबार में हैं। वह हिंदुस्तान एग्रो एंड ट्यूबर फ़ूड नामक कंपनी में भी पार्टनर हैं। हिंदुस्तान एग्रो कंपनी में उनकी बराबर की हिस्सेदारी है। इसके अलावा प्रतीक सांघी ट्यूबर फ्रोजन फूड कंपनी में भी पार्टनर हैं। ट्यूबर फ़ूड नाम कंपनी अहमदाबाद के कलोल में स्थित है। यह कंपनी फ्रोजन फ़ूड बनाती है। गुजरात भारत का पहला राज्य है,जहां शराबबंदी की गई और अबतक जारी है। गुजरात में शराब का निर्माण, बिक्री और सेवन प्रतिबंधित है। गुजरात पहले बॉम्बे राज्य का हिस्सा था। 1 मई 1960 को बॉम्बे से अलग होकर गुजरात नया राज्य बनाया गया था। गुजरात में ही महात्मा गांधी का जन्म हुआ था, इसलिए राज्य के निर्माण के साथ ही शराबबंदी करने का निर्णय लिया गया। हालांकि शराबबंदी के बावजूद गुजरात में अवैध शराब की बिक्री की खबरें आती रहती हैं।

ट्रंप की धमकी का असरः यूक्रेन से शांति वार्ता करने को तैयार हुए पुतिन

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 50 दिन का अल्टीमेटम दिया था। रूस ने पहले बयान दिया कि उसे ट्रंप की धमकियों की परवाह नहीं, लेकिन अब वो दबाव में है। रूस ने रविवार को कहा है कि पुतिन यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं, लेकिन हम अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेंगे।

ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि रूस 50 दिनों के भीतर युद्धविराम पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिका और सख्त प्रतिबंध लगाएगा। क्रेमलिन ने कहा कि रूस अपने हितों की रक्षा करना जारी रखेगा और पश्चिमी दबाव में नहीं आएगा। क्रेमलिन प्रवक्ता ने आगे कहा कि दुनिया अब ट्रंप की कभी-कभार कठोर बयानबाजी की अभ्यस्त हो चुकी है, लेकिन यह भी सच है कि ट्रंप ने रूस को लेकर हालिया बयानों में शांति समझौते की संभावनाओं को खुला रखा है। क्रेमलिन ने कहा कि रूस बातचीत से इनकार नहीं कर रहा, लेकिन यूक्रेन और उसके पश्चिमी साझेदारों का आरोप है कि मॉस्को जानबूझकर शांति वार्ताओं में बाधा डाल रहा है। इस बीच, रूस ने यूक्रेनी शहरों पर लंबी दूरी से ड्रोन हमलों को तेज कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में एक रात में रूस ने जितने ड्रोन छोड़े, वह 2024 के कई महीनों के कुल हमलों से अधिक थे।

रूस ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध पर अपनी

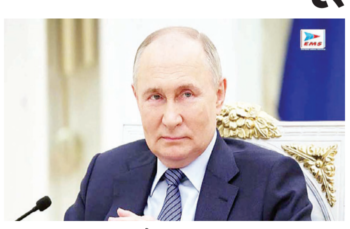

स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन रूस अपने रणनीतिक लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेगा। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रविवार को कहा, शांति संभव है, लेकिन हमारे लक्ष्य सर्वोपरि हैं। यह बयान ट्रंप द्वारा रूस को 50 दिनों की डेडलाइन दिए जाने के कुछ ही दिन बाद आया है।

यूक्रेन पर रूस का हमला फरवरी 2022 में शुरू हुआ था और तब से दोनों देशों के बीच जारी युद्ध में लाखों जानें जा चुकी हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को लगातार सैन्य मदद दिए जाने के बावजूद रूस ने कई इलाकों पर कब्जा बनाए रखा है। अब जब ट्रंप फिर से सख्ती के साथ सामने आए हैं और पुतिन शांति के संकेत दे रहे हैं, ऐसे में वैश्विक कूटनीति एक नए मोड़ पर है।

यूक्रेन का रुस पर हमला युद्ध को और लंबा और खतरनाक बना रहा

रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर नए और खतरनाक मोड़ पर है। यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर एक बड़ा ड्रोन हमला किया है, जिसने मॉस्को के प्रमुख हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच गई और करीब 140 से ज़्यादा फ्लाइट्स को डायवर्ट किया या फिर रद्द कर दिया गया। यह हमला शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण रूस की राजधानी के चार सबसे व्यस्त हवाई अड्डों शेरेमेत्येवो, वनुकोवो, डोमोडेडोवो और जुकोवस्की को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट में रूसी विमानन नियामक के मुताबिक सुरक्षा कारणों से 130 से ज्यादा उड़ानों को दूसरे रूट पर भेजा गया जबकि कुछ उड़ानें पूरी तरह रद्द करनी पड़ीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन के इन ड्रोन हमलों से हवाई अड्डों की सुरक्षा व्यवस्था में खामी उजागर हुई है। हालांकि, कुछ घंटों के भीतर स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया और उड़ानों का परिचालन दोबारा शुरू कर दिया गया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि यूक्रेन की ओर से कुल 230 ड्रोन दागे गए थे, जिनमें से 19 मॉस्को ओब्लास्ट क्षेत्र में थे। मंत्रालय ने दावा किया कि सभी ड्रोन को रूसी वायु सुरक्षा बलों ने मार गिराया और बड़े नुकसान को टाल दिया। हमले के बाद क्रेमलिन प्रवक्ता ने कहा कि यूक्रेन इस तरह के हमलों से युद्ध को और लंबा और खतरनाक बना रहा है। उन्होंने पश्चिमी देशों पर भी आरोप लगाया कि वे यूक्रेन को ऐसे हमलों के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस हमले पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि रूस और यूक्रेन के बीच यह हमला संघर्ष को और तेज कर सकता है। मॉस्को जैसे केंद्र पर हमला युद्ध को एक नई दिशा में मोड़ सकता है।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के जवाब में रुस ने कीव पर रातभर दागीं मिसाइलें

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध में कोई भी रात ऐसी नहीं जाती, जब कीव या मॉस्को दहशत के साए में नहीं रहते हों। रविवार-सोमवार की रात यूक्रेन की राजधानी कीव रातभर डर के साए में रही। रूस की ओर से यहां रात 2:16 बजे शुरू हुए हमले और सुबह 4 बजे तक जारी रहे। हमले के दौरान कीव के डार्नित्स्की, शेवचेंकिवस्की और ड्नीप्रोवस्की जिलों में रिहायशी इमारतों और एक बच्चों की डे-केयर में आग लग गई। ड्नीप्रोवस्की जिले में बाहर के कियोस्क जलते देखे गए, जबकि सोलोमियांस्की जिले में गिरे मलबे से घायल लोगों को एम्बुलेंस सेवा दी जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लुकियानिवस्का मेट्रो स्टेशन, जो बम शेल्टर के रूप में इस्तेमाल हो रहा था, धुएं से भर गया। कीव के मेयर और मिलिट्री प्रशासन प्रमुख ने कहा कि कई गैर-आवासीय भवनों और मेट्रो स्टेशन को नुकसान पहुंचा है, हालांकि अभी तक किसी की जान जाने की खबर नहीं है। वहीं राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस को अगले सप्ताह तुर्की में शांति वार्ता का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि कैदियों की अदला-बदली पर चर्चा जारी है। हालांकि इस बात से भी इनकार नहीं कर सकते हैं कि रूस ने हाल के हफ्तों में फ्रंटलाइन से दूर के शहरों पर हमले तेज कर दिए हैं।

बता दें इससे पहले शनिवार रात यूक्रेन की ओर से 150 ज्यादा हवाई हमले रूस पर किए गए थे। इनमें से 13 ड्रोन मॉस्को तक पहुंचने की कोशिश में थे, जिन्हें रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया। पिछले कुछ हफ्तों में यह अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया गया। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की ओर से इन हमलों में आवासीय क्षेत्रों और आम जनता की बुनियादी संरचनाओं को खास तौर पर निशाना बनाया जा रहा है। जेलेंस्की ने ऐलान किया है कि वह रूस के साथ अगले हफ्ते सीजफायर के लिए नेतृत्व-स्तर की बैठक करना चाहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुसतेम उमेरोव पहले ही रूस को बैठक का प्रस्ताव भेज चुके हैं। क्रेमलिन प्रवक्ता ने कहा है कि राष्ट्रपति पुतिन भी यूक्रेन में शांति चाहते हैं और मामले को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि ये लंबी प्रक्रिया है। हमारे लिए हमारा लक्ष्य जरूरी है और ये स्पष्ट भी है।

चेन पहने खड़े शख्स को एमआरआई मशीन ने खींचा, गंभीर रुप से घायल, इलाज के दौरान मौत

वाशिंगटन (ईएमएस)। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड स्थित एक मेडिकल सेंटर में एक डरावनी घटना घटी। इस घटना से मेडिकल प्रोटोकॉल पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। 61 साल के एक बुजुर्ग शख्स को एमआरआई मशीन ने इतनी जोर से खींच लिया कि वह बुरी तरह घायल हो गया। एक दिन बाद उसकी मौत हो गई। हादसा वेस्टबरी के ओल्ड कंट्री रोड पर स्थित नैसाउ ओपन एमआरआई सेंटर में हुआ।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एमआरआई मशीन जब एक स्कैन कर रही थी, तभी वह शख्स कमरे में दाखिल हुआ। गले में उसने धातु की मोटी चेन पहन रखी थी। मशीन में लगे बेहद ताकतवर चुंबक ने उसे अपनी तरफ खींच लिया और वह जोर से मशीन की और खिंच गया। पुलिस ने बताया कि इस टक्कर से उस व्यक्ति की हालत गंभीर हो गई और उसे पास के अस्पताल में फौरन भर्ती कराया गया। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया है कि वह व्यक्ति सेंटर में मरीज था या किसी और वजह से एमआरआई रूम में घुसा। हादसे के बाद सेंटर से 911 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया गया।

अब इस मामले की जांच की जा रही है कि ऐसा गंभीर हादसा कैसे हुआ और भविष्य में इससे बचने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर लोग काफी हैरान हैं। एक यूज़र ने लिखा, एमआरआई रूम का दरवाजा तो लॉक होना चाहिए जब मशीन ऑन हो।

जापान के पीएम शिगेरू इशिबा सदन में नहीं कर पाई बहुमत हासिल

- हार के बाद अल्पमत में आने के बाद इस्तीफा देने को तैयार नहीं

टोक्यो,(ईएमएस)। जापान के पीएम शिगेरू इशिबा की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार 248 सीटों वाले ऊपरी सदन में बहुमत हासिल नहीं कर पाई है। इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्ट और उसकी जूनियर पार्टनर कोमेटो को बहुमत हासिल करने के लिए 50 अतिरिक्त सीटों की जरूरत थी, जबकि उनके पास पहले से ही 75 सीटें थीं। गठबंधन ने केवल 47 सीटें ही हासिल की, जो बहुमत से कम है। हार के बाद शिगेरू इशिबा का कहना है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक दक्षिणपंथी पॉपुलिस्ट पार्टी ने इशिबा की हार हो माता दी है, जिसने उनके नेतृत्व के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। पिछले साल अक्टूबर में जापान के निचले सदन में बहुमत खोने के बाद, इशिबा के गठबंधन को ऊपरी सदन में भी हार का सामना करना पड़ा था। यह 1955 में एलडीपी की स्थापना के बाद पहली बार है, जब उनके पास दोनों सदनों का नियंत्रण नहीं है।

अल्पमत में आने के बावजूद इशिबा ने पद पर बने रहने और अमेरिकी टैरिफ दबाव जैसे मुद्दों को संबोधित करने का वादा किया। हालांकि अब उन्हें या तो इस्तीफा देने या नए गठबंधन साथी की तलाश करने के लिए आंतरिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। बता दें रविवार को मतदान खत्म होने के बाद परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए इशिबा ने कहा था कि उन्होंने इस मुश्किल नतीजे को स्वीकार किया है। हालांकि उन्होंने इस्तीफा देने के बारे में कुछ न कहते हुए अमेरिका के साथ टैरिफ वार्ता के बारे में बताना शुरू कर दिया। इसके साथ ही वे जापान के राष्ट्रीय हित सुरक्षित करने की बात कहते नजर आए हैं।

लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी कोमेटो ने रविवार को हुए चुनाव में 125 में से केवल 47 सीटें जीतीं, जो बहुमत के लिए जरुरी 50 सीटों से कम हैं। मतदाताओं ने बढ़ती कीमतों और अमेरिकी टैरिफ के खतरे पर नाराजगी जताई और दक्षिणपंथी पार्टियों की ओर रुख किया। दूर-दक्षिणपंथी सैंसेइतो पार्टी ने 14 सीटें जीतीं, जो पहले केवल एक सीट थी, जिससे उसे ऊपरी सदन में अहम उपस्थिति मिली। केंद्र-दक्षिणपंथी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 22 सीटें जीतीं वहीं केंद्र-वाम मुख्य विपक्षी संवैधानिक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 37 सीटें जीतीं।

इशिबा से पहले तीन एलडीपी प्रधानमंत्री ऊपरी सदन में बहुमत खोने के दो महीने के भीतर इस्तीफा दे चुके हैं। अगर इशिबा जाते हैं, तो यह स्पष्ट नहीं है कि अब कौन उनकी जगह लेगा, क्योंकि सरकार को कानून पारित करने के लिए दोनों सदनों में विपक्ष का समर्थन चाहिए। इशिबा अपनी ही पार्टी में कभी लोकप्रिय नहीं रहे, वहीं मतदाता भी एलडीपी के हाल के कुछ सालों में घोटालों की वजह से नाराज हैं।

नेतन्याहू पागल हैं वह किसी की नहीं सुनता बस मनमानी कर रहा

-सीरिया पर हमले से ट्रंप प्रशासन नाराज कहा- ट्रंप की रणनीति कर रहे चौपट

वाशिंगटन,(ईएमएस)। इजराइल के सीरिया में लगातार सैन्य हमलों से अमेरिका का ट्रंप प्रशासन नाराज और बेचैन है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने नेतन्याहू की सैन्य रणनीति को गैरजिम्मेदार और आक्रामक बताया है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि इजराइी पीएम नेतन्याहू पागलों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। वह हर चीज पर बम गिराते हैं। इससे ट्रंप की रणनीति चौपट हो रही है।

रिपोर्ट में छह अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि इजराइल की हालिया सैन्य कार्रवाइयों ने सीरिया संकट को और जटिल बना दिया है। ट्रंप ने भले ही सार्वजनिक रूप से नेतन्याहू की आलोचना नहीं की हो, लेकिन अंदर ही अंदर असहमति बढ़ती जा रही है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हर दिन कोई नया बवाल हो जाता है। व्हाइट हाउस इस 'डेली ड्रामे' से तंग आ चुका है। गाजा में एक चर्च पर इजराइली बमबारी के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद नेतन्याहू को फोन कर स्पष्टीकरण मांगा था। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नेतन्याहू की तुलना ऐसे बच्चे से की जो किसी की बात नहीं सुनता और अपनी मनमानी करता है। यह विवाद तब और गहरा गया जब इजराइल ने सीरिया के सुवैदा इलाके में बमबारी की। इजराइल का दावा है कि सीरियाई सेना डिमिलिट्राइज्ड जोन में घुस आई थी और उसने ड्रूज समुदाय पर हमला किया। सीरिया ने इस आरोप को खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि नेतन्याहू के इस

रवैये से अमेरिका और इजराइल के बीच रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है।

इजराइल सेना ने दी मध्य गाजा में निकासी की चेतावनियां

गाजा के लोगों को अलग शिफ्ट करने का प्रस्ताव लिए इजराइली पीएम अब इस इलाके को पूरी तरह खाली करना चाह रहा हैं इसलिए इजराइल की सेना ने रविवार को गाजा पट्टी के मध्य क्षेत्र में नई निकासी चेतावनियां जारी की। यह वही क्षेत्र है जहां अब तक जमीन पर इजराइली सेना की गतिविधियां बहुत कम रही हैं। इस आदेश के बाद दीर अल-बलाह शहर और गाजा के दक्षिणी हिस्से –रफ़ा और खान यूनुस के बीच संपर्क कट सकता है। यह चेतावनी ऐसे समय में दी गई है जब कतर में इजराइल और हमास के बीच सीजफायर की वार्ता चल रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों का कहना है कि अब तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कई बार कहा है कि गाजा में सैन्य दबाव बढ़ाने से हमास पर समझौते के लिए दबाव बनेगा। ये उसी ढर्रे का एक हिस्सा लग रहा है, जिस क्षेत्र में निकासी का आदेश दिया गया है, वहीं कई अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठन भी काम कर रहे हैं। इन संगठनों ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजराइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि सेना इस क्षेत्र में तेज और गंभीर हमले करने वाली है। उन्होंने स्थानीय लोगों, खासतौर पर टेंटों में रह रहे लोगों से कहा कि वे गाजा के दक्षिणी तट पर स्थित मुवासी इलाके की ओर चले जाएं, जिसे इजराइल ने मानवीय क्षेत्र घोषित किया है।

विमानन समझौते के उल्लंघन पर अमेरिका ने मेक्सिको की उड़ानों पर लगाया बैन

अमेरिका ने मेक्सिको पर द्विपक्षीय विमानन समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसकी उड़ानों पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि मेक्सिको 2022 से अमेरिका-मेक्सिको एयर ट्रांसपोर्ट एग्रीमेंट का पालन नहीं कर रहा है। विभाग के मुताबिक मेक्सिको सरकार ने अचानक स्लॉट रद्द कर दिए और अमेरिकी मालवाहक विमानों को राजधानी के मुख्य हवाई अड्डे से हटाकर नए हवाई अड्डे पर ले जाने के लिए मजबूर किया। मेक्सिको के तत्कालीन राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रादोर ने इसे 2026 फीफा वर्ल्ड कप की तैयारियों के मद्देनजर जरूरी बताया था। अमेरिकी परिवहन सचिव ने तीन 'अमेरिका फर्स्ट' उपायों की घोषणा की। इसके तहत कहा गया कि सभी मेक्सिकन एयरलाइनों को अमेरिका में अपनी उड़ानों का शेड्यूल परिवहन विभाग को देना होगा। कोई भी बड़ा यात्री या मालवाहक चार्टर विमान अमेरिका से आने-जाने से पहले विभाग की अनुमति लेनी होगी। साथ ही डेल्टा एयरलाइंस और एरोमैक्सिको की साझेदारी से एंटीट्रस्ट छूट वापस ली जा सकती है। डेल्टा और एरोमैक्सिको ने 2016 में साझेदारी की थी और वे इस फैसले का विरोध कर रहे हैं।

गाजा में फिलिस्तीन लोग एक चैरिटी किचन से खाना लेते हुए।

तीन लोगों के डीएनए से पैदा हुआ बच्चा....ब्रिटेन में उठने लगे सवाल

लंदन,(ईएमएस)। मानव सभ्यता को आगे बढ़ाने और बेहतर बनाने के लिए मेडीकल जगत में रोज नए प्रयोग होते रहते हैं। इसी कड़ी में ब्रिटेन ने भी आज से दस साल पहले माइटोकॉन्ड्रियल दान को वैध किया था। इस नियम के बनने के सालों बाद इसके नतीजे सामने आए हैं। इस उच्च स्तरीय तकनीक के जरिए मानवीय डीएनए में आई खराबी को आगे बढ़ने से रोकना सबसे बड़ी चुनौती थी। अब डॉक्टरों ने शोध के नतीजे प्रकाशित किए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस तीन माता-पिता वाले शिशु की तकनीक से अभी तक आठ बच्चे पैदा किए जा चुके हैं, खुशी की बात यह है कि यह आठों ही अभी स्वस्थ हैं।

दो शोध पत्रों के मुताबिक सरकार से अनुमति मिलने के बाद इसका प्रयोग 22 महिलाओं के डीएनए के लिए किया गया। यह वह महिलाएं थी जिनका जीन परेशानी खड़ा करने वाला था। यानी इनके जीन को लेकर अगर बच्चा पैदा होता, तब वह गंभीर अनुवांशिक विकार यार जन्मजात विकलांगता के साथ पैदा होता। इन महिलाओं के जीन में लेह सिंड्रोम भी उपस्थित था। इस तकनीक में तीन लोगों के डीएनए का उपयोग करके एक भ्रूण का निर्माण हुआ है। इसमें होने वाले माता पिता के न्यूक्लियर डीएनए को लिया गया और डोनर एक से स्वस्थ माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए को लिया गया।

बता दें कि एक बच्चे के माइटोकॉन्ड्रिया के निर्माण के लिए उसकी माता ही जिम्मेदार होती है। इसके बाद अगर माता किसी बीमारी से ग्रसित है, तब बच्चा भी उसी परेशानी के साथ पैदा हो सकता है। ऐसी स्थिति में यहां पर किसी दूसरी महिला के अंड़े से माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए लिया गया। इसके बाद इन तीनों को निषेचित करके भ्रूण का निर्माण किया गया।

2015 में जब ब्रिटेन की संसद से माइटोकॉन्ड्रियल दान के बारे में बहस की जा रही थी। तब इसकी प्रक्रिया और प्रभावशीलता के बारे में कई सवाल उठे थे। हालांकि बाद में संसद से मंजूरी मिल गई थी। हालांकि अब जबकि रिपोर्ट सामने आ गई है, तब इसके बाद भी ब्रिटिश मीडिया में सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर यह तकनीक सफल हो गई थी तो अभी तक इसके बारे में सार्वजनिक रूप से क्यों नहीं बताया गया, जबकि इसमें बहुत बड़ा वित्तीय निवेश किया गया था।

ब्रिटिश सेना में बनेगा सिख रेजीमेंट, इस मुद्दे पर लंदन में शुरु हुई बहस

लंदन(ईएमएस)। ब्रिटेन की मीडिया में सुर्खियां बन गईं कि रक्षा मंत्री सिख रेजीमेंट के प्रस्ताव के लिए 'तैयार' हैं। हालांकि, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने साफ किया कि ऐसी कोई योजना नहीं है। हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लेबर पार्टी के सदस्य लॉर्ड साहोता ने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में सिख सैनिकों के बेहतरीन योगदान की याद दिलाई और रक्षा मंत्री लॉर्ड कोकर से सवाल किया कि क्या ब्रिटिश आर्मी में सिख रेजीमेंट की स्थापना की दिशा में कोई प्रगति हुई है। वहीं लॉर्ड कोकर ने इस पर विचार करने की बात कही और कहा कि वे इस विषय पर और चर्चा को तैयार हैं।

सिख रेजीमेंट की स्थापना में लॉर्ड डलहौजी, लॉर्ड हर्डिंग और जनरल चार्ल्स गोर ओयूजले जैसे वरिष्ठ ब्रिटिश सैन्य अधिकारियों की बड़ी भूमिका थी, जिन्होंने महसूस किया कि सिख सैनिक युद्ध में बेहद साहसी और निष्ठावान होते हैं। इसकी 15वीं पंजाब रेजीमेंट में लॉर्ड सहोता के दादाजी भी शामिल थे।इतिहास में झांकें तो सिख रेजीमेंट की जड़ें ब्रिटिश इंडियन आर्मी में हैं। सिखों की बहादुरी, अनुशासन और युद्ध कौशल को देखकर ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1846 के बाद उनके सैन्य कौशल को औपचारिक रूप से शामिल किया। सिख रेजीमेंट की स्थापना 1846 में हुई, जब सिख साम्राज्य के पतन के बाद बड़ी संख्या में सिख सैनिक ब्रिटिश सेना में भर्ती हुए। 1857 के विद्रोह के दौरान भी सिख सैनिकों ने ब्रिटिश राज के समर्थन में भूमिका निभाई, जिससे उनकी वफादारी और बहादुरी को और मान्यता मिली।

सूत्रों के अनुसार, सिख रेजीमेंट की स्थापना ब्रिटेन के समानता कानून का उल्लंघन कर सकती है, क्योंकि यह नस्ल या धर्म के आधार पर विशेष रेजीमेंट बनाना माना जाएगा। मंत्रालय ने स्वीकार किया कि वे सिखों के योगदान को सम्मान देने के अन्य तरीके खोज सकते हैं, लेकिन सिख रेजीमेंट की दिशा में कदम उठाना फिलहाल संभव नहीं है। लॉर्ड साहोता के दादा ब्रिटिश इंडियन आर्मी की 15वीं पंजाब रेजीमेंट में सेवा दे चुके है। वह रक्षा मंत्रालयी की इस तर्क से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि अगर ब्रिटिश सेना में स्कॉटिश, वेल्श या यॉर्कशायर जैसी क्षेत्रीय रेजीमेंट हो सकती हैं, तो सिख रेजीमेंट भी हो सकती है। उनके अनुसार यह रेजीमेंट केवल सिखों के लिए नहीं होगी, जैसे स्कॉटिश रेजीमेंट में सभी स्कॉटिश नहीं होते... उन्होंने कहा कि यह सिख विरासत और मूल्यों को प्रदर्शित करने वाली इकाई हो सकती है, जिसमें अन्य धर्मों के लोग भी सेवा दे सकते हैं।

भारत-बांग्लादेश के लिए मुसीबत, ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने लगा दुनिया का सबसे बड़ा बांध

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बांध का निर्माण औपचारिक रूप से शुरू कर दिया। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने न्यिंगची शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले क्षेत्र, जिसे स्थानीय रूप से यारलुंग जांगबो के नाम से जाना जाता है, में आयोजित समारोह में बांध के निर्माण कार्य के शुरू होने की घोषणा की। खबर के अनुसार यह समारोह तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के न्यिंगची मेनलिंग जलविद्युत स्टेशन के बांध स्थल पर आयोजित हुआ। दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना मानी जाने वाली इस जलविद्युत परियोजना ने भारत और बांग्लादेश में चिंता पैदा कर दी है।इस परियोजना में पांच जलविद्युत स्टेशन शामिल होंगे। वर्ष 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, जल विद्युत स्टेशन से प्रत्येक वर्ष 300 अरब किलोवाट घंटे से अधिक बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग और चीन के विद्युत निर्माण निगम समेत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने समारोह में हिस्सा लिया।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कुछ दिनों पहले ही कहा था कि राज्य की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक 'वॉटर बम' होगा और यह सैन्य खतरे के अलावा, किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। खांडू ने इंटरव्यू में कहा था कि यारलुंग सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए मजबूर कर सकती थी। ब्रह्मपुत्र नदी को तिब्बत में यारलुंग सांगपो नाम से जाना जाता है। खांडू ने कहा था, मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे कब क्या करेंगे। उन्होंने कहा, चीन से सैन्य खतरे के अलावा, मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। यह हमारी जनजातियों और हमारी आजीविका के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा करने वाला है। यह काफी गंभीर मुद्दा है क्योंकि चीन इसका इस्तेमाल एक तरह के 'वॉटर बम' के रूप में भी कर सकता है।

फरारी बेची, कंपनी छोड़ी... जापानी शख्स ने कुत्तों के लिए खोला शेल्टर

टोक्यो,(ईएमएस)। जापान के 54 वर्षीय हिरोटाका सैतो ने अपने जीवन का एक बड़ा फैसला लेते हुए अपनी कंपनी और महंगी फरारी कार बेच दी, लेकिन यह फैसला उन्होंने किसी मुनाफे के लिए नहीं, बल्कि बेजुबान कुत्तों की भलाई के लिए लिया।

जानकारी अनुसार सैतो ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि करीब 12 साल पहले उनका पालतू कुत्ता, जो करीब 70 किलो का था, ने एक बेहद मुश्किल वक्त में उन्हें आत्महत्या करने से रोक दिया था। उस क्षण ने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी। तभी उन्होंने मन बना लिया कि वे अब अपना सारा जीवन और कमाई पशु कल्याण को समर्पित करेंगे। आज सैतो का 'वान्सफ्री कैनाइन रेस्क्यू सेंटर' उन कुत्तों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन चुका है, जिन्हें किसी न किसी रूप में इंसानी दुर्व्यवहार और उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है। खास बात यह है कि यहां ऐसे कुत्तों को मुफ्त में रखा जाता है, जिन्हें आमतौर पर अन्य शेल्टर स्वीकार नहीं करते। इस संबंध में खुद सैतो ने एक बातचीत के दौरान बताया, कि कई बार मुझे कुत्तों ने काटा भी है, लेकिन अब मैं पहले से कहीं ज्यादा खुश और संतुष्ट हूं। मेरा मकसद इन बेजुबानों को सिर्फ प्यार और सम्मान देना है। वर्तमान में उनके शेल्टर में 40 कुत्ते और 8 बिल्लियां रह रही हैं। सैतो की योजना है कि वह 2028 तक इस संख्या को 300 कुत्तों तक बढ़ाएं। उनकी यह प्रेरणादायक कहानी बताती है कि दुनिया को बदलने के लिए कभी-कभी एक जानवर की वफादारी ही काफी होती है।

दिल की बीमारियों की पहचान कर सकता है इकोनेक्स्ट

न्यूयार्क (ईएमएस)। दिल की बीमारी से परेशान मरीजों के लिए वैज्ञानिकों ने एक बडी खुशखबरी दी है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल विकसित किया है, जो बेहद कम लागत वाले ईसीजी डेटा के आधार पर दिल की गंभीर और छिपी हुई बीमारियों की पहचान कर सकता है। इस टूल का नाम 'इकोनेक्स्ट' रखा गया है और यह कार्डियोलॉजिस्ट यानी हृदय रोग विशेषज्ञों से भी ज्यादा सटीक तरीके से बीमारी पकड़ने की क्षमता रखता है। दुनियाभर में लाखों लोग दिल की बीमारियों से ग्रस्त होते हैं, लेकिन उनमें से अधिकतर को समय रहते बीमारी का पता नहीं चल पाता, क्योंकि जांच महंगी होती है या जरूरी तकनीक उपलब्ध नहीं होती। इसी चुनौती को देखते हुए कोलंबिया यूनिवर्सिटी की एक टीम ने यह खास टूल तैयार किया है। यह टूल एक आम ईसीजी से ही यह तय कर सकता है कि मरीज को अल्ट्रासाउंड यानी इकोकार्डियोग्राफी की जरूरत है या नहीं।

इससे उन मरीजों को फायदा मिलेगा, जिन्हें समय पर जांच नहीं मिल पाती। एक अध्ययन के मुताबिक, इकोनेक्स्ट उन बीमारियों की पहचान कर सकता है जिन्हें डॉक्टर सामान्य ईसीजी रिपोर्ट देखकर नहीं पकड़ पाते। शोध में इस टूल को करीब 2.3 लाख मरीजों के 12 लाख से ज्यादा ईसीजी और इकोकार्डियोग्राम डेटा के साथ जांचा गया। परिणामों में पाया गया कि इकोनेक्स्ट दिल की बनावट से जुड़ी कई बीमारियों जैसे हार्ट फेल्योर, वॉल्व की खराबी और फेफड़ों में ब्लड प्रेशर की समस्या को सफलतापूर्वक पकड़ सकता है। खास बात यह रही कि 3,200 ईसीजी रिपोर्ट्स की तुलना में इकोनेक्स्ट ने 77 प्रतिशत मामलों में बीमारियों की सटीक पहचान की, जो 13 अनुभवी कार्डियोलॉजिस्ट से भी बेहतर रही। शोधकर्ता प्रोफेसर पियरे एलियास का कहना है कि जैसे कोलोनोस्कोपी और मैमोग्राम कुछ बीमारियों की स्क्रीनिंग के लिए स्टैंडर्ड बन चुके हैं, वैसे ही यह टूल हार्ट डिजीज की जांच में क्रांति ला सकता है। भारत जैसे देशों में जहां महंगे मेडिकल टेस्ट हर किसी की पहुंच में नहीं हैं, ऐसे एआई टूल से दिल की बीमारियों की समय रहते जांच संभव हो सकती है।

हॉय! गलती से मैंने तुम्हारा फूड पैकेट उठा लिया, अगला मेरी तरफ से!

न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। आज के डिजिटल डेटिंग दौर में जब टिंडर, बंबल जैसे ऐप्स से लोग ऊबने लगे हैं, तब अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर की कुछ युवतियां ने बॉयफ्रेंड खोजने का अजीबो गरीब तरीका खोजा है। ये युवतियां अब रेस्टोरेंट्स से सलाद या लंच पैकेट गलती से चुराकर अपने डेटिंग पार्टनर से जुड़ने की कोशिश कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये युवतियां ऑफिस एरिया के रेस्टोरेंट्स में लंच टाइम में जाकर वहां रखे टेकअवे फूड पैकेट्स में से किसी अजनबी युवक का ऑर्डर ले लेती हैं। पैकेट पर नाम लिखा होता है– जैसे एलेक्स या जॉर्डन जिससे ये युवतियां लिंक्डइन या सोशल मीडिया पर उस शख्स को ढूंढ़ लेती हैं। फिर कहती हैं हॉय! लगता है मैंने गलती से तुम्हारा फूड पैकेट उठा लिया है। अगला मेरी तरफ से!इस बहाने उनकी बातचीत की शुरु हो जाती है और कई बार यह डेटिंग में तब्दील हो जाती है।

यह ट्रेंड न केवल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना है, बल्कि कई लोग इसे क्रिएटिव डेटिंग हैक भी कह रहे हैं, तो कुछ इसे प्राइवेसी का उल्लंघन और अनुचित व्यवहार मान रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह चलन दर्शाता है कि आज के युवा परंपरागत डेटिंग ऐप्स से कितने ऊब चुके हैं और अब इन-परसन कनेक्शन या दिलचस्प बहानों के जरिए जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह तरीका मजाकिया जरूर लग सकता है, पर इससे जुड़े कानूनी और नैतिक पहलुओं पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। इस अनोखे ट्रेंड ने लोगों को याद दिला दिया है कि प्यार पाने के लिए इंसानी रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती चाहे वह सलाद चुराना ही क्यों न हो।

मैनचेस्ट युनाइटेड के खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलते दिखे भारतीय क्रिकेटर

लंदन (ईएमएस)। कप्तान शुभमन गिल सहित कई अन्य भारतीय क्रिकेटर मैनचेस्टर में 23 जुलाई बुधवार से शुरु होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले फुटबॉल खेलते नजर आये। इस मैच से पहले भारतीय खिलाड़ियों की मुलाकात मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों से हुई। ऐसे में कई भारतीय खिलाड़ी क्लब की जर्सी पहनकर खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलने लगे। वहीं इस दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज एक फुटबॉलर को गेंदबाजी करते दिखे। भारतीय क्रिके बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के फुटबॉल की जर्सी पहने की तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया पर जारी की है। इसमें टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी रेड डेविल्स के साथ फुटबॉल खेलते दिख रहे हैं। वहीं सिराज पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड कप्तान और स्टार डिफेंडर हैरी मैगुइरे को गेंदबाजी करते दिखे। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी प्री-सीजन के लिए आये थे और इसी दौरान उनकी मुलाकात भारतीय क्रिकेटरों से हुई। कई तस्वीरों में शुभमन को फुटबॉलर ब्रूनो फर्नांडीस के साथ, सिराज को अमद डायलो के साथ, जसप्रीत बुमराह को मेसन माउंट और हैरी मैग्वायर के साथ बातचीत करते हुए देखा गया जबकि गंभीर रेड डेविल्स के मैनेजर रूबेन अमोरिम के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए दिखे। भारतीय

टीम अभी इस सीरीज में 1-2 से पीछे है और उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार से चौथा टेस्ट जीतना है।

मैनचैस्टर में अपने 9000 रन पूरे कर सकते हैं राहुल

भारतीय टीम के बल्लेबाज के एल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। राहुल इस मैच में अपने 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर सकते हैं। उन्हें इसके लिए केवल 60 रनों की जरुरत है। अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में राहुल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी शानदार तकनीक और बल्लेबाजी के बाद भी वह टेस्ट क्रिकेट में अधिक सफल नहीं रहे हैं। उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है।
उनके प्रदर्शन में हालांकि निरंतरता की कमी की बात की जाती रही है। इससे उनका बल्लेबाजी औसत भी उतना आगे नहीं आया जितना कि आना चाहिये। राहुल ने भी अपने बल्लेबाजी औसत को देखकर उन्हें निराशा होती है। । टेस्ट की जगह वह एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 में वह चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। इस सीरीज में अबतक इस बल्लेबाज ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है।अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बाद भी वह एशिया के बाहर वह काफी सफल रहे हैं, उनके दस में से नौ टेस्ट शतक विदेशी धरती पर हैं। सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ लगाये हैं। अब दो मैच शेष रहते हुए उनके पास इस सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर है।

जिम में चोटिल हुए नितीश सीरीज से ही बाहर हुए

भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी के चोटिल होने के बाद सीरीज से ही बाहर होने पर सवाल उठे हैं। नितीश ने इस सीरीज में दूसरा और तीसरा मैच खेला था। वह रविवार को जिम में अभ्यास करते हुए चोटिल हो गए थे और इस कारण पूरी सीरीज से ही बाहर हो गये हैं। ऐसे में अब वह स्वदेश लौट रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी को लेकर कहा, 'नितीश बाएं घुटने की चोट के कारण बचे हुए दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। ऐसे में अब वह स्वदेश में फिटनेस हासिल करेंगे। टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है।' नितीश के बाहर होने से भारतीय टीम को एक और झटका लगा है क्योंकि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी चोटिल होने के कारण पहले ही सीरीज से बाहर हो गये थे। अर्शदीप को पिछले सप्ताह बेकेनहैम में अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स पर गेंदबाजी करते समय बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। उन्होंने सीरीज में अब तक कोई मैच नहीं खेला है। बीसीसीआई की ओर से एक बयान में कहा गया है कि मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है। वहीं हरियाणा के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है और वह मैनचेस्टर में टीम से जुड़ गये हैं।

अगले माह होने वाले एशिया कप से पहले सुधार करें हॉकी टीम : श्रीजेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगस्त में होने वाले एशिया कप के लिए टीम को काफी सुधार करना होगा। श्रीजेश के अनुसार एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और इससे टीम की आंखे खुल जानी चाहिये। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए, हमने मैदान पर कड़ी टक्कर दी पर अवसरों का लाभ नहीं उठाने से परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा। यह परिणाम हमें एशिया कप और अगले साल होने वाले विश्वकप और एशियाई खेलों जैसे अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले सुधार की जरूरत पर बल देने के संकेत दे रहा है। भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में लगातार सात हार के बाद अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। एशिया कप 2025 बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। हॉकी विश्वकप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 14 से 30 अगस्त तक खेला जायेगा। वहीं एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर, 2026 तक खेले जाएंगे। पुरुष राष्ट्रीय अंडर-21 टीम के मुख्य कोच ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका मुख्य काम यह तय करना है कि खिलाड़ी दबाव का सामना करना सीखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, 'एक कोच के रूप में मेरा काम खिलाड़ियों पर से दबाव कम करना है। मैं उन्हें बताता हूँ कि जूनियर विश्वकप के दौरान लगभग 10 हजार दर्शक मैदान में रहेंगे जिनकी उम्मीदें आप पर रहेंगी और इससे स्वीकार करना होगा। एक कोच होने के कारण मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ अपने खेल के अनुभव को साझा करना सबसे महत्वपूर्ण है।

सचिन के साथ अपना नाम देखकर सम्मानित अनुभव कर रहा : एंडरसन

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के साथ ट्रॉफी पर अपना नाम देखकर उन्हें एक अलग ही अहसास हो रहा है। इससे वह सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के सार्वकालिक महानतम क्रिकेटरों में से एक के साथ अपना नाम देखकर उन्हें गर्व का अनुभव भी हो रहा है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस सीरीज के शुरु होने से पहले इसका नाम पटौदी सीरीज से बदलकर एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी रख दिया था हालांकि इस पर कुछ क्रिकेटरों ने आपत्ति भी जतायी थी और कहा था कि नाम बदलना सही नहीं है। इसके अलावा से भी कहा गया था इसमें सचिन का नाम पहले रखा जाना चाहिये थे पर ईसीबी ने एंडरसन का नाम पहले कर दिया।
पटौदी ट्रॉफी भारत के पूर्व क्रिकेटर इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर थी। एंडरसन ने कहा, 'यह जरूरी नहीं कि आपके नाम पर ट्रॉफी का होना कितना बड़ा है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आपके नाम के साथ सचिन तेंदुलकर का नाम जुड़ाहै, जो मेरे लिए अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ट्रॉफी पर अपने

साथ उनका नाम देखता हूं तो मुझे अजीब सा लगता है क्योंकि मैं उनका काफी सम्मान करता हूं। मैने बचपन से उन्हें देखा है और उनके खिलाफ खेला है। वह इतने महान क्रिकेटर रहे हैं जिन्होंने अपनी टीम और पूरे देश की उम्मीदों का बोझ अपने पूरे कैरियर में उठाया है। उनके साथ इस तरह से ट्रॉफी साझा करना बहुत बड़ी बात है। गौरतब है कि अपने करियर में तेंदुलकर ने 200 जबकि एंडरसन ने 188 टेस्ट खेले हैं। पिछले साल क्रिकेट को अलविदा कहने वाले एंडरसन ने 704 विकेट लिए हैं। वहीं दो दशक के करियर में सचिन के नाम 51 टेस्ट शतक और 15000 से अधिक रन है।

जर्मनी में बैडमिंट मिश्रित टीम फाइनल में भाग लेती हुई दक्षिण कोरिया की ली सोयूल।

श्रीसंत की मासूम बेटी की बातों से टूट गया था हरभजन का दिल, थप्पड़ मारने को लेकर अब भी हैं दुखी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह साल 2008 में हुए आईपीएल में साथी क्रिकेटर एस श्रीसंत को थप्पड़ मारने के मामले को लेकर अब भी दुखी हैं। हरभजन ने कहा कि ये एक ऐसी चीज है जिसे वह अपनी जिंदगी से हटाना चाहते हैं, क्योंकि श्रीसंत से कई बार माफी मांगने और बेटी से भी माफी मांगने के बाद भी इसे ठीक नहीं किया जा सकता। साथ ही कहा कि इस घटना के कारण उनकी बेटी श्रीसांविका ने तक उनसे बात नहीं की जिससे भी उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ। हरभजन ने एक शो में कहा, "मेरी जिंदगी में एक चीज जिसे मैं बदलना चाहूंगा, वह श्रीसंत के साथ वाली वह घटना है। मैं उसे अपने करियर से हटाना चाहता हूं। जो हुआ वह गलत था और मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। मैंने 200 बार माफी मांगी। हां, उस खेल में हम प्रतिद्वंद्वी थे पर मुझे ऐसा नहीं करना चाहिये था।" हरभजन ने यह भी याद किया कि जब उन्होंने श्रीसंत की बेटी श्रीसांविका के बारे में सुना तो वह 'टूट गए' थे। साथ ही कहा कि कई सालों बाद भी मुझे जो सबसे ज्यादा चोट पहुंची, वह तब थी जब मैं उनकी बेटी से मिला और उससे बहुत प्यार से बात कर रहा था तो उसने कहा, 'मैं आपसे बात नहीं करना चाहती। आपने मेरे पापा को मारा।' तब मेरा दिल टूट गया और मैं आंसुओं के कगार पर था। मुझे लगा कि एक बच्चे के मन में मेरी किस प्रकार की धवि बनी है। मैं खुद से पूछ रहा था कि मैंने उस पर क्या छाप छोड़ी है? वह मुझे एक बुरे व्यक्ति के रूप में सोच रही होगी, है ना? वह मुझे उस व्यक्ति के रूप में देखती है जिसने उसके पापा को मारा। भज्जी ने आगे कहा, मुझे बहुत बुरा लगा। मैं अभी भी उसकी बेटी से माफी मांगता हूं कि मैं कुछ नहीं कर सकता। मैं उसे बार-बार कहता हूं, 'लेकिन अगर कुछ भी है जो मैं कर सकता हूं जिससे तुम्हें अच्छा लगे और तुम सोचो कि मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं, तो कृपया मुझे बताओ।' मैं चाहता हूं कि जब वह बड़ी हो जाए, तो मुझे उसी नजर से न देखे।"

कैमरून और मिचेल के अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को हराया

जमैका (ईएमएस)। कैमरून ग्रीन और मिचेल ओवन के अर्धशतकों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जमैका में खेले गए पहले टी20 क्रिकेट मैच में तीन विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने पहले खेलते हुए आठ विकेट पर 189 रन बनाए। इससे बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 18.5 ओवरों सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। कैमरून ग्रीन ने 26 गेंदों में 51 रन जबकि मिचेल ओवन ने 27 गेंदों में 50 रन बनाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 32 रनों पर ही सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग का विकेट गिर गया। इसके बाद कप्तान शाई होप ने रोस्टन चेज के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 91 रन बनाये। रोस्टन ने 32 गेंदों में दो छक्कों और नौ चौकों के साथ 60 रन बनाये जबकि शाई होप ने तीन छक्कों और चार चौकों के साथ 55 रन बनाये। इनके अलावा शिमरोन हेटमायर ने 38 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारशुइस ने सबसे अधिक चार विकेट लिए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीमी भी लड़खड़ा गयी पर कैमरून ने मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 80 रन बनाकर टीम को जीत की राह पर ला दिया।

बुमराह के खेलने का फैसला उनपर ही छोड़ दें : रैना

बर्मिंघम (ईएमएस) । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। रैना के अनुसार बुमराह एक महान गेंदबाज है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए मैचों में खेलने का फैसला हमें उनपर ही छोड़ देना चाहिये। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही इस सीरीज में केवल तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने पर संशय छाया हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि चौथे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज का खेलना डॉक्टर की सलाह पर अधारित रहेगा क्योंकि इससे पहले उनकी पीठ की सर्जर हुई थी। वहीं कुछ क्रिकेटरों का से भी मानना है कि भारतीय टीम इस सीरीज में पिछड़ रही है। इसलिए बुमराह को बचे हुए मैचों में खेलना चाहिये। जिससे कि भारतीय टीम ये सीरीज जीत सके। रैना यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में हिस्सा लेने के लिए आये हैं। इसी दौरान रैना ने बुमराह के चौथे टेस्ट में खेलने के

बारे में कहा, इसका फैसला डॉक्टर लेगा। मैं अपने शरीर को जानता हूं। मैं अपने डॉक्टर को जानता हूं। मुझे पता है कि वह मुझे क्या दिशानिर्देश दे रहे हैं, कैसे खेलना है। उन्होंने साथ ही कहा, बुमराह अपने शरीर को जानते हैं। वह अपने कार्यभार को जानते हैं कि कैसे अपने को बेहतर बनाये रखना है।
रैना ने कहा कि बुमराह के लिए थोड़ा आराम जरूरी है क्योंकि वह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं हालांकि अगले टेस्ट में टीम प्रबंधन उन्हें टीम में रखना चाहेगा। उन्होंने आगे कहा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उंगली में भी चोट लगी है। इसलिए दोनों के लिए चौथा टेस्ट खेलना बहुत जरूरी है। अगर उन्हें सीरीज ड्रॉ करनी है या टीम को जीत दिलानी है, तो मुझे लगता है कि दोनों का चौथे टेस्ट में खेलना बहुत जरूरी होगा। अब तक इस दौर में दो टेस्ट मैचों में बुमराह ने 21.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार एक पारी में 5 विकेट भी शामिल हैं और वह अब तक दूसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह पिछले दो साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने 2024 के टी20 विश्व कप में 8.26 की औसत से 15 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, वहीं बॉर्डर गावस्कर सीरीज में में 32 विकेट लिए।

पाक कोच ने हार के बाद पिच पर उठाये सवाल

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश ने यहां हुए पहले ही टी20 मैच में पाकिस्तान को हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है हालांकि इस हार का ठीकरा पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने पिच पर फोड़ दिया। हेसन ने कहा कि ये पिच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर की नहीं थी। इस मैच में पाकिस्तान की टीम 109 रन ही बना पाये और बांग्लादेश की टीम ने ये लक्ष्य 15.3 ओवर में ही तीन विकेट खोकर बड़े आराम से हासिल कर लिया। इस प्रकार उसने पाकिस्तान पर पहले टी20 में 7 विकेट से जीत हासिल कर ली। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और फखर जमान 44 रनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज मैदान पर टिक नहीं पाया। हेसन ने कहा, यह पिच किसी भी मैच के लिए भी सही नहीं है। टीमें एशिया कप या टी20 विश्व कप की तैयारी कर रही हैं और उनके लिए इस प्रकार की पिच पर खेलना ठीक नहीं है। यह पिच अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं मानी जा सकती है। मुख्य कोच ने कहा कि ऐसी पिचों पर खेलने से बांग्लादेशी टीम को विदेशी धरती पर कोई लाभ नहीं बल्कि नुकसान ही होगा। उन्होंने साथ ही कहा, क्रिकेटरों को निखारने के लिए अच्छे विकेटों की जरूरत होती है। बीपीएल के दौरान कुछ अच्छे विकेट थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के स्तर को देखा जाये तो ये विकेट उतने अच्छे नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि यह पिच किसी के लिए भी अच्छी है। फिर भी हम अपनी टीम की खराब बल्लेबाजी के लिए कोई बहाना नहीं बना रहे।

टेस्ट मैचों में गेंदें जल्दी खो रही हैं अपना आकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट सीरीज में अंपायरों को कई बार गेंद की शेप जांचते हुए देखा गया, खासकर 'रिंग टेस्ट' करते हुए। इसके मायने यह है कि गेंदें जल्दी अपना आकार खो रही हैं। ऐसे में सभी के मन में सवाल उठता है कि जब गेंद बदलनी होती है तो रिप्लेसमेंट गेंदें आती कहां से हैं, उन्हें कैसे परखा जाता है और इस्तेमाल में कैसे लाया जाता है? हर टेस्ट मैच से पहले मेजबान राज्य या काउंटी एसोसिएशन चौथे अंपायर को अपने स्टेडियम में खेले गए फर्स्ट-क्लास मैचों में इस्तेमाल की गई पुरानी गेंदें देता है। उदाहरण के लिए, वानखेड़े में मैच हो तो मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन, और ओल्ड ट्रैफर्ड में हो तो लंकाशायर ये गेंदें देता है।
इन गेंदों को एक खास गेज या माप

उपकरण से परखा जाता है। अगर गेंद एक रिंग से निकल जाती है लेकिन दूसरी से नहीं, तो उसे बॉल लाइब्रेरी में रखने योग्य माना जाता है। वहीं से रिप्लेसमेंट गेंदें मैच के दौरान ली जाती हैं। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में आमतौर पर करीब 20 रिप्लेसमेंट बॉल्स रखी जाती हैं, लेकिन कुछ देशों में ये संख्या कम भी हो सकती है। अगर जरूरत से ज्यादा गेंदें खराब हो जाएं, तो चौथा अंपायर नई गेंदों के लिए एसोसिएशन से और गेंदें मंगवा सकता है। कभी-कभी टीमों से उनके नेट्स में इस्तेमाल हुई गेंदें भी ली जाती हैं, जिन्हें जांच के बाद रिप्लेसमेंट के लिए चुना जाता है। गेंदों की रिप्लेसमेंट में यह जरूरी नहीं होता कि नई गेंद उतने ही ओवर पुरानी हो जितनी पिछली थी।
हरे मैदान पर 60 ओवर तक चली गेंद को सूखे मैदान की 30 ओवर पुरानी गेंद के बदले इस्तेमाल किया जा सकता है, बशर्ते उसकी गुणवत्ता ठीक हो।

रिंकू की मंगेतर प्रिया खेतों में काम करती नजर आयीं

जौनपुर (ईएमएस)। भारतीय टीम के क्रिकेटर रिंकू सिंह की मंगेतर और सपा सांसद प्रिया सरोज जमीन से जुड़ी नेता हैं। उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा हुई हैं। इसमें वह अपने क्षेत्र की महिलाओं के साथ पानी से भरे खेतों में काम करती दिखीं। वीडियो में प्रिया पानी भरे खेत में धान की रोपाई करती नजर आ रही है। रिंकू से सगाई की बाद से ही प्रिया चर्चाओं में रही हैं।
प्रिया सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। उन्होंने सगाई की भी तस्वीरों को साझा किया था। वहीं अब प्रिया ने खेती करते हुए का एक वीडियो साझा किया है। उनके ये वीडियो जमकर वायरल भी हो रहा है। लोगों ने उनकी सादगी की सराहना की है।
हाल ही में रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई लखनऊ में हुई थी जिसमें

खेल और राजनीति जगत के दिग्गज भी शामिल हुए थे। रिंकू और प्रिया की शादी की पहले दिसंबर में वाराणसी में होने वाली थी पर रिंकू के व्यस्त क्रिकेट मैच के कार्यक्रम को देखते हुए शादी की तारीख आगे बढ़ा दी गई। रिंकू जहां एक मध्यवर्गीय परिवार से आते हैं और अपनी मेहनत के बल पर भारतीय टीम तक पहुंचे हैं। वहीं प्रिया एक राजनीतिक परिवार से आती हैं। रिंकू जहां क्रिकेट में व्यस्त रहने के कारण दसवीं भी नहीं कर पाये हैं। वहीं प्रिया उच्च शिक्षित हैं। रिंकू 2023 में कोलकाता नाइटराइडर्स की और एक पारी में लगातार पांच छक्के मारने के बाद से ही चर्चाओं में आये थे। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

भारत में एशिया कप हॉकी के लिए टीम नहीं भेजना चाहते : पीएचएफ

लाहौर (ईएमएस)। भारत में अगले माह होने वाले एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान के शामिल होने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। वहीं इसी बीच पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने कहा है कि वह सुरक्षा कारणों से वह अगले माह भारत में होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजना चाहता है। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा है कि उन्होंने इस मामले में एक पत्र भी भेज दिया है। उन्होंने कहा, ''हमने कहा भारत में खेलते समय हमें खतरा है। हमने साफ कर दिया है कि खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत जाने तैयार नहीं हैं।''
गौरतब है कि एशिया कप विश्व कप के लिए एक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब इस प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में फैसला लेने की जिम्मेदारी एफआईएच और एएचएफ पर है। हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान दे पायेंगे ये सबसे कठिन रहेगा।'' वहीं पाक सरकार ने अभी तक इसपर कोई फैसला नहीं लिया है। हाल ही में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि टीम भारत दौरे पर नहीं जाएगी।

मैच नहीं होने से भड़के अफरीदी, बोले एक सड़े अंडे ने सब बेकार किया

लंदन (ईएमएस)। अपने विवादास्पद बयानों के लिए हमेशा ही चर्चाओं में रहने वाले पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलने से इंकार करने के बाद एक बार फिर जहर उगला है। भारत से मैच नहीं होने पर अफरीदी ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि एक खिलाड़ी के कारण ही ये सब हुआ है। साथ ही इस खिलाड़ी को सड़ा अंडा तक बोल दिया पर किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया। अफरीदी ने कहा, खेल देशों को करीब लाते हैं। अगर राजनीति हर चीज के बीच आ जाए, तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे? बिना बातचीत के, चीजें हल नहीं हो सकतीं। इस तरह के आयोजनों का लक्ष्य भी एक-दूसरे से मिलना-जुलना है पर एक खिलाड़ी ने सब बेकार कर दिया। अफरीदी ने साथ ही कहा, उन्होंने मैच से एक दिन पहले ही ट्रेनिंग की थी। मुझे लगता है कि उन्हें केवल एक खिलाड़ी की वजह से मैच से नाम वापस लेना पड़ा है। भारतीय टीम भी बहुत निराश है। वे यहां खेलने आए थे। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही लोग इस प्रकार के मैच के खिलाफ थे। ऐसे में लोगों की भावनाओं की अनदेखी खिलाड़ी भी नहीं कर पाये।

मैच रद्द होने से भड़का पूर्व पाक क्रिकेटर रऊफ, बोला, साथ घूमते हैं पर खेलेंगे नहीं

भारतीय क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलने से इंकार करने से पाकिस्तान के क्रिकेटरों को खासी बेहज्जती का अहसास हो रहा है। इसी कारण भड़के हुए इन पाक क्रिकेटरों का कहना है कि भारतीय खिलाड़ियों को इस प्रकार खेलने से इंकार नहीं करना चाहिये था। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज अब्दुर रऊफ खान ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों को खेल में राजनीति नहीं लानी चाहिये। यह मैच बर्मिंघम में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दूसरे सत्र में खेला जाना था। शिखर धवन, हरभजन सिंह के मैच खेलने से इंकार के बाद अन्य खिलाड़ी भी इससे हट गये थे। रऊफ ने भारतीय खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना की और कहा कि वे दोहरे मापदंड न रखें। उन्होंने कहा, "लोगों के सामने ये दिखाते हैं कि हम नहीं खेलेंगे पर हमारे साथ में घूमने और शॉपिंग में उन्हें कोई परेशान नहीं है। वे साथ में घूमते हैं, खाते हैं, पार्टी करते हैं पर मैच खेलने को लेकर लोगों के सामने अलग तस्वीर किस लिए दिखाते हैं?" "साथ ही कहा कि हमने साथ में खेला है, ड्रेसिंग रूम साझा किया है साथ में खाना खाया है टूर पर शॉपिंग की है, एक-दूसरे के होटल रूम में रुके हैं। हम मैदान के बाहर दोस्त हैं। फिर लोगों के सामने ऐसा क्यों दिखाना जैसे 'हम उनके साथ नहीं खेलेंगे' यह अनावश्यक हाइप पैदा करता है। " पर्दे के पीछे की वास्तविकता इससे अलग है। ऐसे में प्रशंसक जो इतनी उत्सुकता और भावना के साथ आते हैं, निराश हो जाते हैं। यह क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है। हमें खेल और इसके प्रशंसकों के प्रति ईमानदार होना चाहिए।"

शमी अगले सत्र में बंगाल से खेलकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे

कोलकाता (ईएमएस)। फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब अगले सत्र में पश्चिम बंगाल टीम से खेल सकते हैं। शमी को इस सत्र के 50 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। वह 28 अगस्त से शुरु होने वाली दलीप ट्रॉफी में भी पूर्व जोन की ओर से खेल सकते हैं। इससे शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी। उन्होंने टखने की सर्जरी के बाद भारतीय टीम के अंतिम बार 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था।
चैंपियंस ट्रॉफी में शमी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा ओर उन्होंने पांच मैचों में नौ विकेट लिए थे। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शमी की नई टीम सनराइजर्स हैदराबाद छठे स्थान पर रही थी। इसमें भी उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने नौ मैचों में केवल छह विकेट लिए और उनकी इकॉनमी 11.23 रन प्रति ओवर रही। वह टखने की सर्जरी कराई और घुटनों की समस्याओं से भी परेशान रहे।

केबल बनाने वाली कंपनी का शेयर 8,200 तक भर सकता है उड़ान, ब्रोकरेज हाउस बोले - अभी खरीदें

देश की सबसे बड़ी केबल और वायर कंपनियों में शामिल पॉलिकैब इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) के नतीजे जारी कर दिए हैं, और यह कहना गलत नहीं होगा कि कंपनी ने बाजार की उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया है। जब पूरा बाजार इस बात को लेकर चिंतित था कि मानसून की देरी और महंगाई की मार से उपभोक्ता मांग पर असर पड़ेगा, तब Polycab ने न सिर्फ रिकॉर्ड बिक्री की, बल्कि मुनाफे और मार्जिन के मामले में भी नया बेंचमार्क सेट किया है।

बिक्री और मुनाफे में जबरदस्त छलांग

पॉलिकैब इंडिया की कुल आय यानी रेवेन्यू पहली तिमाही में 5,910 करोड़ रही, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 26% ज्यादा है। यह आंकड़ा विश्लेषकों की उम्मीद से भी 5% बेहतर रहा। वहीं कंपनी का शुद्ध मुनाफा करीब 50% की छलांग लगाकर 590 करोड़ पहुंच गया है। यह प्रदर्शन दिखाता है कि कंपनी ने न सिर्फ ज्यादा बेचा, बल्कि अपने खर्चों को भी बखूबी काबू में रखा। बिक्री और मुनाफे के साथ-साथ कंपनी का एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और अन्य खर्चों से पहले की कमाई) भी 47% बढ़कर 860 करोड़ हो गया, और उसका ऑपरेटिंग मार्जिन 14.5% तक पहुंच गया, जो कि साल भर पहले 12.4% था। यह बताता है कि कंपनी अपनी लागत को अच्छी तरह से नियंत्रित कर रही है और बाजार में अपनी मजबूत स्थिति बनाए हुए है।

केबल्स एंड वायर्स : कंपनी की रीढ़, और इस बार भी हीरो

पॉलिकैब का सबसे बड़ा और सबसे मजबूत बिजनेस उसका केबल्स एंड वायर्स सेगमेंट है। इस सेगमेंट ने एक बार फिर कंपनी की सफलता की कहानी को आगे बढ़ाया है। केबल्स एंड वायर्स बिजनेस की आय इस तिमाही में 33% बढ़ी, और इस ग्रोथ में सबसे अहम योगदान रहा 25% की वॉल्यूम ग्रोथ का। यानी कंपनी ने सिर्फ महंगे दामों पर नहीं बेचा, बल्कि ज्यादा यूनिट्स भी बेचीं। इसमें भी केबल्स की बिक्री 27-29% तक बढ़ी, जबकि वायर की बिक्री में 21-23% का इजाफा देखने को मिला। इतना ही नहीं, इस सेगमेंट का EBIT मार्जिन 14.7% तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 2.1 प्रतिशत अंक ज्यादा है। इसका मतलब यह हुआ कि कंपनी ने बिक्री तो बढ़ाई ही, साथ ही हर बिक्री पर मुनाफा भी बढ़ाया।

पॉलिकैब के लिए उसका दूसरा बड़ा क्षेत्र है एफएमईजी सेगमेंट, यानी फैन, लाइट, गीजर, स्विच जैसे प्रोडक्ट्स। यह वह हिस्सा है जो अब तक घाटे में था या मामूली प्रॉफिट में, लेकिन इस तिमाही में यहां भी कंपनी ने नया मुकाम छुआ। एफएमईजी की बिक्री में 18% की बढ़त दर्ज की गई और एबिटा मार्जिन 2.1% रहा, जो लगातार दूसरी बार मुनाफे में रहा। इसकी बड़ी वजह है - प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर जोर, बेहतर प्रोडक्ट मिक्स और ब्रांडिंग व वितरण नेटवर्क में किया गया निवेश। भले ही ये मार्जिन अभी कम हों, लेकिन यह संकेत साफ है कि आने वाले समय में यह सेगमेंट भी कंपनी की ग्रोथ में अहम भूमिका निभाएगा। पॉलिकैब के मैनेजमेंट ने तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि कंपनी अपने लॉन्गटर्म लक्ष्यों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। कंपनी की महत्वाकांक्षी योजना Project Spring के तहत वह अपने एफएमईजी कारोबार को और मजबूत बनाने, ब्रांडिंग में निवेश करने, और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार पर काम कर रही है। मैनेजमेंट को भरोसा है कि घरेलू बाजार में मजबूत मांग बनी रहेगी, खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर और हाउसिंग सेक्टर से। साथ ही कच्चे माल की कीमतों में स्थिरता और उत्पादन क्षमता में विस्तार पॉलिकैब को आगे और मजबूत बनाएंगे।

विनफास्ट ने भारत में ईवी उत्पादन और निर्यात में दी टेस्ला को टक्कर

नई दिल्ली (ईएमएस)। वियतनाम की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी विनफास्ट ने भारत में अपनी तेज़ी से विस्तार की रणनीति के साथ टेस्ला को कड़ी टक्कर दी है। तमिलनाडु के तूत्तुक्कुडि में 2 अरब डॉलर के विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के करीब, कंपनी ने पहले ही नेपाल, श्रीलंका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के बाजारों से निर्यात ऑर्डर मिलने की जानकारी दी है। यह भारत के 'मेक इन इंडिया' अभियान को वैश्विक स्तर पर ले जाने का संकेत है। विनफास्ट का संयंत्र इस महीने के अंत तक उत्पादन शुरू करने की संभावना है, और आगामी त्योहारी सीजन तक वाहन की आपूर्ति शुरू हो सकती है। कंपनी की दो प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी—वीएनएफ 6 और वीएनएफ 7 की बुकिंग भी 21,000 में शुरू हो चुकी है। संयंत्र की शुरुआती उत्पादन क्षमता सालाना 1.5 लाख वाहन होगी, और अगले पांच वर्षों में 2 अरब डॉलर तक निवेश बढ़ाने की योजना है। भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात में तेजी से उभर रहा है। वित्त वर्ष 2025 में वाहन निर्यात 7,65,000 यूनिट तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष से 14 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2030 तक निर्यात हिस्सेदारी को 25 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं लागू हैं। वहीं टेस्ला ने भारत में पहला शोरूम तो खोला है, लेकिन विनफास्ट की तुलना में उसकी शुरुआत धीमी रही है। तूत्तुक्कुडि हवाईअड्डे पर नई टर्मिनल बिल्डिंग के चालू होने के बाद विनफास्ट के निर्यात और उत्पादन में और तेजी आने की उम्मीद है। इस तरह, विनफास्ट भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है, जो देश को वैश्विक ईवी बाजार में नई पहचान दिला सकता है।

एंथम बायोसाइंसेज का शेयर 27% ऊपर 723 पर लिस्ट: इश्यू प्राइस 570 था; दवाओं पर रिसर्च करती है कंपनी

मुंबई: दवा बनाने वाली कंपनी एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड का शेयर आज बाजार में अपने इश्यू प्राइस 570 रुपए से 27% ऊपर 723 रुपए पर लिस्ट हुआ। कंपनी का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई पर 723.05 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई पर 723.10 रुपए पर लिस्ट हुआ। दिनभर के कारोबार के बाद यह 1% चढ़कर 730 पर बंद हुआ।

3,395.79 करोड़ जुटाने का टारगेट

सब्सक्रिप्शन के लिए यह आईपीओ 14 से 16 जुलाई तक ओपन था। जिसे निवेशकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और तीन दिनों में यह कुल 67.42 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके जरिए कंपनी 3,395.79 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड क्या करती है ?

एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड एक कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च एंड इनोवेशन सर्विस प्रोवाइडर कंपनी है। इसकी शुरुआत 2006 में हुई थी। यह एक इनोवेशन और टेक्नोलॉजी बेस्ड कंपनी है जो मेडिसिन रिसर्च, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग का काम करती है। कंपनी विश्व स्तर पर छोटी-बड़ी बायोटेक कंपनियों और बड़ी दवा कंपनियों को भी सर्विसेज देती है।

जोमैटो का मुनाफा पहली तिमाही में 90% कम हुआ

ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनी जोमैटो (इटरनल लिमिटेड) ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (Q1FY26) में 7,521 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है। यह पिछले साल के मुकाबले 69.31% ज्यादा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 4,442 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

कुल कमाई में से कर्मचारियों की सैलरी और टैक्स जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 25 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे। सालाना आधार (2025 के अप्रैल-जून) पर यह 90% गिरा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 253 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

रेवेन्यू 70% बढ़कर 7,167 करोड़ रहा

पहली तिमाही (Q1FY25) में जोमैटो ने ऑपरेशन (प्रोडक्ट-सर्विस बेचकर) से 7,167 करोड़ रुपए का राजस्व यानी रेवेन्यू जनरेट किया। पिछले साल के अप्रैल-जून के मुकाबले यह 70.39% बढ़ा है। अप्रैल-जून 2025 में कंपनी ने 4,206 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए एडीबी देगा 975 करोड़

अगरतला (ईएमएस)। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 975.26 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया है। त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम (टीआईडीसी) के चेयरमैन ने बताया कि इस परियोजना के तहत औद्योगिक शेड, बिजली सबस्टेशन, भूमिगत बिजली लाइन, अग्निशमन सेवा स्टेशन और 34 सड़कों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एडीबी द्वारा यह ऋण त्रिपुरा के औद्योगिक क्षेत्रों को विश्वस्तरीय बनाने में मदद करेगा और परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस योजना के अंतर्गत बोधजंगनगर, आर.के. नगर, दुकली और ए.एन. नगर समेत कुल नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार ने दक्षिण त्रिपुरा के संतिरबाजार में 127 एकड़ और उनाकोटी जिले के फटीक्रोय में 28 एकड़ भूमि औद्योगिक क्षेत्रों के लिए आवंटित की है। टीआईडीसी ने इन नए क्षेत्रों में सीमांकन और बुनियादी ढांचा निर्माण का काम शुरू कर दिया है ताकि उद्योगों के लिए भूमि लंबे समय तक खाली न पड़े। वर्तमान में राज्य में दो प्लाईवुड निर्माण इकाइयां संचालित हो रही हैं, और भविष्य में सात और नई इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई गई है। यह निवेश त्रिपुरा के औद्योगिक विकास को तेजी से बढ़ावा देगा, रोजगार के अवसर बढ़ाएगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा।

सोना 548 बढ़कर 98,791 प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा: चांदी 1.13 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली: सोने-चांदी के दाम में 21 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 548 बढ़कर 98,791 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 98,243 पर था। चांदी की कीमत 60 बढ़कर 1,12,760 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले चांदी 1,12,700 पर थी। वहीं 14 जुलाई को चांदी ने 1,13,867 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इसके पहले सोने ने 8 जून को 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,300 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,950
मुंबई: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800
कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800
चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,150 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,800

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 22,629 रुपए बढ़कर 98,791 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 26,743 रुपए बढ़कर 1,12,760 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

एलएंडटी हरित हाइड्रोजन संयंत्र पानीपत रिफाइनरी में लगाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एलएंडटी एनर्जी ग्रीनटेक लिमिटेड के माध्यम से हरियाणा की पानीपत रिफाइनरी में देश का सबसे बड़ा हरित हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित करेगी। यह परियोजना भारत सरकार के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत है, जिसका उद्देश्य भारत को हरित हाइड्रोजन उत्पादन में वैश्विक केंद्र बनाना है। संयंत्र 25 वर्षों तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) को प्रति वर्ष 10,000 टन हरित हाइड्रोजन की आपूर्ति करेगा। एलएंडटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह परियोजना भारत के ऊर्जा बदलाव में उनकी प्रतिबद्धता और स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदान करने की क्षमता को मजबूत करेगी। यह कदम देश में स्वच्छ ऊर्जा के विकास और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

दैनिक पंचांग

22 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

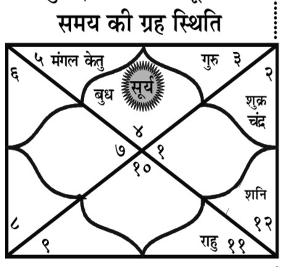

मंगलवार 2025 वर्ष का 203 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 07.06 बजे तदनन्तर त्रयोदशी 04.40 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 19.25 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 15.32 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 07.06 बजे, गर 17.52 बजे तदनन्तर वणिज 04.40 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 16' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872413 **जूलियन दिन** 2460878.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत, गौरी व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.02 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	07.22 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.34 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.45 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.00 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.16 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.07 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.40 बजे से
राहुकाल		मेष	23.11 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	00.51 बजे से
बजे तक		मिथुन	02.49 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7354

बाएँ से दाएँ
1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे
1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली - 7353 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6895

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6894 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5839

	1				2	4
	30	2	37	6	31	
	5		4		1	6
6	30	3	27	1	33	5
	3			5	6	
	33	4	32	4	30	
4	7				2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5838 का हल

4	2	6	3	5	1	7
2	32	4	39	7	34	4
6	1	7	4	3	5	2
5	30	3	38	6	31	1
1	2	5	6	4	7	3
3	27	2	25	1	31	6
7	6	1	4	2	3	5

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5199

30		35		10		30	=	25
23		10		15		10	=	38
30		2		10		1	=	50
50		1		12		30	=	8
=		=		=		=		
87		43		27		50		5 / 21

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5198

45	+	10	÷	1	x	1	=	55
-		+		x		+		-
30	-	15	x	2	+	5	=	35
+		-		+		x		+
20	÷	4	x	10	-	25	=	25
-		+		+		÷		-
23	x	3	-	29	÷	4	=	15
=		=		=		=		=
12	+	24	-	29	+	27	=	30 / 34

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6886

बं	म	म	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	ब	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	ब	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

शब्द जाल में 'म' नाम से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

मंजिल, मर्यादा, मदर इंडिया, मर्द, मशाल, मरते दम तक, मकसद, मनचली, मंगल पांडे, मन की आंखें

शब्दजाल - 6885 का हल

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	के	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1977 मिस्त्र ने लीबिया के अड्डों पर दूसरे दिन भी बमबारी की.

1988 भारतीय उपग्रह इन्सैट 1-सी का कोरू, फ्रेन्च गुयाना में असफल परीक्षण किया.

1990 विद्रोहियों ने लाइबेरिया के राष्ट्रपति सैमुअल डो को बंदी बना लिया.

1992 उच्च न्यायालय ने अयोध्या में मंदिर निर्माण रोकने को कहा.

1993 वेनेजुएला में सोने की खान में काम करने वाले श्रमिकों ने 12 लोगों की हत्या की.

2002 के.आर. मलकानी को पांडिचेरी का उप राज्यपाल नियुक्त किया गया. इस पद से रजनी रॉय का इस्तीफा राष्ट्रपति ने स्वीकार किया.

2007 हैरी पॉटर श्रृंखला की 7वीं पुस्तक हैरी पॉटर एंड द डेथली हेलोज के जारी होने के मात्र 12 घंटे के भीतर में उसकी 1.70 लाख से अधिक प्रतियां बिकीं.

संक्षिप्त खबरें...

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में करियर फेयर-पाथवे टू सक्सेस का सफल आयोजन

रांचीः सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची ने करियर फेयर का भव्य आयोजन किया, जिसमें भारत और विदेश के 26 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को करियर की खोज, व्यावसायिक कौशल, उभरते व वैकल्पिक क्षेत्रों एवं तकनीकों, आत्म-जागरूकता, व्यक्तिगत विकास तथा नेटवर्किंग के अवसरों की जानकारी प्रदान करना था। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण था- उद्योग विशेषज्ञों के प्रेरणादायक सत्र। इन सत्रों में निम्नलिखित विशेषज्ञों ने भाग लिया। श्री विवेक कुमार श्रीवास्तव, डिप्टी जनरल मैनेजर (मार्केटिंग), ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, देहरादून, श्री मिहिर चिंचोलकर, सहायक प्रोफेसर डज्न् - !क्ज् यूनिवर्सिटी, पुणे, सुश्री अर्पिता दास, एडमिशन मैनेजर, एलायंस यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, श्री अमित एकलव्य, कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं मेंटर, एवं श्री प्रवीण शर्मा, कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं मेंटर, प्ड रांची के पूर्व छात्र। इन विशेषज्ञों ने छात्रों को व्यावसायिक कौशल, आत्म-जागरूकता, एवं व्यक्तिगत विकास के विषय में मार्गदर्शन प्रदान किया, साथ ही छात्रों और विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों के बीच संवाद और नेटवर्किंग का अवसर भी उपलब्ध कराया। इस सत्र ने छात्रों को उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य के बारे में सूझबूझ भरे निर्णय लेने हेतु आवश्यक ज्ञान और कौशल से सुसज्जित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत इंटरैक्टिव यूनिवर्सिटी डेस्क भी लगाए गए, जहां छात्रों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के कार्यक्रमों और उच्च शिक्षा के अवसरों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस आयोजन में शामिल प्रमुख विश्वविद्यालय हैं- एलायंस यूनिवर्सिटी, आईलीड यूनिवर्सिटी, रटगर्स यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी एट बफेलो, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉय (शिकागो), स्टोनी ब्रुक यूनिवर्सिटी, होटल इंस्टिट्यूट मोंत्रो (प्ड), यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लाइड साइंसेज, व्रप्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ अप्लाइड साइंसेज, आर्डेन यूनिवर्सिटी, चाणक्य यूनिवर्सिटी, के.आर. मंगलम यूनिवर्सिटी, सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी, जैन यूनिवर्सिटी, एआईएमएस यूनिवर्सिटी और कई अन्य प्रतिष्ठित संस्थान। इस कार्यक्रम में रांची के कई स्कूलों ने भाग लिया। एल.ए. गार्डन हाई स्कूल, होली क्रॉस स्कूल, सिम्बायोसिस पब्लिक स्कूल, संत अरविंदो एकेडमी जैसे विद्यालयों के छात्रों ने भी भाग लिया। यह आयोजन पूर्ण रूप से सफल रहा और रांची के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों को करियर की संभावनाओं की खोज करने एवं प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से जुड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। प्राचार्या, श्रीमती परमजीत कौर ने छात्रों और शिक्षकों को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्रों को विशेषज्ञों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन से बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे भविष्य में भी ऐसे विश्व-प्रसिद्ध संस्थानों के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि विद्यालय लगातार छात्रों को उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाने के प्रति समर्पित है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ की बैठक दिए निर्देश

एक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक न हो – के. रवि कुमार

रांचीः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि राज्य में मतदान केंद्रों के नजरी–नक्शा बनाने एवं जियो फेंसिंग करने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान यह भी सुनिश्चित करना है कि मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए 2 किलोमीटर से कम की दूरी तय करनी हो साथ ही एक मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता न हो। इसके साथ ही मतदान केंद्र के विखंडन के दौरान इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि एक परिवार या एक टोले के मतदाताओं को अलग अलग मतदान केंद्र पर जाना न पड़े। श्री के. रवि कुमार सोमवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के उप जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक कर रहे थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि निर्वाचन कार्य से जुड़े ERO, AERO, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ की रिक्तियों को शीघ्र ही पूर्ण कर लें इसके साथ ही बीएलओ नियुक्त करते समय इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि चयनित बीएलओ उसी मतदान केंद्र के मतदाता हों।

श्री के. रवि कुमार ने कहा कि भारत के मतदाता होने के लिए तीन अर्हता निर्धारित किए गए है जिसमें भारत का नागरिक होना, 18 वर्ष की आयु होना एवं देश के किसी भी क्षेत्र का सामान्य निवासी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का लक्ष्य है कोई भी योग्य मतदाता छूटे न और कोई भी अवैध व्यक्ति मतदाता सूची में न जुड़े।

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री देव दास दत्ता, ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे।

यूको बैंक, ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही के कारोबारी परिणाम घोषित किए

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का / Honours Your Trust

रांचीः भारत सरकार की अग्रणी बैंक, यूको बैंक, ने दिनांक 21.07.2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही के कारोबारी परिणाम घोषित किए। कुल कारोबार वर्ष-दर-वर्ष 13.51% की वृद्धि दर्ज करते हुए 30.06.2024 के Rs.461408 करोड़ से बढ़कर 30.06.2025 को Rs.523736 करोड़ हो गया।

कुल जमा (Deposit) वर्ष-दर-वर्ष 11.37% वृद्धि के साथ Rs.268155 करोड़ से बढ़कर Rs.298635 करोड़ हो गया।सकल अग्रिम (Gross Advance) वर्ष-दर-वर्ष 16.48% की वृद्धि के साथ Rs.193253 करोड़ से बढ़कर Rs.225101 करोड़ हो गया।वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही के दौरान प्रति कर्मचारी कारोबार पिछले वर्ष की समान अवधि में Rs.21.65 करोड़ से बढ़कर Rs.24.64 करोड़ हो गया।

30.06.2025 को समाप्त तिमाही के लिए शुद्ध लाभ पिछले वर्ष की समान अवधि के Rs.551 करोड़ के मुकाबले Rs.607 करोड़ रहा, जिसमें वर्ष-दर-वर्ष 10.16% की वृद्धि दर्ज की गई।

वर्तमान में बैंक के पास 3305 घरेलू शाखाओं, हांगकांग और सिंगापुर में 2 विदेशी शाखाओं तथा ईरान में 1 प्रतिनिधि कार्यालय का नेटवर्क है। कुल शाखाओं में से बैंक की 60.95% अर्थात 1994 शाखाएँ ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं।

30 जून 2025 की स्थिति के अनुसार बैंक के पास 2575 एटीएम तथा 10920 बीसी पॉइंट के साथ कुल 16438 टच पॉइंट हैं।

सिदगोड़ा में पंचमुखी हनुमान एवं शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन, नगर भ्रमण शोभा यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं हुए शामिल

जमशेदपुर। सिदगोड़ा मुख्य सड़क के किनारे 28 नंबर चौक स्थित श्री श्री अखिल चन्द्र पंचमुखी शिव एवं हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का धूमधाम से आयोजन किया जा रहा। नगर भ्रमण शोभा यात्रा कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव के पहले दिन मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा भी धूमधाम से निकाली गई । नगर भ्रमण शोभा यात्रा का नेतृत्व मंदिर के संस्थापक एवं वरिष्ठ समाजसेवी चन्द्रगुप्त सिंह ने स्वयं किया। पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ निकली इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान पूरे शहर में भक्ति और आस्था का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया गया। शोभा यात्रा में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, सांसद विद्युत वरण महतो, भाजपा नेता अखिलेश चौधरी, ईश्वर दयाल तिवारी, संजय सिंह, कप्तान उदयभान सिंह, जय प्रकाश सिंह, सुधीर सिंह, पिंटू सिंह, धनंजय सिंह, राजा सिंह, विनोद सिंह, भोला सिंह, शिवरंजन सिंह, आदित्य सिंह, सोनू सिंह, चीकू सिंह, प्रीतम सिंह, विकास सिंह, रितेश सिंह, अमन सिंह, श्याम कुमार, प्रिंस सिंह, मनींद्र सिंह, रितेश राय, सुधीर सिंह, कुनू सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। कलश यात्रा के उपरांत संध्याकाल में सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ, इसमें भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उपस्थित रही। भजन-कीर्तन, जयकारों और आरती से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। मंगलवार को दोपहर में भोगप्रसाद महा भंडारा का आयोजन होगा ।

वर्ल्ड ब्रेन डेः पारस हॉस्पिटल में वर्ल्ड ब्रेन डे पर डॉक्टरों ने दी सलाह, बचपन से रखें मस्तिष्क का ख्याल

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : वर्ल्ड ब्रेन डे हर साल 22 जुलाई को मनाया जाता है। इस वर्ष ब्रेन डे का विषय "सभी उम्र के लिए मस्तिष्क स्वास्थ्य " है। पारस हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ संजीव शर्मा ने कहा कि हेल्दी ब्रेन का विकास बचपन से ही शुरू होता है। बचपन से ही हमें ब्रेन को बचाने पर ध्यान देना चाहिए। बच्चे की जन्म प्रक्रिया सही अस्पताल में होनी चाहिए, क्योंकि डिलीवरी में गड़बड़ी से बच्चे में मानसिक विकृति या माइलस्टोन ग्रोथ की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। मस्तिष्क की विकास प्रक्रिया में मोटर फंक्शन, इंटेलेक्चुअल फंक्शन और लर्निंग का विशेष महत्व होता है। अगर इसमें कुछ दिक्क्तें आती है, तो बच्चे में कुछ जेनेटिक डिसऑर्डर भी साथ में होता है जिसको ऑटिज्म या एडीएचडी कहते हैं। एडीएचडी वाले मरीज के लिए ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होना ऐसा लग सकता है जैसे कोई व्यक्ति किसी और की बात पर ध्यान नहीं दे रहा हो। ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्ति में भी यही व्यवहार दिखाई दे सकता है क्योंकि यह आगे-पीछे बातचीत करने और अन्य सामाजिक कौशल में कठिनाई होती है। एकाग्रता नहीं रहती है। बोल नहीं पाता है। अभिभावक को पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर बच्चा मंदबुद्धि या मानसिक संतुलन गड़बड़ है, तो इसका इलाज किया जाता है।

डॉ संजीव शर्मा ने कहा कि व्यस्क के मामले में ब्रेन से संबंधित कॉमन समस्या माइग्रेन, ब्रेन स्ट्रोक आदि है। ब्रेन स्ट्रोक न हो, इसपर ध्यान देने की आवश्यकता है। उच्च रक्तचाप और मधुमेह (शुगर) को नियंत्रित रखना अत्यंत आवश्यक है। नियमित योग, ध्यान और व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और सर्केडियन रिदम का पालन कर मस्तिष्क को स्वस्थ रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हेल्दी ब्रेन के लिए आठ घंटे नींद ले। "सर्केडियन रिदम" को मेनेटेंन रखना जरूरी है। अगर कोई व्यक्ति देर रात सोता है और देर सुबह उठता है, तो भले ही नींद पूरी हो, लेकिन "सर्केडियन रिदम" टूटने से सिरदर्द और पाचन समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए रात में 10 से 11 बजे तक सो जाये। सुबह उठकर योगा करें। अगर किसी को ब्रेन स्ट्रोक होता है, तुंरत हॉस्पिटल जाकर उपचार कराएं।

पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हॉस्पिटल एचइसी में ब्रेन से संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के द्वारा मरीजों का इलाज हो रहा है। यदि लोग अपनी दिनचर्या और जीवनशैली को संतुलित रखें, तो मस्तिष्क रोगों से बचा जा सकता है। ब्रेन स्ट्रोक, मिर्गी, माइग्रेन, पार्किंसन और डिमेंशिया जैसी बीमारियां आजकल तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन सही निदान और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह से इनका प्रभावी इलाज संभव है

पारस हॉस्पिटल एचईसी के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि ब्रेन से संबंधित गंभीर बीमारियों का सफल इलाज रांची स्थित पारस हॉस्पिटल में उपलब्ध है। यहां न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी विभाग के अनुभवी विशेषज्ञ आधुनिक तकनीक और उपकरणों की मदद से मरीजों को बेहतर इलाज प्रदान कर रहे हैं।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में हुआ भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं पूज्य डॉ. स्वामी सदानंद महाराज जी का 81 वां जन्मोत्सव समारोह

गुरु वह दीपक है जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैंः स्वामी सदानंद महाराज

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम पुंदाग मे श्री राधा कृष्ण मंदिर मे कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा एक दिव्य और आध्यात्मिक वातावरण में पूज्य डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज जी का 81वां जन्मोत्सव तथा गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े ही श्रद्धा,भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।यह कार्यक्रम न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना, बल्कि सामाजिक एकता, आध्यात्मिक उत्थान और गुरु-शिष्य परंपरा की अनुपम मिसाल भी प्रस्तुत की। महोत्सव का शुभारंभ गुरु पूजन से हुई, जिसमें रांची सहित कई क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजन-अर्चन कर पूज्य गुरुदेव को नमन किया। इसके पश्चात भजन-सत्संग का आयोजन हुआ। जिसमें ट्रस्ट के भजन गायको ने भक्तिरस में डूबे सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। पूरा मंदिर परिसर "जय गुरुदेव", "राधे राधे" के जयघोष से गूंज उठा। संपूर्ण वातावरण में भक्ति, करुणा और गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा की अद्भुत ऊर्जा स्पष्ट रूप से अनुभव की गई। इस अवसर पर पूज्य स्वामी सदानंद महाराज जी ने भक्तों को आशीर्वाद देते हुए गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "गुरु वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। सच्चा शिष्य वही है जो श्रद्धा, विनम्रता और सेवा से अपने जीवन को गुरु की शिक्षाओं के अनुरूप ढालता है।" उन्होंने जीवन को सेवा, सत्य और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत सैकड़ो श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। गुरु जी के 81वें जन्मोत्सव पर मंदिर परिसर में 81 दीपक जलाए गए, इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए वस्त्र और अन्न वितरण भी किया गया, जो इस आयोजन को और अधिक पुण्यकारी एवं समाजोपयोगी बनाता है। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट वर्षों से रांची और आस-पास के क्षेत्रों में धार्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है। इस वर्ष का गुरु पूर्णिमा महोत्सव और पूज्य महाराज जी का जन्मोत्सव न केवल आध्यात्मिक जागरूकता का प्रतीक बना, बल्कि जनमानस में भक्ति और सेवा की भावना को और भी प्रबल कर गया। इस अवसर पर- ट्रस्ट के सह संरक्षक विजय अग्रवाल, निर्मल छावनिका,अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, संजय सर्राफ, नवल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, काशी टिंबरेवाल,प्रमोद सारस्वत, मधु जाजोदिया, सुनील पोद्दार, नंदकिशोर चौधरी, विशाल जालान, अरविंद अग्रवाल, लालाजी, अंजनी अग्रवाल, सुरेश बंसल, विष्णु सोनी, अरविंद पांडे, मनीष जालान,पवन तिवारी, विनय सुभा, प्रभात गोयल, पवन पोद्दार, आनंद अग्रवाल, विद्या देवी अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल, उर्मिला पाड़िया, मीनू पाड़िया, सीता शर्मा,सरिता अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, शोभा जालान, बिमला जालान, सरोज पोद्दार, अमिता जालान, सुशीला सिंघानिया, सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि यह आयोजन निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में भी श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखण्ड का मान- सम्मान बढ़ाएं युवा - राजेश

अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाना ही टीम का प्रमुख लक्ष्य- डॉ ब्रजेश

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : हरियाणा सरकार के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के प्रेरक मंत्र के अंतर्गत, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में 23 से 26 जुलाई, 2025 तक अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम-2025 का आयोजन हो रहा है। उक्त कार्यक्रम में झारखंड सरकार के पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव मनोज कुमार एवं खेल निदेशक शेखर जमुआर के दिशा निर्देश के आलोक में झारखंड राज्य से 25 प्रतिभाशाली युवाओं का दल आज झारखंड से हरियाणा के कुरुक्षेत्र हेतु प्रस्थान किया। झारखंड से रवाना होने के पूर्व खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय में सभी प्रतिभागियों के साथ निदेशालय के अवर सचिव राजेश कुमार के साथ परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं सभी प्रतिभागियों को ट्रैक सूट, झारखंड राज्य के पारंपरिक वेश एवं स्पोर्ट्स शूज दिया गया।

इस अवसर पर अवर सचिव राजेश कुमार ने कहा कि कुरुक्षेत्र के अंतरराज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करें एवं झारखण्ड राज्य का मान सम्मान बढ़ाने का कार्य करें एवं तीनों विधाओं क्रमशः लोक नृत्य, लोक संगीत एवं भाषण प्रतियोगिताओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर विजेता बनकर आएं । उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया। इस अवसर पर राज्य एन एस एस पदाधिकारी डॉ ब्रजेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में अपने प्रतिभा का लोहा मनवाना ही इस टीम का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए एवं लक्ष्य के प्राप्ति हेतु अपना एफर्ट सामूहिक रूप से लगाना चाहिए।

इस कार्यक्रम में झारखंड के 25 सदस्यीय का एक दल हरियाणा के लिए रवाना हुई। इस विशाल कार्यक्रम में झारखण्ड के युवा अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस कार्यक्रम में देश भर से लगभग 900 प्रतिभागी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि विविध प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने-अपने क्षेत्रों की अनूठी सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन क्षमता, भाषाओं, शैक्षिक पहलों और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रदर्शित और साझा करेंगे। विचारों और अनुभवों का यह आदान-प्रदान सभी प्रतिभागियों को भारत की सांस्कृतिक विविधता में एकता के समृद्ध स्वरूप की सच्ची सराहना करने और उसका जश्न मनाने में सक्षम बनाएगा। झारखंड के युवा लोकगीत, लोकनृत्य और डिक्लेमेशन के माध्यम से अपनी कला संस्कृति और अपने राज्य के अनूठी क्षेत्रों की अनूठी सांस्कृतिक विरासत का परिचय देंगे।

निम्नलिखित प्रतिभागियों के द्वारा झारखंड का प्रतिनिधित्व किया जाएगा जिसमें लोकगीत में नवीन किशोर, रोहित कुमार, अंजलि प्रियंका कन्डुलना, आशा केरकेट्टा, अभय सुरीन, अजित महली, स्वेता कुजूर, एंजेला डुंगडुंग, संजिता आईन्द, वर्षा अंजली कुजूर।

लोकनृत्य में पुरुषोत्तम कुमार, अनिल राजभर, बॉबी कुमार, अमित कुमार गंझू, वर्तिका कुमारी, पूनम एक्का, सुधा लकड़ा, अनुप्रिया कुजूर, स्वेता केरकेट्टा, खुशी कुमारी। डिक्लेमेशन में दिवाकर आनंद, आस्था कुमारी, प्रणव राम तिवारी। टीम का नेतृत्व डॉ हैप्पी भाटिया, नोडल पदाधिकारी एवं डॉ. मनीष चंद्र टुडू , एस्कॉर्ट पदाधिकारी संयुक्त रूप से कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रशाखा पदाधिकारी प्रकाश वर्मा भी उपस्थित रहें।

केन्द्रीय सरना समिति ने झारखंड की भाषा संस्कृतिक को बचाने के लिए पुलिस महानिदेशक को सौंपा ज्ञापन

रांचीः केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा की अगुवाई में झारखंडी लोकसंगीत में बढ़ती अश्लीलता, फूहड़ता व सांस्कृतिक प्रदूषण पर रोक लगाने हेतु झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता जी ज्ञापन सौंपा केन्द्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड की पहचान उसकी लोक भाषाओं, आदिवासी परंपराओं, और सांस्कृतिक विरासत से है। परंतु हाल के दिनों में झारखंडी संगीत में तेजी से अश्लीलता, फूहड़ता,और संस्कारहीनता फैल रही है, जिससे समाज में सांस्कृतिक प्रदूषण बढ़ रहा है। इन गीतों में प्रयुक्त अभद्र भाषा, नारी विरोधी भाव, तथा गंभीरता-विहीन प्रस्तुतिकरण हमारी आदिवासी अस्मिता, लोक गौरव, और भाषाई मर्यादा को गहरा आघात पहुँचा रहे हैं। यह प्रवृत्ति युवाओं को विकृति और भ्रमित आदर्शों की ओर ले जा रही है। श्री बबलू मुंडा ने पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता जी कहा कि निम्नलिखित कदम उठाए जाएँ अश्लील व फूहड़ गीतों के निर्माण, प्रदर्शन और प्रचार पर प्रभावी रोक लगे मंचीय कार्यक्रमों व सोशल मीडिया पर सांस्कृतिक मर्यादा के उल्लंघन पर प्रशासनिक निगरानी रखी जाए । सोशल मीडिया व यूट्यूब पर प्रसारित अशोभनीय वीडियो पर साइबर सेल द्वारा कार्रवाई हो। लोकभाषा-संस्कृति की रक्षा हेतु कलाकारों व आयोजकों को संवेदनशील दिशा-निर्देश दिए जाएं।सकारात्मक, शालीन और प्रेरणादायक लोकगीतों को प्रशासनिक स्तर पर प्रोत्साहन मिले।हमें विश्वास है कि आप इस विषय को गंभीरता से लेते हुए झारखंड की सांस्कृतिक अस्मिता और लोक गरिमा की रक्षा में ठोस कदम उठाएँगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा, महासचिव महादेव टोप्पो,पवन रॉय, पंकज रॉय, रमन गुप्ता, मनोज शहरी, मोनू राज, कवि किशन,अमित तिर्की, सुरेंद कुजूर, कुमार प्रीतम, इग्नेश कुमार, अनीता बाड़ा, ज्योति साहू, वर्षा ऋतु, मोनिका मुंडू, विजय प्रभाकर, सोनू कुमार, सुनैना कच्छप, बेलाल गुरु, रंजू मिंज,विजय लोहरा, रवि स्टूडियो, बबलू स्टूडियो, किसन राज, विनोद स्टूडियो, सरसती बुनकर, उर्मिला महंतो, प्रीति बारला, सालेम ग्रुप, राजू करकेटा, सनी सिंह, आशीष तिग्गा, आदि उपस्थित थे।

हटिया जन्माष्टमी पूजा समिति के पुनः अध्यक्ष बने इंदरजीत सिंह एव सचिव चंदन यादव

धूम धाम से पूजा, मेला एव सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा आयोजन- इंदरजीत सिंह

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : हटिया जन्माष्टमी पूजा 2025 की वार्षिक बैठक हटिया रेलवे कॉलोनी में सम्पन्न हुई। पूजा का ये 55वां साल है। बैठक में हटिया के जन्माष्टमी पूजा समिति की टीम, दुर्गा पूजा समिति, गणेश पूजा समिति, राम मंदिर कमिटी, रामनवमी पूजा समिति, महिला समिति की टीमें उपस्थित हुए। बैठक में पुरानी समिति को भंग किया गया एव नई समिति का गठन किया गया। सभी की सर्वसमिति से पुनः इंदरजीत सिंह को अध्यक्ष चुना गया।

नई समिति पर एक नजरः

मुख्य संयोजक – आरएन यादव,सीके सिंह, अरुण सिंह

मुख्य संरक्षक- नंदन यादव

संरक्षक –संजू चौबे, नित्यालाल कुमार,अवधेश सिंह, मनोज राय, अलख निरंजन शर्मा,

अध्यक्ष – इंदरजीत सिंह

सचिव – चंदन यादव

कार्यकारी अध्यक्ष-बंटू सौरव सिंह, मुकुल प्रसाद, रंजीत सिंह, अरुण बाउरी,रजनीश सिंह, संतोष यादव, सोमनाथ बाउरी, जितेंद्र कुमार सिंह (डब्लू),बैजनाथ मंडल, बबलू यादव, एम.मुरली, ,इंद्रनील कुमार, दीपक मोहंती, प्रवीण कुमार, बिट्टू यादव

वरीय उपाध्यक्ष- डॉ रजनी शर्मा,सरिता सिंह, आरुषी वंदना,मनीषा तिवारी, सुनीता मिश्रा, पी.कृतिका राओ, मीरा गुप्ता, प्रेम शिला तिवारी,, इंदु देवी,नंदिनी कुमारी,

कोषाध्यक्ष – पवन चौधरी, मनोज यादव

सह कोषाध्यक्ष – चंदन कुमार, अभिजीत बाउरी

उपाध्यक्ष – अजय सिंह, सुनील सिंह, पुरषोत्तम राठौर,धनजय यादव, विश्वजीत सिंह, ज्योतिष कुमार सिंह, अरुण यादव, अरविंद यादव,कुणाल नायक, संजय पाठक, पंकज कुमार रितेश कुमार, दीपक राम, भोला यादव, राजू ठाकुर,अमर हरि,विशाल पांडेय,विशाल सरकार, धनजय उपाध्याय,हर्ष सिंह,आदित्य शर्मा, दीपक यादव,अमित कुमार,अभिषेक सुमित, बबलू कुमार, आकाश रजवार, अमन यादव, अमित पांडेय, शिव कुमार, पंकज हेला, पी.शिवा राव, प्रखर शर्मा, नवदीप कुमार,विवेक कुमार,सोनू बाउरी, जितेंन कुमार

पंडाल एव मेला सेक्शन- संजय चौधरी,राहुल महतो,अरविंद महतो,अरुण सिंह,अविनाश कुमार, गौतम बाउरी, गौतम हिनू, सुजय, रवि यादव, सुलेंडर शर्मा, सौम्या गायन, राहुल गोंड, रवि शर्मा, विशाल सरकार,अभिषेक सिंह, अनिकेत सिंह, दशरथ प्रसाद सिंह, प्रकाश मिश्रा, सोनू कुजूर, माणिक बोस

भोग विभाग- अभिषेक (बिल्लू), स्वराज बोस, सुनील सिंह, आलोक चौधरी, आरए कुशवाहा, अतुल गौरव,सुब्रोतो भटाचार्य, किशोर हरि,प्रभात पाठक, नंदू , रंजन राम, पिंटू, कमलदेव यादव, शिव यादव, महामंत्री – के मीनेष., दीप रॉय, राजकुमार राय, पंकज सिंह, राज कुमार,चंचल कुमार,सबलू यादव, मनीष यादव,गौतम ऋषि, शिवांश मिश्रा,अभिजीत महतो, अभय उपाध्याय.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।